www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 12 जनवरी, 2024 | वर्ष-16 | अंक -278 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

लोकसभा चुनावों में भाजपा को हटाने के लिए जनता पूरी ... 02

■ प्रदेश में पहला और 3 से 10 लाख की श्रेणी में... 04
■ 311 ऐप का नगर आयुक्त व विभागीय ...

■ ब्रिटेन यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह और ऋषि... 07
■ हसीना की नई कैबिनेट में 37 मंत्री शामिल

मुझे सोशल मीडिया से मान्यता की बिल्कुल भी... 10

सार संक्षेप

बृजभूषण के खिलाफ पॉक्सो केस बंद करने पर फैसला 2 मार्च को

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक किशोरी पहलवान द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली पुलिस की रद्दीकरण रिपोर्ट को स्वीकार करने या न करने पर आदेश की घोषणा 2 मार्च तक टाल दी।

बसपा ने मिस्ड काल के जरिए शुरू किया अभियान

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले अपने जनाधार को मजबूत करने की कवायद के तहत बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 'मिस्ड काल' अभियान की शुरुआत की है। बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने गुरुवार को इस सिलसिले में एक फोन नंबर जारी कर अपने समर्थकों से मिस्ड काल के जरिए एकजुटता दर्शाने की अपील की है।

एनआईए ने 32 जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी आतंकवादी और गैंगस्टर के गुर्गों के खिलाफ एक्शन के मोड में है। एनआईए की कई टीमों ने गुरुवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और चंडीगढ़ समेत 32 जगहों पर छापेमारी की। एएनआई की टीम ने छापेमारी के दौरान दो पिस्टल, दो मैगजीन, गोलाबारूद और 4.60 लाख रुपए की नगदी बरामद की है। इसके अलावा कुछ दस्तावेज और डिजिटल डिवाइज जब्त की है। एनआईए की टीम ने तीन मामलों में यह छापेमारी की है।

तेलंगाना में पूर्व मंत्री मुकेश गौड़ के बेटे ने भाजपा छोड़ी

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मंत्री मुकेश गौड़ के बेटे विक्रम गौड़ ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा दे दिया। हैदराबाद के गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के रहने वाले युवा नेता ने अपना इस्तीफा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी को भेजा। एक उद्यमी और फिल्म निर्माता विक्रम गौड़ पार्टी में उचित स्थान न मिलने से निराश थे।

अभूतपूर्व सूखे के कारण कश्मीर में जलस्रोत सिकुड़े

श्रीनगर। भीषण ठंड के बीच अभूतपूर्व शुष्क मौसम के कारण कश्मीर में कई जलस्रोत नीचे तक पहुंच गए हैं, क्योंकि मौसम कार्यालय ने 25 जनवरी तक आम तौर पर शुष्क मौसम का पूर्वानुमान लगाया है। कड़ाके की ठंड की 40 दिनों की लंबी अवधि, जिसे 'चिल्लई कलां' के नाम से जाना जाता है, 21 दिसंबर को शुरू हुई।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा में फिर लगाया अड़ंगा

अब असम सरकार ने वापस ली इजाजत

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया कि असम की सरकार ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को दो जिलों में रात्रि विश्राम की इजाजत नहीं दी है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असम में विपक्ष के नेता देबब्रता सैकिया ने बताया कि पार्टी अब यात्रा के दौरान रात्रि विश्राम के लिए वैकल्पिक जगह की व्यवस्था कर रही है। इसके लिए निजी प्रॉपर्टी में रात्रि विश्राम की व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है, जहां राहुल गांधी समेत पार्टी के अन्य नेता रात्रि विश्राम कर सकेंगे।

■ रात्रि विश्राम के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रही कांग्रेस

भाजपा हमारे मार्च करने के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन कर रही है, जबकि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम भी नहीं है : देवव्रता सेकिया, कांग्रेस नेता

14 जनवरी से शुरू होगी यात्रा

राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी से मणिपुर की राजधानी इंफाल से शुरू होनी है। वहीं यात्रा का समापन 20 मार्च को मुंबई में होगा। असम में 18-25 जनवरी के बीच भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकलेगी। सैकिया ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस पार्टी ने भारत की आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी, वह अब देश पर शासन कर रही है। वह नहीं चाहते कि लोगों की समस्याएं उजागर हो। फासीवादी और अलोकतांत्रिक भाजपा के शासन में आजादी खतरे में है।

लोकतांत्रिक अधिकार के हनन का लगाया आरोप

सैकिया ने कहा कि 'हमने धेमाजी जिले में गोगामुख में स्कूल के मैदान पर रात्रि विश्राम के लिए अपने कंटेनर वाहनों को पार्क करने की इजाजत मांगी थी। शुरुआत में इजाजत दे दी गई थी लेकिन अंतिम समय में इस मंजूरी को वापस ले लिया गया। इसी तरह जोरहाट में एक कॉलेज के खेल मैदान पर रात्रि विश्राम की मांग की गई थी, लेकिन सरकार ने वहां भी इजाजत नहीं दी। भाजपा हमारे मार्च करने के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन कर रही है, जबकि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम भी नहीं है। अब हम लोगों और प्राइवेट फर्मों से मदद मांग रहे हैं ताकि हम रात्रि विश्राम के लिए उनकी जगह का इस्तेमाल कर सकें।

पिछले 10 साल अन्याय काल : सपरा

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता और मप्र के लोकसभा चुनाव मीडिया प्रभारी चरण सिंह सपरा ने नरेंद्र मोदी और अमित शाह को रंगा बिल्ला तथा शाह और तानाशाह कहा है। सपरा ने इसी माह कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर कहा कि इस यात्रा में देश की जनता के साथ हो रहे अन्याय को बताया जाएगा। गुरुवार को पीसीसी में मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इनके द्वारा लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। पहले मध्यप्रदेश फिर महाराष्ट्र और कर्नाटक में ऐसा किया गया। महाराष्ट्र में चुनी सरकार को खत्म करने के लिए रंगा बिल्ला की लिखी स्क्रिप्ट पर काम किया गया। जब उनसे पूछा गया कि रंगा बिल्ला कौन हैं तो उन्होंने कहा कि सारे देश को पता है कि कौन हैं। एक शाह और दूसरा तानाशाह है। नाम पूछने पर उन्होंने सीधे तौर पर नरेंद्र मोदी और अमित शाह का नाम लिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार और भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत के लोग वास्तविकता देखें लेकिन भारत को अब एहसास हो गया है कि कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से आगामी 2024 चुनावों में एक साथ मिलकर शक्तिशाली तरीके से अपनी आवाज उठाएगा। भारत न्याय का हक मिलने तक लड़ेगा। पीसीसी में मीडिया से चर्चा करते हुए सपरा ने कहा कि भाजपा सरकार ने दस सालों में देश के लोकतंत्र और संविधान को गंभीर चोट पहुंचाई है।

■ न्याय यात्रा में खोलेंगे मोदी सरकार की पोल

ममता ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर आपत्ति जताई

■ समिति के सचिव को लिखा पत्र
■ कहा, 'संविधान में प्रावधान नहीं

कोलकाता, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर उच्च स्तरीय समिति के सचिव नितेन चंद्रा को पत्र लिखकर प्रस्तावित प्रणाली पर अपनी आपत्तियां उजागर कीं। मुख्यमंत्री की बजाय तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में लिखे पत्र में उन्होंने तर्क दिया कि संविधान एक संघीय तरीके से भारतीय राष्ट्र की कल्पना करता है, जिसके परिणामस्वरूप एक केंद्र सरकार और कई राज्य सरकारों के समानांतर अस्तित्व की व्यवस्था होती है। उन्होंने लिखा, यदि भारतीय संविधान के निर्माताओं ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा का उल्लेख नहीं किया है, तो आप 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा पर कैसे पहुंचे? जब तक इस मूल पहेली को हल नहीं किया जाता, तब तक इस आकर्षक वाक्यांश पर किसी भी दृढ़ विचार तक पहुंचना मुश्किल है। पत्र में, तृणमूल प्रमुख ने उस स्थिति का मुद्दा भी उठाया जहां लोकसभा असामयिक रूप से भंग हो जाती है, जबकि राज्य विधानसभाएं अप्रभावित रहती हैं। उन्होंने पूछा, केंद्र में सरकार की अस्थिरता और संसद पर परिणामी प्रभाव से राज्य विधानसभाओं को अस्थिर नहीं किया जाना चाहिए। आपकी सम्मानित समिति इन सवालों को कैसे हल करने का प्रस्ताव करती है?

संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ बताया

उनके अनुसार, ऐसा लगता है कि केंद्र सरकार एक ऐसा ढांचा थोपने का प्रयास कर रही है जो भारतीय संविधान में निर्धारित वास्तविक लोकतांत्रिक और संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ है।

पहाड़ी क्षेत्रों में आज से हिमपात के आसार

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिम भारत के अलग-अलग स्थानों पर सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण, 12 और 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद तथा हिमाचल प्रदेश में हल्की वर्षा और हिमपात होने का अनुमान है। 16 जनवरी से इसमें और वृद्धि के भी आसार हैं।

■ अलग-अलग स्थानों पर छाया रहेगा घना कोहरा
■ कई राज्यों में हल्की बारिश के भी आसार

उत्तराखंड में भी 16-17 जनवरी को हल्की वर्षा होने और हिमपात होने के आसार हैं। तमिलनाडु, केरल और लक्षद्वीप में अगले 24 घंटे के दौरान हल्की से मध्यम वर्षा होने और मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। ग्यारह से 15 जनवरी तक पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के अलग-अलग स्थानों पर सुबह कुछ घंटों के लिए घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं, जिससे ठिठुरन भरी ठंड और अधिक बढ़ जाएगी। पूर्वी-पश्चिमी उत्तर प्रदेश भी 11 और 12 जनवरी को सुबह कुछ घंटों के लिए घने कोहरे की चपेट में रहने के आसार हैं और यह सिलसिला अगले तीन दिनों तक चलने का अनुमान है। 11 और 12 जनवरी को पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में और 13-15 जनवरी तक पंजाब के अलग-अलग हिस्सों में ठंडे दिन से लेकर गंभीर ठंडे दिन की स्थिति जारी रहने की उम्मीद है।

दिल्ली में 5.8 डिग्री रहा तापमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसमें कहा गया है कि अधिकतम तापमान 15 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। गुरुवार की सुबह, शहर घने कोहरे से ढका हुआ था और सफदरजंग में सुबह 8:30 बजे सबसे कम दृश्यता 500 मीटर थी, जबकि पालम में सुबह 5:00 बजे 100 मीटर दर्ज की गई, इसमें बाद में सुधार हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी समेत करीब 8,000 मेहमान होंगे शामिल

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। इसके साक्षी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत करीब 8,000 मेहमान होंगे। इन मेहमानों की विभिन्न श्रेणियां हैं। जानकारी के मुताबिक, इनमें हुतात्मा कारसेवकों के परिवार के सदस्य, आंदोलन के पुरोधाओं के परिवार के सदस्य, न्यायिक प्रक्रिया में प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों का समूह, 150 से अधिक परंपराओं के साधु संत, कथाकार, मठ-मंदिरों के ट्रस्टी, पुजारी आदि शामिल हैं। इनके अलावा नेपाल से संत समाज के प्रमुख लोग आमंत्रित किए गए हैं। जैन, बौद्ध, सिख समाज के बंधु (भारतीय मत पंथों के प्रतिनिधि) आमंत्रित हैं। प्रमुख दानकर्ता, जनजाति समाज के प्रमुख लोग, घुमंतू जाति तथा अन्य जनजाति के लोग, अनुसूचित समाज के प्रमुख लोग (उदाहरण के लिए अंबेडकर जी, जगजीवन राम जी, कांशीराम जी के परिवार के सदस्य), प्रसिद्ध समाचार पत्रों, न्यूज चैनलों के प्रमुख व्यक्ति आमंत्रित किए गए हैं।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह

■ सेवानिवृत्त सेनाध्यक्षों, कारसेवकों के परिवार को भी निमंत्रण
■ मुख्यमंत्री योगी के अलावा किसी मंत्री को आमंत्रण नहीं दिया

रामनगरी पहुंचा 500 किलो का विशाल नगाड़ा

अयोध्या। गुजरात से विशेष रथ से 500 किलो का विशाल नगाड़ा बुधवार को रामनगरी पहुंचा, जिसे राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने स्वीकार किया। साथ ही आश्वासन दिया कि इसे उचित स्थान पर स्थापित किया जाएगा। गुजरात विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्र मंत्री अशोक रावल ने पत्र भेजकर नगाड़ा स्वीकारने की संस्तुति की है। नगाड़ा लेकर आए चिराग पटेल ने बताया कि इस पर सोने और चांदी की परत चढ़ाई गई है। ढांचे में लोहे और तांबे की प्लेट का भी इस्तेमाल किया गया है।

पुरस्कारों से सम्मानितों को भी बुलाया

स्वयंसेवी संगठन, नोबल पुरस्कार, भारत रत्न, परमवीर चक्र, पद्म सम्मान इत्यादि से सम्मानित भाई-बहनों को भी आमंत्रित किया गया है।

स्वच्छ सर्वेक्षण का परिणाम जारी

इंदौर सातवीं बार बना सबसे स्वच्छ शहर

भोपाल, 11 जनवरी (देशबन्धु)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 का परिणाम जारी किया। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में सातवीं बार इंदौर पहले स्थान पर रहा। सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला। महाराष्ट्र का नवी मुंबई तीसरे, आंध्र प्रदेश का विशाखापट्टनम चौथे और मध्य प्रदेश का भोपाल पांचवें नंबर पर रहा।

सूरत को भी इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान मिला

वहीं एक लाख से कम आबादी वाले शहरों में महाराष्ट्र का सासवड पहले, छत्तीसगढ़ का पाटन दूसरे और महाराष्ट्र का लोनावाला तीसरे स्थान पर रहा। देश के स्वच्छ राज्यों की कैटेगरी में इस बार महाराष्ट्र को पहला, मध्य प्रदेश को दूसरा और छत्तीसगढ़ को तीसरा स्थान मिला। पिछली बार मध्य प्रदेश पहले स्थान पर था।

गंगा किनारे बसे शहरो में वाराणसी अव्वल

गंगा किनारे बसे सबसे साफ शहरों में वाराणसी पहले और प्रयागराज दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के महू को सबसे स्वच्छ कैंटोनमेंट बोर्ड का अवॉर्ड मिला है। बेस्ट सफाई मित्र सुरक्षित शहर का अवॉर्ड चंडीगढ़ को दिया गया। दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने इन राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। इस बार कुल 9500 अंक का सर्वेक्षण हुआ है।

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। संसद के बजट सत्र 31 जनवरी से शुरुआत होगी। यह 9 फरवरी तक चल सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। इसी के साथ ही बजट सत्र की शुरुआत होगी।

■ 9 फरवरी तक चलेगा संसद का बजट सत्र
■ 1 फरवरी को पेश होगा अंतरिम बजट

यह आखिरी सत्र होगा

एक फरवरी को पेश होने वाला बजट अंतरिम बजट होगा। लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार पूर्ण बजट पेश करेगी। दरअसल, 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है, इसलिए आम चुनाव की घोषणा से पहले यह संसद का आखिरी सत्र होगा। 2019 में लोकसभा चुनावों की घोषणा 10 मार्च को की गई थी और 11 अप्रैल से 19 मई के बीच सात चरणों में मतदान हुआ था। हाल ही में संसद का शीतकालीन सत्र काफी हंगामे वाला रहा था। संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी दल सदन में केंद्रीय गृह मंत्री के बयान देने की मांग कर रहे थे।

मणिपुर में थम नहीं रहा हिंसा का दौर

कुकी उग्रवादियों ने चार ग्रामीणों की हत्या की

इंफाल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने एक पिता और उसके बेटे सहित चार ग्रामीणों की हत्या कर दी। इंफाल में एक पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को कहा, 'बिष्णुपुर जिले के अकासोई गांव के चार ग्रामीण बुधवार को चुराचांदपुर जिले के नजदीकी जंगली इलाकों में जलावन इकट्ठा करने गए थे। इसी दौरान कुकी उग्रवादियों ने उनका अपहरण कर लिया और फिर उनकी हत्या कर दी।' मृतकों के शव गुरुवार को पुलिस टीम ने बिष्णुपुर जिले के कुंबी से बरामद किए। मृतकों की पहचान इबोम्चा सिंह (51) और उनके बेटे आनंद सिंह (20), रोमेन सिंह (38) और दारा सिंह (37) के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने विभिन्न कुकी संगठनों द्वारा संचालित सोशल मीडिया नेटवर्क पर शवों को देखा और पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने शवों को बरामद किया। सुरक्षाबलों ने उग्रवादियों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

तैयारी | यूपी जोड़ो यात्रा के बाद अब संवाद कार्यक्रम चला रही कांग्रेस

भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस का पश्चिमी उप्र पर फोकस

विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली,11 जनवरी (देशबन्धु)। भाजपा को लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता पर काबिज होने से रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी पूरा दमखम लगा रही है। भाजपा राममंदिर के सहारे पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर अवध, बुंदेलखंड, रुहेलखंड और पश्चिम यूपी में बढ़त बनाने की कोशिश कर रही है।

तो वहीं कांग्रेस उसका विजयरथ पश्चिम में थामकर दिल्ली की राह रोकने की हर संभव जतन करने में लगी है।

■ यहां जातीय समीकरण भी इंडिया गठबंधन के पक्ष में

मालूम हो कि अक्सर कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है। इसीलिए भाजपा का पूरा फोकस सूबे की ज्यादा से ज्यादा सीटों पर कब्जा जमाने की है। लेकिन कांग्रेस पार्टी अगर उसे पश्चिम में रोकने में कामयाब हो गई तो भाजपा के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। यहां जातीय समीकरण (दलित, मुसलमान व जाट) भी इंडिया गठबंधन के पक्ष में है।

20 जिलो से होकर गुजरेगी यात्रा

इससे पहले यूपी जोड़ो यात्रा के दौरान भी 16 लोकसभा क्षेत्रों पर खास फोकस किया गया था। यह यात्रा सहारनपुर से शुरू हुई थी। वहीं 14 जनवरी से शुरू हो रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी यूपी के 20 जिलो से होकर गुजरेगी। इसमें पश्चिम के मुरादाबाद, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा, आगरा और कासगंज जिले शामिल है। पार्टी यहां दलित, मुस्लिम और जाट मतदाताओं को अपने पक्ष में करके भाजपा को झटका देने की फिराक में है।

बतादें कि कांग्रेस यूपी जोड़ो यात्रा के ठीक बाद अब सूबे में संवाद कार्यक्रम चला रही है, जो 18 फरवरी तक चलेगा। पार्टी ने इसकी शुरुआत पश्चिम यूपी के मेरठ से की है। इसके जरिए पश्चिम की डेढ़ दर्जन सीटों पर फोकस किया गया है।

देश

उवाच

"भाजपा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने पाले में करने की कोशिश कर रही है और इंडिया गठबंधन में भ्रम पैदा करने के लिए बयान दे रही है। गठबंधन में शामिल सभी घटक दल एकजुट हैं।

-मदन सहनी, जदयू के वरिष्ठ नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	15.0	06.0
मुंबई	30.0	25.0
कोलकाता	20.0	11.0
चेन्नई	27.0	25.0

धर्म के नाम पर राजनीति गलत : कांग्रेस

बेंगलुरु, 11 जनवरी (एजेंसियां) कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस के इस फैसले का समर्थन किया है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने धार्मिक कार्यक्रम को राजनीतिक कार्यक्रम में बदलकर 140 करोड़ भारतीयों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि हमें उस हिंदू धर्म से परेशानी नहीं है, जिसका पालन महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, नारायण गुरु जैसे महान व्यक्तियों ने किया है। हमें भाजपा के पाखंडी हिंदुत्व से परेशानी है, जो धर्म के नाम पर राजनीति करती है। सीएम ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने का बिल्कुल सभी फैसला लिया है। मैं इस फैसले का समर्थन करता हूं। उन्होंने इसी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ परिवार के नेताओं पर धार्मिक कार्यक्रम को राजनीतिक बनाकर भगवान राम और 140 करोड़ भारतीयों का अपमान करने का आरोप लगाया है। सिद्दारमैया ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव के इस बयान से विवाद खड़ा हो गया है कि राम मंदिर में शैव और शाक्तों का कोई अधिकार नहीं है और अगर यह सच है तो यह सभी शैव भक्तों का अपमान है।

- सिद्दारमैया ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से कांग्रेस नेताओं के दूर रहने के फैसले का किया समर्थन
- भाजपा व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर जमकर साधा निशाना

धार्मिक कार्यक्रम को राजनीतिक कार्यक्रम में बदलकर 140 करोड़ भारतीयों का अपमान किया है : सिद्दारमैया

यह सभी हिंदुओं के साथ विश्वासघात

चार शंकराचार्यों ने भी इस तरह के रवैये की आलोचना की है और ऐसे स्थापना समारोह का बहिष्कार किया है, जिसने एक एकीकृत कार्यक्रम को हिंदुओं को विभाजित करने वाले कार्यक्रम में बदल दिया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। सिद्धारमैया ने कहा कि यह सभी हिंदुओं के साथ विश्वासघात है। यह एक धार्मिक कार्यक्रम है जिसे श्रद्धापूर्वक आयोजित करना चाहिए था, लेकिन इसे राजनीतिक प्रचार बना दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि राम जन्मभूमि विवाद के पहले दिन से ही कांग्रेस अपने रुख पर कायम है। उन्होंने आरोप लगाया कि अक्सर हिंदू संस्कृति, परंपराओं एवं मूल्यों पर व्याख्यान देने वाली भाजपा तथा आरएसएस के नेता भी प्रधानमंत्री द्वारा अधूरे राम मंदिर का उद्घाटन करने के कृत्य पर चुप हैं और यही यह चुप्पी हिंदुत्व के उनके पाखंडी संस्करण को उजागर करती है। मुख्यमंत्री ने कहा राम जन्मभूमि विवाद की शुरुआत के बाद से कांग्रेस पार्टी ने दृढ़ता से अपना रुख बनाए रखा है और अदालत के फैसले के प्रति हमारे सम्मान के अनुरूप राम मंदिर के निर्माण का पूरा समर्थन किया है। इस बारे में हमारी ओर से कोई विवाद नहीं है। मुस्लिम समुदाय ने भी अदालत के फैसले को स्वीकार करके न्यायपालिका के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। भाजपा, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों ने हालांकि शुरू में तर्क दिया था कि राम जन्मभूमि मुद्दा आस्था का मामला है और अदालत को निर्णय नहीं लेना चाहिए लेकिन उन्होंने भी शीर्ष न्यायालय के फैसले को अपने पक्ष में स्वीकार कर लिया, जो इन नेताओं के पाखंड को उजागर करता है। सिद्धारमैया ने कहा कि जनता भाजपा और संघ परिवार की राजनीति को समझ रही है। वे इनके जाल में फंसने वाले नहीं हैं। जनता अभी से ही राम मंदिर के निर्माण के लिए ईंट के नाम पर लिए गए दान का हिसाब मांग रही है। सिद्धारमैया ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव के शैव और शाक्तों का राम मंदिर में कोई अधिकार नहीं है, वाले बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है।

राजनीति के लिए राम मंदिर के नाम का इस्तेमाल करने के विरोध में चार शंकराचार्यों ने भी इस समारोह में शामिल न होने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा मोदी को देश की सत्ता संभालते हुए 10 साल हो गए, लेकिन मतदाताओं के सामने अपनी उपलब्धियों के आधार पर चुनाव जीतने का आत्मविश्वास उनके भीतर नहीं है। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा हड़बड़ी में यह कार्यक्रम कर रही है।

कोई भी धर्म दूसरे धर्म के प्रति नफरत नहीं सिखाता

सिद्दारमैया ने कहा कि हम राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धर्म का इस्तेमाल करने के पूरी तरह खिलाफ हैं। पार्टी को महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानन्द, कनकदास, नारायण गुरु और कुवेम्पु जैसी कई महान हस्तियों द्वारा अपनाए गए हिंदू धर्म से कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा हम इस मामले में राजनीतिक लाभ या हानि की गणना नहीं करते हैं। एक जन प्रतिनिधि के रूप में मैंने मंदिर के उद्घाटन और जीर्णोद्धार सहित सैकड़ों धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया है। मैंने अपने गांव में भक्तिपूर्वक राम का मंदिर बनाया है और पूजा की है। इसी तरह मैंने मस्जिदों और चर्चों में धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया है और सम्मान दिखाया है। सभी धर्मों के सम्मान के संवैधानिक सिद्धांत को बरकरार रखते हुए मैं और मेरी पार्टी इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। भगवान राम का प्रतिदिन सम्मान करना और उनकी पूजा करना उतना ही धार्मिक कर्तव्य है जितना कि राजनीतिक उद्देश्यों के लिए राम का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ आवाज उठाना। कोई भी धर्म दूसरे धर्म के प्रति नफरत नहीं सिखाता। मैं और मेरी पार्टी समाज में सभी समुदायों के लिए शांतिपूर्ण माहौल बनाने के संवैधानिक लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

महाराष्ट्र में मोदी कई विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को अपनी महाराष्ट्र यात्रा के दौरान 30,500 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। यहां गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मोदी शुक्रवार दोपहर बाद करीब 12:15 बजे नासिक पहुंचेंगे और 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करेंगे।

वह अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे मुंबई में अटल बिहारी वाजपेयी शिवडी-न्हावा शेवा अटल सेतु का उद्घाटन करेंगे। मोदी ने दिसम्बर 2016 में इस पुल की आधारशिला रखी थी। इस 21.8 किलोमीटर लंबे छह स्तरीय पुल अटल सेतु का निर्माण 17,840 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से किया गया है। पुल के 21.8 किमी में से 16.5 किमी हिस्सा समुद्र में फैला हुआ है, और शेष, लगभग 5.5 किमी भूमि पर फैला हुआ है। यह भारत का सबसे लंबा पुल होने के साथ-साथ देश का सबसे लंबा समुद्री पुल भी है। बयान में कहा गया है कि इस पुल की मदद से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक जाने में लगने वाला समय कम हो जाएगा तथा मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा में भी कम समय लगेगा। इससे मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच यातायात व्यवस्था में सुधार होगा। इसके अलावा, मोदी नवी मुंबई में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में 12,700 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। साथ ही कार्यक्रम के दौरान मोदी लगभग 2000 करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

दो हजार करोड़ की रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे

भूमिगत सड़क सुरंग की आधारशिला भी रखेंगे प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी ऑरेंज गेट से मरीन ड्राइव तक ईस्टर्न फ्रीवे को जोड़ने वाली भूमिगत सड़क सुरंग की आधारशिला रखेंगे। कुल 9.2 किमी लंबे इस सुरंग का निर्माण 8700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। सुरंग से ऑरेंज गेट और मरीन ड्राइव के बीच यात्रा का समय बचेगा। प्रधानमंत्री प्रमुख क्षेत्रीय पेयजल परियोजना 'सूर्या' का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित करेंगे। कुल 1975 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित इस परियोजना की मदद से महाराष्ट्र के पालघर और ठाणे जिलों को पेयजल की आपूर्ति की जाएगी और लगभग 14 लाख की आबादी को लाभान्वित होगी।

सार संक्षेप

धनखड़ को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का मिला निमंत्रण

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार व श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ को रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण दिया। आलोक कुमार व नृपेंद्र मिश्रा ने धनखड़ से मुलाकात कर 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम के लिए निमंत्रण दिया।

कश्मीर में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गये। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी दी। केंद्र ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर छह आंकी गई। इसका केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में 363.52 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.71 डिग्री पूर्वी देशांतर पर सतह से 192 किलोमीटर नीचे था। इसके परिणामस्वरूप श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों में कुछ सेकंड के लिए झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटके दोपहर 2.50 बजे आये। कुछ स्थानों पर लोग सुरक्षा के लिए घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आये। जानमाल के नुकसान की फिलहाल कोई रिपोर्ट नहीं है।

कार-टैक्टर ट्रॉली की भिड़ंत में तीन की मौत

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर टैक्टर ट्रॉली के पीछे से टकरा गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा बुधवार की देर रात करीब 11:30 बजे बिजनौर के धामपुर थाना क्षेत्र के स्योहारा रोड पर हुआ। मृतकों की पहचान उज्जवल शर्मा, मिथुन कुमार और चन्द्रदीप सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि एक तेज रफ्तार ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर अपने आगे चल रहे गन्ने से भरी टैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी, जिसमें कार सवार सभी तीन युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

झारखंड के साहिबगंज में सीबीआई ने की छापेमारी

रांची। झारखंड के साहिबगंज में अवैध माइनिंग स्कैम की जांच कर रही सीबीआई ने गुरुवार को सीएम हेमंत सोरेन के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बरहेट में चार ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी की टीमों ने बरहेट स्थित भारतीय स्टेट बैंक की सीएसपी संचालक बबीता देवी, उनके पति दीपक ठाकुर, पेटखस्सा गांव में मनोज दास, डुमरिया में मोहरम अंसारी और भागाबांध में कुर्बान अंसारी के ठिकानों की तलाशी ली है। बताया जा रहा है कि एसबीआई के सीएसपी से बड़े पैमाने पर संदिग्ध कैश ट्रांजेक्शन हुआ है।

त्रिपुरा में सीबीएसई परीक्षा कोकबोरोक भाषा में लिखने की मांग

अगरतला, 11 जनवरी (एजेंसियां)। त्रिपुरा स्टूडेंट फेडरेशन (टीएसएफ) ने आगामी केंद्रीय माध्यमिक परीक्षा बोर्ड (सीबीएसई) परीक्षा में कोकबोरोक भाषा (राज्य के आदिवासियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली बोली) में लिखने और सीखने के लिए रोमन लिपि की मांग को लेकर गुरुवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया। टीएसएफ ने आदिवासी विधार्थियों की मांगों को कथित तौर पर नजरअंदाज करने के लिए सरकार पर निशाना साधा और कहा कि कोकबोरोक रोमन लिपि में उत्तर पुस्तिकाएं लिखने में छात्र अधिक सहज हैं। टीएसएफ नेताओं ने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं अगले 15 फरवरी को होने वाली हैं और स्क्रिप्ट में कोई स्पष्टता नहीं है, क्योंकि सीबीएसई ने त्रिपुरा में प्रचलित बंगाली और रोमन दोनों भाषाओं में उत्तर पुस्तिकाओं को दोहरी लिपियों में लिखने पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री डॉ.माणिक साहा ने विधानसभा में विपक्षी सदस्यों को आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार कोकबोरोक के स्क्रिप्ट विवाद में हस्तक्षेप करेगी और इस समस्या को हल करने के लिए सीबीएसई को पत्र लिखेगी।

लोकसभा चुनावों में भाजपा को हटाने के लिए जनता पूरी तरह तैयार : अखिलेश

लखनऊ, 11 जनवरी (देशबन्धु)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा कोई भी मतदाता छूट न जाए इसलिए 22 जनवरी को जारी होने वाली मतदाता सूची पर नजर रखी जाएगी। जनता महंगाई, बेरोजगारी और भाजपा नेताओं के जमीन कब्जाने से परेशान है और बदलाव चाहती है। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को लखनऊ में विधानसभा अध्यक्षों के साथ चर्चा के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। गठबंधन में कांग्रेस से सीट शेयरिंग को लेकर उन्होंने कहा कि बहुत अच्छे माहौल में चर्चा हुई है। जल्द ही इसकी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध लगातार बढ़ रहा है सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति सिर्फ एक नारा बनकर रह गई है। हर घर में बेरोजगार युवक बैठा है। जनता भाजपा को हटाने के लिए तैयार है। 2022 में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था।

बिजली महंगी हो गई है। किसानों को तार लगाकर अपनी फसलें बचाना पड़ रहा है। लोगों को इलाज नहीं मिल रहा है। सपा ने जिन मेडिकल कॉलेजों को बनाए थे वो भी नहीं चलाए जा रहे हैं।

- सपा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची पर नजर रखने के दिए निर्देश

महंगाई व बेरोजगारी से परेशान है जनता : अखिलेश यादव

नाकामी छिपाने के लिए एनकाउंटर कर रही सरकार

सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में अपराध बढ़े हैं। महिलाएं असुरक्षित हैं। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए एनकाउंटर कर रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता, कार्यकर्ता और अधिकारी मिलकर लोगों की जमीनों को हड़पने का काम कर रहे हैं। लोगों ने इतनी लूट कभी नहीं देखी होगी जितनी भाजपा सरकार में हो रही है। लोगों को डरा-धमका कर जमीनें छीन रहे हैं।

ओडिशा में काला जादू करने के संदेह में व्यक्ति की हत्या

भुवनेश्वर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा में राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों में अंधविश्वास और शिक्षा की कमी के कारण एक और जघन्य हत्या हुई है। गुरुवार को एक पुलिस अधिकारी ने कहा, मलकानगिरी जिले के टांडापल्ली गांव में दो लोगों ने एक 55 वर्षीय व्यक्ति की हत्या इसलिए कर दी क्योंकि उन्हें संदेह था कि वह काला जादू कर रहा था। पुलिस ने बुधवार को मृतक लक्ष्मा कबासी के बहनोई की शिकायत के आधार पर मुदा पदियामी और उसके रिश्तेदार मुकुंद पदियामी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने गुरुवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। मृतक कबासी और दोनों आरोपी टांडापल्ली गांव के हैं। जांच के दौरान यह पता चला कि मुख्य आरोपी मुदा की पत्नी वाधे पदियामी की पिछले साल दिसम्बर में मौत हो गई थी, जबकि उसकी मां और दादा की लगभग दो साल पहले मौत हो गई थी। मुदा को संदेह था कि कबासी ने काला जादू किया था, जिससे उसके परिवार के सदस्यों की मृत्यु हो गई। मुदा ने मुकुंद के साथ मिलकर मंगलवार की रात ब्लेड से गला काटकर कबासी की हत्या कर दी। बाद में उन्होंने उसके शव को पड़ोसी छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सबरी नदी में फेंक दिया। बुधवार को नदी से शव बरामद किया गया और आरोपियों को उनके ठिकाने से पकड़ लिया गया।

बिहार में मकर संक्रांति पर राबड़ी आवास में होगा बड़ा सियासी कार्यक्रम

पटना, 11 जनवरी (देशबन्धु)। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर मकर संक्रांति यानी 14 जनवरी और 15 जनवरी को 'दही चुड़ा भोज' का आयोजन किया गया जाएगा। इस 'दही चुड़ा भोज' में महागठबंधन सहित सभी दलों के नेता एवं कार्यकर्ता आमंत्रित होंगे। राजद के तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, मंत्री तेज प्रताप यादव एवं सांसद मीसा भारती के साथ-साथ राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमों लालू यादव समेत पार्टी के सभी पदाधिकारी, नेता एवं कार्यकर्ता स्वागत में उपस्थित रहेंगे। दरअसल, राजद सुप्रीमों लालू यादव के तरफ से उनके स्वस्थ्य होने पर 'दही चुड़ा भोज' का आयोजन होता रहा है। इस दौरान वह खुद अपने पार्टी और सहयोगियों को दही परोसते हुए भी नजर आते रहे हैं।

लेकिन, इस बार यह काम तेजस्वी के हाथों होने की उम्मीद जताई जा रही है। राजद के तरफ से इस बार मकर सक्रांति पर चूड़ा दही भोज का आयोजन करने का निर्णय आधिकारिक तौर पर कर लिया गया है। वहीं, राजद प्रदेश कार्यालय में पार्टी की ओर से 'मकर संक्रांति' पर 'चुड़ा-दही भोज' के आयोजन पर विचार करने के लिए एक बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में राजद के राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, प्रदेश प्रधान महासचिव आलोक कुमार मेहता, राष्ट्रीय कार्यकारणी के सदस्य सुभाष यादव, प्रदेश प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, सारिका पासवान तथा प्रदेश महामंत्री सगंठन सह कार्यालय प्रभारी राजेश यादव शामिल हुए। इस दौरान यह निर्णय लिया गया कि पार्टी के तरफ से इस बार दही चुड़ा भोज' का आयोजन किया जाएगा। आपको बताते चलें कि, राबड़ी देवी के आवास पर दही-चूड़ा के भोज में बड़ी संख्या में लोगों का जुटान होता रहा है। जब लालू प्रसाद इसमें रहते थे तो वे खुद से भी लोगों को दही-चूड़ा परोसते थे। आयोजन का अंदाज भी निराला रहता है। कोई कार्यकर्ता दही ला रहा होता है, कोई फूलगोभी तो कोई चूड़ा। लालू प्रसाद खुद से भी दही-चूड़ा भोज के इंतजाम में मन से लगते थे।

- दही चुड़ा भोज में जुटेंगे राज्यभर के तमाम दिग्गज

राजोरी को दहलाने की साजिश नाकाम

जम्मू, 11 जनवरी (देशबन्धु)। जम्मू संभाग के जिला राजोरी को दहलाने की आतंकियों की साजिश को एक बार फिर सुरक्षाबलों ने विफल कर दिया है। गुरुवार को पुलिस और सुरक्षाबलों ने की टीम ने राजोरी के मंजाकोट से चार टिफिन आईईडी और गोली-बारूद बरामद किया है। टीम आसपास के इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चला रही है। जानकारी के अनुसार, राजोरी के हयातपुर-मंजाकोट इलाके में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान उन्हों एक वायरलेस सेट, एक टेप रिकॉर्डर, 23 राउंड एके गोलियां और चार टिफिन बॉक्स आईईडी बरामद हुईं। इससे पहले बुधवार को पुंछ में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पास से ढाई किलो मादक पदार्थ जब्त किए गया, जो कि तीन पैकेटों में बंद था। वहीं, मंगलवार को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा के पास से हथियार और नशीले पदार्थ की खेप को जब्त किया गया है।

- चार टिफिन आईईडी और गोली-बारूद बरामद

मणिपुर में पावर स्टेशन से लीक हुआ ईंधन नदियों में फैला

इंफाल, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में लीमाखोंग बिजली स्टेशन से बड़ी मात्रा में ईंधन के रिसाव के कारण कई गांवों से गुजरने वाली नालों में पानी फैल गया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि पर्यावरणीय आपदा रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। रिसाव 10 जनवरी की रात को लीमाखोंग पावर स्टेशन पर हुआ, जिससे कांटोसाबल, सेकमाई और आसपास के गांव प्रभावित हुए। धाराएं अंतत: इंफाल नदी के निचले प्रवाह में मिल जाती हैं, जो कांटोसाबल और सेकमाई सहित कई गांवों के लिए एक महत्वपूर्ण जलस्रोत हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने संबंधित विभागों और अधिकारियों को मशीनरी, जनशक्ति और विशेषज्ञता के संदर्भ में सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके पर्यावरणीय आपदा को रोकने के लिए तत्काल जरूरी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इंफाल पश्चिम जिले के उपायुक्त स्थिति से निपटने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। प्रभावित जलधाराओं के पानी के प्रवाह को पास के खेतों की ओर मोड़ने के लिए मशीनों को काम पर लगाया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि घटना के पीछे बदमाशों की कोई संलिप्तता थी या यह महज एक दुर्घटना थी।

कई गांव प्रभावित, पर्यावरणीय आपदा रोकने को जरूरी कदम उठाए

दावा *सड़क निर्माण को लेकर झारखंड सरकार का दावा*

राज्य में पिछले चार साल में बनी 52 सौ किलोमीटर सड़क

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने पिछले चार सालों के भीतर राज्य में पथ निर्माण के बजट की 95 फीसदी राशि खर्च करते हुए 5,200 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा करने का दावा किया है। बताया गया है कि राज्य में 4,600 किलोमीटर सड़कों के निर्माण का कार्य चल रहा है। राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार के चार साल पूरे होने पर।

पथ निर्माण विभाग ने एक प्रेस कांफ्रेंस में गुरुवार को अपने कामकाज का ब्योरा पेश किया। झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा है कि बीते चार सालों में मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देश में पूरे राज्य में पथ निर्माण विभाग और भवन निर्माण विभाग ने बेहतर कार्य किया है। कुमार ने गुरुवार को सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के सभागार में विभाग की उपलब्धियों की जानकारी मीडिया को देते हुए कहा कि लंबित योजनाओं को पूर्ण करने के साथ नई योजनाओं की स्वीकृति और पूर्व की योजनाओं को पूर्ण कर जनता को सौंपा जा चुका है। प्रधान सचिव ने बताया कि बीते चार सालों में विभाग ने 95 फीसदी बजट की राशि का व्यय किया है। वर्तमान समय में भी अब तक वित्तीय वर्ष 2023-24 के विरुद्ध 60 प्रतिशत राशी व्यय की जा चुकी है। उन्होंने जानकारी दी कि राज्य में कुल 17 हजार किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 14 हजार किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसमें 2000 किलोमीटर सड़क नेशनल हाईवे के माध्यम से बनाई जा रही है। राज्य सरकार की ओर से कुल 5200 किलोमीटर सड़क निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। वहीं 4600 किलोमीटर की सड़क निर्माण जारी है।

उन्होंने बताया कि 283 योजनाएं वर्तमान में विभाग की ओर से चलाई जा रही हैं। अब तक विभाग की ओर से 398 बड़े पुल-पुलिया का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। वहीं बीते चार सालों में 525 योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसकी कुल दूरी 6500 किलोमीटर है। कुमार ने बताया कि राज्य में कई सड़क योजनाओं को एनएचएआई के माध्यम से कराया जा रहा है। राज्य सरकार की सकारात्मक पहल की वजह से एनएचएआई के माध्यम से 40 हजार करोड़ की सड़क योजनाओं पर राज्य में काम हो रहा है। वहीं भारतमाला परियोजना पर 2500 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहरी क्षेत्रों की सड़कों का भी विकास किया जा रहा है। रांची के इनर रिंग रोड के 10 पार्ट में से कुल तीन पार्ट को स्वीकृति दी जा चुकी है। 194 किलोमीटर लंबे आउटर रिंग रोड का डीपीआर तैयार कर लिया गया है।

वहीं रिंग रोड की कनेक्टिविटी पर काम किया जा रहा है और कई कनेक्टिंग रोड की स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है।

- 46 सौ किलोमीटर पर चल रहा निर्माण कार्य

डीयू के मुख्य परिसर में निर्माण का रास्ता हुआ साफ, तैयार होंगे भवन

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के मुख्य परिसर में निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। इन निर्माण के बीच में आ रहे पेड़ को हटाया जाएगा। इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 2670 पेड़ों के स्थानांतरण और वनीकरण को मंजूरी दे दी। मुख्य परिसर में अंतर-अनुशासनात्मक शैक्षणिक और अनुसंधान भवन, प्रौद्योगिकी संकाय के लिए शैक्षणिक भवन, पुस्तकालय भवन और कंप्यूटर केंद्र का निर्माण किया जाएगा। अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक डीयू के उत्तरी परिसर में बनने वाले शैक्षणिक भवनों के लिए 252 पेड़ों के स्थानांतरण-प्रत्यारोपण और 15 पेड़ों के कटाई को मंजूरी दी गई है।

- **उपराज्यपाल ने 2670 पेड़ों के स्थानांतरण व वनीकरण को दी मंजूरी**
- **डीयू में होने वाले निर्माण में 900 करोड़ रुपए की लागत आएगी**

267 पेड़ों के बदले 2670 पौधों का होगा वृक्षारोपण

स्थानांतरण व कटाई किए जाने वाले 267 पेड़ों के बदले 2670 पौधों का वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके लिए डीयू करीब 1,57,89,000 रुपये की क्षतिपूर्ति अग्रिम रूप से जमा करेगा। करीब 4.8834 हेक्टेयर भूमि के डीएसई परिसर के अंदर अंतर-अनुशासनात्मक शैक्षणिक और अनुसंधान भवन, प्रौद्योगिकी संकाय के लिए शैक्षणिक भवन, पुस्तकालय भवन व अन्य का निर्माण किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि डीयू में होने वाले इन निर्माण में करीब 900 करोड़ रुपए की लागत आएगी। उपराज्यपाल ने निर्धारित मानदंडों के अनुसार वन विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के संबंधित अधिकारियों के साथ परियोजना स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया था। इस मौके पर एलजी को बताया गया था कि परियोजना क्षेत्र स्थल मॉर्फोलॉजिकल रिज क्षेत्र और डीम्ड फॉरेस्ट की परिभाषा के अंतर्गत नहीं आता।

लगाए जाएंगे यह पौधे

स्थानांतरण-प्रत्यारोपण या काटे गए पेड के बदले नीम, अमलतास, पीपल, पिलखन, गूलर, बरगद, देसी किकर और अर्जुन की प्रजातियों के साथ-साथ अन्य देशी प्रजातियां लगाई जाएगी। डीयू ने विश्वविद्यालय के पहले से ही चिन्हित क्षेत्रों में 24,120 वर्गमीटर शुद्ध क्षेत्र में किया गया। दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के तहत 267 पेड़ों के प्रत्यारोपण व स्थानांतरण के लिए एलजी की मंजूरी आवश्यक थी।

दर्द को खत्म करने के लिए कंपनी ओजोन ने शुरू की पहल

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में ओजोन ने दुनिया की अग्रणी दर्द प्रबंधन कंपनी बनने की दृष्टि से अपनी मॉलिक्यूल! पहल शुरू की, जो दर्द को खत्म करने के लिए कंपनी के समर्पण को के। रेखांकित करते हुए मील का पत्थर साबित होगी। दर्द मक्त विश्व के लिए महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण ओजोन फार्मास्यूटिकल्स के समूह निदेशक श्री सौख बनर्जी ने कंपनी के मिशन को व्यक्त करते हुए, जीवन में वर्ष और जीवन में वर्ष जोड़ने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने एस सी सहगल के नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत और विदेशों में दस लाख से अधिक रोगियों को आर्थिक रूप से गुणवत्तापूर्ण दत्ता प्रदान करने के लिए क्वालिनॉमिक्स के दुवारा ओजोन का लक्ष्य दुनिया भर में दर्द से लड़ने के लिए स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाना है।

स्वास्थ्य सेवा में क्रांतिकारी बदलाव

लाइफ साइसेज सेक्टर स्किल डेवलपमेंट काउंसिल की वरिष्ठ निदेशक डॉ. निवेदिता मर्कंटे ने उद्योग की उभरती जरूरतों के अनुरूप, दर्द प्रबंधन के लिए ओजोन के अपरंपरागत दृष्टिकोण की सराहना की। ओजोन- दर्द प्रबंधन में ओजोन का जुनून को स्वास्थ्य सेवा में क्रांतिकारी बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में सराहा गया।

स्वच्छता में विश्वस्तरीय बनाने को सफाई व्यवस्था में और सुधार की जरूरत : शैली

मेयर में वार्ड 194 कोंडली क्षेत्र का मैराथन निरीक्षण किया

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली की मेयर डॉ.शैली ओबरॉय और एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने अब दिल्ली होगी साफ अभियान के तहत शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र के वार्ड 194 कोंडली क्षेत्र का मैराथन निरीक्षण किया। मैराथन सफाई निरीक्षण अभियान के दूसरे दिन कोंडली क्षेत्र में ग्राउंड ज़ीरो पर उतर कर गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को साफ स्वच्छ रखना है। इस मैराथन सफाई निरीक्षण अभियान का उद्देश्य शहर की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करना है। साथ ही शहर की साफ सफाई को लेकर जनता का फीडबैक भी प्राप्त करना है।

दिल्ली को स्वच्छता में विश्वस्तरीय बनाने के लिए सफाई व्यवस्था में अभी और सुधार की जरूरत है। कोंडली क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरूरत है। सफाई व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत 250 वार्ड में मैराथन निरीक्षण किया जाएगा। इसके तहत जीवीपी पॉइंट्स को तो खत्म किया जाएगा ।साथ ही हर गली, कूचे, बैक लेन की साफ सफाई भी सुनिश्चित की जाएगी। मेयर ने लोगों से भी अपील करके कहा की शहर की सफाई व्यवस्था को बनाये रखने में अपना योगदान दें और अपने शहर को स्वच्छ रखने में भागीदार बनें।

एमसीडी प्रभारी और विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शहर को साफ करना है। दिल्ली तभी साफ होगी जब सभी अपना शत प्रतिशत इस कार्य में समर्पित करेंगे। आम लोगों से भी बात करके उनका फीडबैक प्राप्त किया जा रहा है।

सार संक्षेप

एपीआईएस इंडिया ने ऑर्गेनिक हनी उत्पाद लॉन्च किया

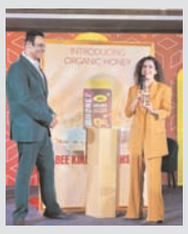

नई दिल्ली। एपीआईएस इंडिया लिमिटेड जो कि तीन पीढ़ियों के अनुभव और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की सोर्सिंग करने, उनका उत्पादन करने और उनकी आपूर्ति के लिए एक प्रतिष्ठित और एफएमसीजी क्षेत्र में एक अग्रणी खिलाड़ी के तौर पर जानी जाती है, ने बॉलीवुड की धड़कन मानी जाने वाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा की उपस्थिति में एक शानदार लॉन्च इवेंट के दौरान अपने ऑर्गेनिक हनी को प्रस्तुत किया। यह बेहतरीन प्रस्तुति, जो इसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है, जिम्मेदार सोर्सिंग और स्वाद में उत्कृष्टता के साथ प्रकृति की शुद्ध मिठास प्रदान करती है। एपीआईएस इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अमित आनंद ने बताया की एपीआईएस इंडिया लिमिटेड ने हमेशा प्रकृति द्वारा प्रदान किए गए उपहारों को पोषित करने में विश्वास किया है। आज, हम ऑर्गेनिक हनी को प्रस्तुत करते हुए उस प्रतिबद्धता को एक कदम आगे ले जा रहे हैं जो कि मधुमक्खियों, पर्यावरण और हमारे उन ग्राहकों से किया गया हमारा एक वादा है जो एक स्वस्थ, अधिक जागरूक जीवनशैली चाहते हैं। सान्या मल्होत्रा ने कहा कि मेरे लिए हनी इलाज से कहीं अधिक है, यह धूप का स्वाद है और प्रकृति के साथ हमारे परस्पर जुड़ाव की याद दिलाता है।

छतरपुर क्षेत्र में एंबुलेंस के ड्राइवर को मारी गोली

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में कैट एंबुलेंस के ड्राइवर इकरार को देर रात गोली मार दी गई। उसे एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई वह संगम विहार का रहने वाला है। पीड़ित इकरार के भाई ने बताया कि रात में 3 बजे के आसपास उसके पास इकरार के साथ में काम करने वाले नर्सिंग स्टाफ ने फोन कर कॉल करके सूचना दी थी। इसके बाद वह अस्पताल पहुंचे। महरौली थाना पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। दक्षिण जिला पुलि उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि संगम विहार निवासी पीड़ित इकरार की जांच मे गोली लीग है।

स्वच्छता पुरस्कार व रैंकिंग प्राप्त करने का श्रेय एनडीएमसी टीम की कड़ी मेहनत को : यादव

एनडीएमसी को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के तहत अखिल भारतीय श्रेणी में 7वीं रैंक

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा आयोजित एक समारोह में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद एनडीएमसी को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के तहत अखिल भारतीय श्रेणी में 7वीं रैंक और केंद्र शासित क्षेत्रों 1 लाख श्रेणी के भीतर स्वच्छ शहर के रूप में सम्मानित किया गया है। इसके साथ-साथ 5 स्टार कचरा मुक्त शहर रैंकिंग और वाटर प्लस प्रमाणित शहर के रूप में भी सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और भारत सरकार के आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ये पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए हुए विभिन्न शहरी विकास मंत्रियों, महापौरों, मिशन निदेशकों, नगर आयुक्तों और शहर के अधिकारियों सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी समारोह में भाग लिया। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद की ओर से पुरस्कार को अध्यक्ष अमित यादव, सचिव कृष्ण मोहन उप्पू, चिकित्सा अधिकारी स्वास्थ्य डॉ. दीपक मित्तल, नोडल अधिकारी और सीएमओ डॉ.शकुंतला श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता सिविल, संजय अरोड़ा और कार्यकारी अभियंता स्वच्छता, सीएल मीणा ने प्राप्त किया। यह पुरस्कार सेवा मानकों में उत्कृष्टता स्थापित करने और अपने निवासियों को विश्व स्तरीय नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के एनडीएमसी के निरंतर प्रयासों की मान्यता है। सामान्य तौर पर एनडीएमसी के कर्मचारियों और विशेष रूप से सफाई सेवकों को बधाई देते हुए, पालिका परिषद के अध्यक्ष अमित यादव ने कहा कि स्वच्छता पुरस्कार और रैंकिंग प्राप्त करने का श्रेय पूरी एनडीएमसी टीम की कड़ी मेहनत को जाता है।

अनारकली वार्ड के रामनगर वार्ड में हुआ जनसंवाद

नई दिल्ली,11 जनवरी (देशबन्धु)। अनारकली वार्ड के रामनगर वार्ड में जनसंवाद हुआ। यह जनसंवाद दिल्ली के प्रत्येक वार्ड में चल रहा है। कृष्णा नगर विधानसभा में 4 वार्ड आते हैं। तीन वार्डों में जनसंवाद हो चुका है जिसमें कृष्णा नगर वार्ड, गीता कॉलोनी वार्ड और जगतपुरी वार्ड। इन जनसंवादों में आए हुए जन-जन ने अपने संवाद में यही कहा है कि अरविंद केजरीवाल सच्चे देशभक्त मुख्यमंत्री हैं, इनको अपना इस्तीफा नहीं देना चाहिए। अगर केंद्र सरकार इनको जेल में डालती है तो जेल से ही इनको अपनी सरकार चलानी चाहिए। कृष्णा नगर विधानसभा के अध्यक्ष श्रवण दीक्षित ने कहां कि विधानसभा के चारों वार्डों में जनसंवाद हो चुके हैं।

जनसंवाद में कृष्णा नगर विधानसभा की जनता ने एक मत होकर कहा कि हमने अपना वोट अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री मनाने के लिए दिया था क्योंकि वह जनहित में कार्य करते हैं। दिल्ली में आज शिक्षा में जो काम हुआ वह कहीं किसी राज्य में नहीं हुआ। दवाई मुफ्त मिल रही है, इलाज अच्छा हो रहा है। दिल्ली सरकार की कई ऐसी योजना है, जिनका लाभ आम जनता को मिल रहा है और इस मौके पर विधायक कृष्णानगर एस के बग्गा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल लोकप्रिय नेता है और इसी बात से केंद्र सरकार भयभीत है। विधानसभा अध्यक्ष श्रवण दीक्षित ने कहा कि चारों वार्ड के संवाद को सफल बनाने में कृष्णा नगर

विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं ने अपना सहयोग दिया विशेष रूप से विधानसभा के विधायक एस के बग्गा, विधानसभा विधानसभा प्रभारी क्षितिज शर्मा, विधानसभा उपाध्यक्ष मनदीप सिंह,शाहदरा जिला उपाध्यक्ष जुगल अरोड़ा,संगठन मंत्री सुनील करवाल, गीता कॉलोनी के वार्ड अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, संगठन मंत्री के के शर्मा,जगतपुरी वार्ड अध्यक्ष दीपक आहूजा, संगठन मंत्री दानिश अली, कृष्णा नगर वार्ड अध्यक्षा निशा तिवारी कपूर, संगठन मंत्री राकेश चड्ढा, रवि कपूर, अनारकली वार्ड अध्यक्ष प्रवीण बहल,संगठन मंत्री अजय मधोक अरोड़ा, अनारकली महिला विंग अध्यक्षा आकांक्षा भल्ला,विधानसभा महिला विंग की अध्यक्ष राधा शर्मा संगठन मंत्री शरणजीत कौर,मोहम्मद शरीफ अयूब खान, महबूब अली,दीपक खन्ना,अजय मेहता, बलदेव छाबड़ा राजीव मलिक आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाटक रेजांगला में दिखा सैनिकों का शौर्य

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। दिशा, आर्टिस्ट हब तथा त्रिनाथ कल्चर फाउंडेशन द्वारा निरंजन

स्टूडियो भारती आर्टिस्ट कॉलोनी विकास मार्ग में निर्देशक विकास रवि द्वारा निर्देशित नाटक रेजांगला जिसके लेखक विवेक मिश्रा हैं, मंचन किया गया। स्टेज व्यवस्था निरिज सिंह व मानव गुप्ता ने की। प्रॉपर्टीज अनन्त तिवारी और मार्ग दर्शन डॉ. सत्यप्रकाश व जय शर्मा रहा। इस नाटक में शैतान सिंह की भूमिका में अनवर, दयाल सिंह के भूमिका में तरुण, निहाल सिंह के भूमिका में ऋषभ, संग्राम सिंह के भूमिका में आशुतोष, हुकुम सिंह के भूमिका में संदीप, धनजीत बोरा के भूमिका में अभिषेक, रामचंद्र सिंह के भूमिका में आकाश, सतपाल सिंह के भूमिका नीतीश झा, सूत्रधार के भूमिका में सहज, लाश के भूमिका में चंचल थे।

दरअसल, 18 नवम्बर,1962 में रेजांगला की लड़ाई में देश के वीर सपूतों ने जिस प्रकार जंग के मैदान में अपनी जान की परवाह किए बगैर बहादुरी से दुश्मनों का सामना किया था, वह देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पोक्सो एक्ट पर किया गया जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। सांसद रमेश बिधूड़ी के क्षेत्र में प्रधानमंत्री की विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत समाधान अभियान संस्था एवं इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में संगम विहार, दिल्ली में सशक्त बचपन सशक्त देश परियोजना के अंतर्गत, समाधान अभियान की डायरेक्टर अर्चना अग्निहोत्री द्वारा अभिभावकों के लिए बाल यौन शोषण से बचाव एवं पोक्सो एक्ट कानून की जागरूकता कार्यशाला आयोजित हुई। राम निवास भड़ाना जिला उपाध्यक्ष के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया नाटक प्रस्तुति के माध्यम से और जागरूकता कार्यशाला द्वारा अभिभावकों को बच्चों के साथ होने वाले बाल यौन शोषण से सुरक्षित रखने के तरीकों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सांसद रमेश बिधूड़ी ने कहा बच्चों की सुरक्षा हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बाल यौन शोषण रोकने पर अपनी राय रखते हुए कहा यह बचपन को खत्म कर देता है।

कार्यशाला में आवाज उठाओ, बचपन बचाओ, सशक्त बचपन, सशक्त देश बनाना है, बचपन को बचाना है पर जोर दिया गया। कार्यशाला मे लगभग 250 लोग सम्मिलित हुए। सभी अभिभावकों के द्वारा कार्यशाला की बेहद सराहना की गई। कार्यक्रम के अंत में सांसद रमेश विधूड़ी के द्वारा सभी अभिभावकों को शपथ दिलवाई गई। सांसद रमेश बिधूड़ी के द्वारा सर्वप्रथम मोदी जी की गारंटी योजना के तहत चलाई गई, सभी योजनाओं के विषय में जानकारी दी गई और सभी को बताया कि किस प्रकार से कुछ लोग उनकी छोटी-छोटी मासूम बच्चियों को लालच देकर बहला फुसलाकर गलत राह पर ले जाते हैं। समाधान अभियान संस्था की तरफ से यह जागरूकता का कार्यक्रम कराया गया। संस्था की संस्थापक अर्चना अग्निहोत्री और उनकी समस्त टीम का धन्यवाद किया।

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लाट नं0-1, सैक्टर नोलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा
जिला गौतमबुद्धनगर उ0प्र0।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बी.एच.एस-01, योजना के अंतर्गत आवंटित भवन संख्या 276, BLOCK-I, AREA-60 SQM, SECTOR ALPHA-02, ALLOTMENT NO.- BHS10108, GREATER NOIDA, G.B.NAGAR U.P. PIN-201310 के आवंटी SMT. ANGOORI W/O SH. HARVILASH H.NO.-B-192, ARJUN GALI ASHOK NAGAR SHAHADARA DELHI PIN-110093 की मृत्यु के उपरान्त उनके पुत्र SH. RAJESH S/O SH. HARVILASH के द्वारा उक्त भवन को अपने नाम कराने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस म्यूटेशन के सम्बंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में SMT. ANGOORI W/O SH. HARVILASH के नाम के स्थान पर उनके पुत्र SH. RAJESH S/O SH. HARVILASH का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

कवायद बवाना औद्योगिक इलाके को हरा-भरा बनाने की कवायद तेज

एक साल में लगाए जाएंगे पचास हजार पौधे

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। बवाना इन्फ्रा डवलपमेंट वर्ष 2024 में राजधानी दिल्ली के बवाना औद्योगिक इलाके को हरा-भरा बनाने के लिए अलग-अलग सेक्टर्स में 50 हजार पौधे लगाएगा। यह बड़ा ऐलान बवाना इन्फ्रा के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पुलकित अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य स्वच्छ बवाना हरा भरा बवाना है, जिसके लिए पूरे औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए जा रहे हैं। इनमें फलदार पौधों के अलावा फूलों के पौधे भी शामिल हैं।

- **फलदार पौधों के अलावा फूलों के पौधे भी शामिल हैं : अग्रवाल**
- **बवाना इन्फ्रा के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर किया ऐलान**

अग्रवाल ने बताया कि 50 हजार पौधे लगाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सालभर में कई विशेष अभियान चलाए जाएंगे, जिसमें हर वर्ष अगस्त महीने में मनाया जाने वाला वन महोत्सव भी शामिल है। इस महोत्सव से बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को भी जोड़ा जाएगा, जिससे अभियान को कम समय में ज्यादा विस्तार मिल सके। इस दौरान बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और वनीकरण के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी। बवाना इन्फ्रा के मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छ बवाना हरा भरा बवाना का संकल्प पूरा करने के लिए इंडस्ट्रियल एरिया के सभी उद्योगों को ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करना चाहिए। अग्रवाल ने बताया कि बवाना इन्फ्रा डेवेलपमेंट ने औद्योगिक क्षेत्र में लगाए गए सभी पौधों की देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली है। उनके इस अभियान को दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्टर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएसआईआईडीसी) का भी पूरा समर्थन मिला।

भीषण ठंड को देखते हुए इस मौके पर बवाना औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों को पांच हजार से अधिक जूते बांटे गए और बवाना इन्फ्रा डेवलपमेंट के सभी श्रमिकों और कामगारों के लिए एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया।

उत्तर रेलवे

TENDER NOTICE

ई-निविदा (ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण — आज़ादी का अमृत महोत्सव

	एन आई टी	29-A, B, C, D, E, F, G, H & I - 2023-24-डब्ल्यू-5
1	काम का नाम (स्थान के साथ)	A) सहायक मंडल अभियंता/हजरत निजामुद्दीन के अधीन एस.एस.ई./पी.वे./ हजरत नजामुद्दीन के अनुभाग में ग्लूड जॉइंट और स्विच एक्सपेंशन जॉइंट का प्रतिस्थापन कार्य।
		B) सहायक मंडल अभियंता/तुगलकाबाद के अधीन एस.एस.ई./पी.वे./ फरीदाबाद के अनुभाग में ग्लूड जॉइंट और स्विच एक्सपेंशन जॉइंट का प्रतिस्थापन कार्य।
		C) जे.एन.सी.-पलवल खंड पर आर.सी.सी बॉक्स द्वारा मौजूदा पत्थर स्लैब पुलों यानी 1485/1,1485/3, 1485/4, 1486/1, 1486/2 और 1488/1 का प्रतिस्थापन कार्य। **समान कार्य की प्रकृति**: ए.आई.आर. पुशिंग/कट एवं कवर विधि के साथ पुलों/सीमित उच्च सबवे का निर्माण कार्य।
		D) सीनियर डीईएन-वी के तहत डीएसजे, जीएचएच और पीटीआरडी स्टेशनों पर आरजीएम/ट्रैक मशीन साइडिंग के प्रावधान के संबंध में ट्रैक का कार्य। **समान कार्य की प्रकृति**: किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
		E) नई दिल्ली-पलवल सेक्शन पर मौजूदा स्टोन स्लैब/ईट स्लैब/ह्यूम पाइप ब्रिज को प्रीकास्ट आर.सी.सी बॉक्स सेगमेंट ब्रिज नंबर 5, 7, 13, 17, 1483/1 और 1505/1 से बदलने का कार्य। **समान कार्य की प्रकृति**: ए.आई.आर. पुशिंग/कट एवं कवर विधि के साथ पुलों/सीमित उच्च सबवे का निर्माण कार्य।
		F) 30.06.2024 को समाप्त हाने वाली अवधि के लिए सहायक अभियंता/ हजरत निजामुद्दीन के अधीन एस.एस.ई./डब्ल्यू/एल./हजरत निजामुद्दीन के अनुभाग में स्टाफ क्वार्टरों और सेवा भवनों की मरम्मत और रखरखाव और दिन-प्रतिदिन के रखरखाव के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति के लिए वार्षिक क्षेत्र का कार्य। **समान कार्य की प्रकृति**: ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।
		G) हज़रत निज़ामुद्दीन में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के साथ सिग्नलिंग गियर के प्रतिस्थापन के संबंध में 2 रिले हट्स का निर्माण का कार्य। **समान कार्य की प्रकृति**: भवन/क्वार्टर का निर्माण।
		H) एस.एस.ई./डब्ल्यू. गुडगाँव अनुभाग में पाटली और जे.एस.के.ए. स्टेशन पर 3.05 मीटर चौड़े एफ.ओ.बी. के प्रावधान के संबंध में सिविल कार्य। **समान कार्य की प्रकृति**: रनिंग ट्रैक में गर्डरों, प्लाट गर्डरों, एफओबी आदि के माध्यम से गर्डरों का निर्माण, आपूर्ति, संयोजन,निर्माण और लॉन्चिंग/संबंधित।
		I) सहायक अभियंता/तुगलकाबाद के अधीन एस.एस.ई./पी.वे./फरीदाबाद के अनुभाग में डाउन लाइन से टी.आर.आर.(पी.) 60 किलोग्राम 14.550 कि.मी., पलवल-जे.एन.सी. सेक्शन के बीच कि.मी. 1479.4 से 1482/0, 1500/0 से 1502/0, 1510/0 से 1511/0 डाउन लाइन एवं सहायक अभियंता/हज़रत निजामुद्दीन के अधीन एस.एस.ई./पी.वे./हज़रत निजामुद्दीन के अनुभाग में हज़रत निजामुद्दीन-तुगलकाबाद सेक्शन के बीच डाउन लाइन कि.मी. 1515/0 से 1519/0, 1521.2 से 1522.65 और चौथी लाइन 1515/0 से 1518.5 टी.आर.आर. (पी.) कार्य। **समान कार्य की प्रकृति** : सी.टी.आर./टी.आर.आर./टी.एफ.आर./टी.टी.आर. जिसमें ट्रैक का उठान, स्क्रीनिंग गहरा करना, ट्रैक की चिंता, ट्रैक मेंटेनेंस मशीन के लिए प्री और पोस्ट के काम जैसे टैंपिंग मशीन/बैलास्ट स्क्रीनिंग/रेगुलेटिंग मशीन और टी-28 द्वारा टीटीआर का कार्य शामिल हैं।
2	काम की अनुमानित लागत (रुपये)	A) रु. 4581113.44 B) रु. 4585605.83 C) रु. 20817108.69 D) रु. 6128606.63 E) रु. 22029624.51 F) रु. 6000642.23 G) रु. 12620837.44 H) रु.16744698.69 I) रु. 20723393.68
3	अग्रिम राशि (रुपये)	(यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (नोट : रेलवे बोर्डो के पत्र संख्या 2015/सीई -आई/ सीटी /5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआर ई पी एस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा।)
		A) रु. 91600.00 B) रु. 91700.00 C) रु. 254100.00 D) रु. 122600.00 E) रु. 260200.00 F) रु. 120000.00 G) रु.213100.00 H) रु.233700.00 I) रु.253600.00
4	काम की समाप्ति अवधि	A) 05 महीने B) 05 महीने C) 06 महीने D) 04 महीने E) 06 महीने F) 09 महीने G) 04 महीने H) 06 महीने I) 06 महीने
5	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	02.02.2024 को 15:00 बजे तक तथा 02.02.2024 को 15:00 बजे निविदा खुलना है
6	वेसबाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा	यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर उपलबध है

No. 128-W/280/OET/2023-24/W-V/NIT-29-A, B, C, D, E, F, G, H & I Date : 10.01.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 130/24

कैपिटल ज़ोन

उवाच

गाजियाबाद नगर निगम परिवार ने एकजुट होकर स्वच्छता के प्रति बेहतर कार्य किया है जिसके फलस्वरुप गाजियाबाद पुन: उत्तर प्रदेश में नंबर वन आया है, शहर को इसी प्रकार स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में हमेशा क्षेत्रीय पार्षदों तथा शहर वासियों का विशेष सहयोग निगम को मिलता रहा है जो इस बार भी मिला है।

विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त

बजाज एनर्जी को मिला 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाण पत्र

नोएडा, 11 जनवरी (देशबन्धु)। बजाज समूह की कंपनी बजाज एनर्जी व ललितपुर पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड को 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' का प्रमाणपत्र मिला है। 'ग्रेट प्लेस टू वर्क आर्गनाइजेशन' ने यह प्रमाण पत्र कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों के विश्वास, बेहतर कार्य संस्कृति और निर्माण कार्य में की जा रही सकारात्मक पहल के लिए दिया है। सक्षम प्रमाणन प्राधिकारी द्वारा मूल्यांकन के बाद यह प्रतिष्ठित एप्रूवल दिया गया है। ग्रेट प्लेस टू वर्क आर्गनाइजेशन राष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों के मूल्यांकन की एक प्रमुख संस्था है। कई स्तर के मूल्यांकन के बाद बजाज एनर्जी को यह उपलब्धि मिली है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ महीनों में बजाज एनर्जी ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। जिनमें 'राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2023' और काउंसिल ऑफ एनवायरो एक्सीलेंस (सीईई) के 'तीसरे राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता पुरस्कार-2023' का सम्मान शामिल हैं। 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' के प्रमाणन की नई उपलब्धि एक सकारात्मक और समावेशी कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए बजाज एनर्जी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जहां कर्मचारी स्वयं को मूल्यवान और महत्वपूर्ण महसूस करते हैं। यह एप्रूवल कंपनी को एक ऐसा कार्यस्थल बनाने के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है, जो कई शिक्षण और विकास (एल एंड डी) के पहलुओं के माध्यम से विश्वास, सौहार्द और पेशेवर विकास को बढ़ावा देता है।

सार संक्षेप

नाबालिग लड़की ने लगाई फांसी

नोएडा। नोएडा के सरफाबाद गांव में 17 साल की एक लड़की ने फांसी लगा ली है। बताया जा रहा है कि लड़की का परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर था। नाबालिग लड़की ने गुरुवार को अपने घर में फांसी लगा ली है। घटना थाना सेक्टर 113 थाना इलाके की है। पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11 बजकर 50 मिनट पर यह सूचना मिली थी कि एक सरफाबाद गांव में एक लड़की ने खुद को फांसी लगा ली है। इसके बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची थी और मामले की जांच-पड़ताल शुरू हुई। सेक्टर 113 पुलिस ने बताया कि आशंका है कि लड़की ने घरेलू झगड़े से तंग आकर यह आत्मघाती कदम उठाया है। मृतक लड़की के पिता दैनिक मजदूर के तौर पर काम करते थे। लड़की की मां घरेलू नौकरानी के तौर पर काम करती थी। सुबह में घटना के वक्त लड़की घर पर अकेली थी। इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जल्द होगी।

रोटरी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन

नोएडा। अन्तरराष्ट्रीय शूटर किसान नेता कांग्रेस नेत्री संयुक्त किसान मजदूर संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम पंडित के जन्मदिन पर सेक्टर 31 निठारी में रोटरी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उसके बाद राष्ट्रीय कार्यालय सेक्टर 93 पर केक काटकर बच्चों के साथ जन्मदिन मनाया व जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संयुक्त किसान मजदूर संगठन एडवोकेट दिनेश आबाना, राष्ट्रीय महासचिव संयुक्त किसान मजदूर संगठन शहाबुद्दीन, राष्ट्रीय सचिव अभिषेक जैन, राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार भारती, वेस्टर्न यूपी अध्यक्ष वीरेंद्र मुखिया, गौरव आधाना, नवल सिंह चौहान, रणवीर भाटी, राम गुप्ता पूजा जाटव जिला अध्यक्ष मेरठ, अनुज, एनसीआर युवा अध्यक्ष जावेद खान, प्रेम शाह, मोनू पंडित, परवेज, योगेंद्र भाटी लडपुरा व अन्य लोग मौजूद रहे।

मामूली विवाद में मारपीट

नोएडा। निठारी गांव निवासी किरायेदार और उसके दो रिश्तेदार से मामूली विवाद में चार लोगों ने मारपीट की। इससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित ने सेक्टर-20 थाने में केस दर्ज कराया है। परदेशी ने पुलिस को शिकायत दी कि वह परिवार के साथ निठारी गांव में किराये के मकान में रहते हैं। पड़ोस में रहने वाले ललित, रंजीत, कुलदीप और मोनू ने नौ जनवरी की रात को मामूली विवाद में उनके साले भगवानदास, विक्रम और उनके साथ मारपीट की है। हमले में सभी को गंभीर चोटें आईं। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रदेश में पहला और 3 से 10 लाख की श्रेणी में दूसरे स्थान पर रहा नोएडा

नोएडा, 11 जनवरी (देशबन्धु)। स्वच्छता सर्वेक्षण मामले में पहली बार नोएडा 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों में दूसरे स्थान मिला। जबकि पिछली बार इसी श्रेणी में नोएडा को पांचवा स्थान मिला था। वहीं प्रदेश में लगातार दूसरे साल भी नोएडा पहले स्थान पर रहा। इसके अलावा नोएडा को पहली बार वाटर प्लस श्रेणी में सर्टिफिकेट मिला। इसके अलावा इस बार भी गारबेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैंकिंग मिली है। अवसान एवं शहरी विकास मंत्रालय की स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की फाइनल रैंकिंग जारी हुई, जिसमें ओवर ऑल रैंकिंग में नोएडा की गिरावट दर्ज की गई है। ये 11 स्थान से नीचे आकर 14 स्थान पर पहुंच गया। समारोह में सर्टिफिकेअ व अवॉर्ड सीईओ डॉक्टर लोकेशन एम को आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली में दिया। इस मौके पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री, जन स्वास्थ्य विभाग के उप महाप्रबंधक एसपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक आरके शर्मा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

- **ओवर ऑल रैंकिंग में तीन पायदन फिसला, 14वीं रैंक की हासिल**
- **वाटर प्लस, गार्बेज फ्री सिटी 5 स्टार रैंकिंग मिली**

नोएडा को मिले ये सर्टिफिकेट और अवॉर्ड

वाटर प्लस, गार्बेज फ्री सिटी 5 स्टार रैंकिंग- यह यूपी का एकमात्र शहर है जिसे ये रेटिंग मिली, राज्यवार रैंकिंग में मिला पहला स्थान, ऑल इंडिया रैंकिंग में (1-10 लाख की आबादी वाले शहर)- दूसरा स्थान, यूपी में वाटर प्लस विद 5 स्टार सर्टिफिकेशन- यूपी का एकमात्र शहर।

इसलिए दिए गए दोनों सर्टिफिकेट

अभी तक ओडीएफ प्लस प्लस का सर्टिफिकेट नोएडा के पास था। वाटर प्लस इससे एक ऊपर पायदान की श्रेणी होती है। शौचालय और सीवेज लाइन का नेटवर्क जोड़ने की वजह से वाटर प्लस नोएडा को मिला है। गारबेज फ्री सिटी का पुरस्कार लोगों के घरों से कूड़ा लेना, उसको पृथक-पृथक करना और उसका निस्तारण करने की वजह से मिला है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय द्वारा शहरों का स्वच्छता सर्वेक्षण किया जाता है, जिसमें शहरों की अलग-अलग कैटेगरी में रैंकिंग निकाली जाती है। इसमें 3 से 10 लाख आबादी वाली श्रेणी में नोएडा प्राधिकरण भी हिस्सा लेता है। इस बार नोएडा की रैंकिंग में अच्छा उछाल देखने को मिला है।

ऐसा रहा नोएडा का सफर

साल 2018 में नोएडा की रैंकिंग 324 रही थी जबकि 2019 में इसमें सुधार करते हुए नोएडा ने 150वीं जगह पाई और यूपी में पहला स्थान मिला। 2019 में नोएडा को गार्बेज फ्री सिटी कैटेगरी में 3 स्टार रैंकिंग और ओपन डेफेकेशन फ्री सिटी कैटेगरी में ओडीएफ प्लस प्लस सर्टिफिकेट मिला था। 2020 में नोएडा को 25वीं रैंक और 2021 चौथी रैंक मिली थी। क्लीनेस्ट मीडियम सिटी और फाइव स्टार गार्बेज फ्री सिटी के साथ नोएडा ने अपनी सफाई व्यवस्था को लगातार बढ़ाया ही है। यही वजह रही कि साल 2022 में 5वीं रैंक के साथ नोएडा बेस्ट सेल्फ सस्टेनेबल सिटी चुनी गई।

स्वच्छता सर्वेक्षण परिणाम की हुई घोषणा

गाजियाबाद फिर बना नंबर वन

गाजियाबाद, 11 जनवरी (देशबन्धु)। स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत 10 लाख की आबादी वाली श्रेणी में गाजियाबाद पुन: उत्तर प्रदेश में नंबर वन आया है। जिसके लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा सबसे पहले सफाई मित्रों को परिणाम का श्रेय देते हुए बधाई दी तथा टीम को मोटिवेट किया। शहर वासियों को शुभकामनाएं प्रेषित की, उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम आया है तथा (10 लाख से अधिक आबादी के आकलन के अनुसार) भारत में गाजियाबाद का 19वां स्थान है, (1 लाख से अधिक आबादी से आकलन होने पर) भारत में गाजियाबाद का 38वां स्थान है।

- **नगर आयुक्त ने टीम को किया मोटिवेट, शहर को दी शुभकामनाएं**

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम परिवार ने एकजुट होकर स्वच्छता के प्रति बेहतर कार्य किया है जिसके फलस्वरुप गाजियाबाद पुन: उत्तर प्रदेश में नंबर वन आया है, शहर को इसी प्रकार स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में हमेशा क्षेत्रीय पार्षदों तथा शहर वासियों का विशेष सहयोग निगम को मिलता रहा है जो इस बार भी मिला है। विद्यार्थियों का भी विशेष योगदान शहर को नंबर वन बनाने में रहा है जो की सराहनीय है। स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन, MRF सेंटर, कूड़ा कलेक्शन गाड़ी की बढ़ी संख्या, स्वच्छता लीग कार्यक्रम, वेस्ट टू वंडर पार्क, बेहतर प्रबंधन कार्य योजना के साथ कार्य करते हुए 10 लाख की आबादी के साथ उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद प्रथम आया है।

आगे इसी प्रकार और अधिक मेहनत करके गाजियाबाद नगर निगम जन सहयोग से उत्तर प्रदेश के साथ-साथ भारत में भी अच्छे अंक प्राप्त करेगा इसी शुभकामनाओं के साथ अधिकारियों को मोटिवेट किया गया। गाजियाबाद नगर निगम महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में सफलता की ओर अग्रसर है जिसमें अधिकारियों तथा क्षेत्रीय पार्षदों की अहम भूमिका देखने को मिल रही है। समस्त वार्डों में महापौर द्वारा भी परिणाम आने पर शहर की जनता को परिणाम का श्रेय दिया गया साथ ही स्वच्छता में सहयोग करने के लिए अपील की गई। डॉ. मिथिलेश नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि महापौर तथा नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार लगातार टीम द्वारा बेहतर कार्य किया गया है जिसमें एचएमएस की टीम के साथ-साथ कई सामाजिक संस्थाओं ने भी सहयोग किया है गाजियाबाद नगर निगम कुशल नेतृत्व में आगे भी बेहतर करेगा टीम को मोटिवेट किया गया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आगे की प्लानिंग को भी साझा किया उच्चतम तकनीकी, गाड़ियों की संख्या, जन जागरूकता अभियान बढ़ाकर बेहतर कार्य किया जाएगा।

रेरा ने प्रोमोटरों को त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट का बैकलॉग भरने का दिया निर्देश

ग्रेटर नोएडा/नोएडा, 11 जनवरी (देशबन्धु)। उ.प्र. रेरा ने सभी पंजीकृत परियोजनाओं के प्रोमोटर्स को उ.प्र. रेरा की वेबसाइट पर बैकलॉग सहित अपनी परियोजनाओं की अप टू डेट त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट 15 दिन के अंदर अपलोड करने के निर्देश जारी किया है। उ.प्र. रेरा चेयरमैन संजय भूसरेड्डी ने कहा कि परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते समय यह पाया गया कि कई प्रोमोटर अपनी परियोजनाओं के क्यूपीआर समय पर दाखिल नहीं कर रहे हैं और उनमें से कुछ ने लंबित क्यूपीआर दाखिल किए बिना बाद या आगे के क्यूपीआर पोर्टल पर अपलोड किए हैं। भूसरेड्डी ने कहा कि प्रोमोटर्स द्वारा ऐसा करना रेरा की आवश्यकताओं के विपरीत है और रेरा अधिनियम के प्रासंगिक प्राविधानों तथा उ.प्र. रेरा के निर्देशों का उल्लंघन है। इसलिए, प्रोमोटर्स को अपनी परियोजनाओं की लंबित क्यूपीआर के साथ-साथ अक्टूबर से दिसम्बर 2023 तिमाही की क्यूपीआर 15 जनवरी 2024 तक दाखिल करने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। नियमित रूप से, पिछली तिमाही के समापन के बाद क्यूपीआर अगले 15 दिनों के भीतर दाखिल करना आवश्यक है। इसी के अनुसार, उ.प्र. रेरा ने वेब पोर्टल पर क्यूपीआर दाखिल करने की सुविधा को संशोधित किया है और इसलिए प्रोमोटर्स द्वारा 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त होने वाली तिमाही का क्यूपीआर सहित वर्तमान के सभी क्यूपीआर केवल विलंब शुल्क सहित लंबित क्यूपीआर दाखिल करने के बाद ही अपलोड किया जा सकता है।

- **15 दिनों में क्यूपीआर दाखिल करे प्रमोटर्स**
- **यूपी रेरा ने प्रोमोटर्स को किया आगाह, ऐसा नहीं करने पर होगी सख्त कार्रवाई**

311 ऐप का नगर आयुक्त व विभागीय अधिकारियों ने लिया डेमो

गाजियाबाद, 11 जनवरी (देशबन्धु)। गाजियाबाद नगर निगम जनहित में गाजियाबाद 311 ऐप ला रहा है, जिस पर प्राथमिकता पर कार्य चल रहा है नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं, जिसके लिए समस्त विभागीय अधिकारियों के समक्ष ऐप का डेमो लिया गया, संबंधित ऐप के माध्यम से लगभग 64 शिकायतों का निस्तारण होगा। जिसके लिए सभी विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उत्तम तकनीकी से युक्त गाजियाबाद 311 ऐप शहरवासियों तथा निगम अधिकारियों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा इसके माध्यम से कम समय में समस्याओं का समाधान जन हित में कराया जाएगा। नगर आयुक्त की उपस्थिति में समस्त विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित कई बिंदु डेमो के दौरान रखे, जिसके क्रम में ऐप को और भी अधिक अपडेट किया जा रहा है शिकायत तो की श्रेणी को भी बढ़ाया जा रहा है समस्त विभाग से संबंधित बिंदुओं को जोड़ा गया है जिसमें शहर वासी सरलता से कम समय में अपनी बात निगम तक पहुंच सकेंगे। अवैध पार्किंग, अवैध डेरी, रोड रिपेयर, हैंड पंप रिपेयर, सफाई व्यवस्था, लाइटों की मरम्मत, पब्लिक टॉयलेट की सफाई, मृत पशुओं का उठान, प्रॉपर्टी का म्यूटेशन, अवैध विज्ञापन व अन्य बिंदुओं का ध्यान रखते हुए ऐप को तैयार किया गया है। समस्त विभागीय अधिकारियों ने गाजियाबाद 311 ऐप का डेमो लिया तथा नगर आयुक्त ने संबंधित टीम को भी तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। एचडीएफसी की तरफ से आई सिविक सॉल्यूशन कंपनी द्वारा नगर आयुक्त महोदय के नेतृत्व में जनहित की समस्याओं के तत्काल समाधान पर कार्रवाई करने हेतु ऐप को तैयार किया है, उक्त ऐप का प्रशिक्षण अधिकारियों द्वारा लिया जाएगा तथा सभी जोनों में भी शहरवासियों के लिए सुविधा रखी जाएगी। सोशल मीडिया में अन्य माध्यम से भी जन-जन तक ऐप की जानकारी पहुंचाई जाएगी शीघ्र ही गाजियाबाद नगर निगम उच्च तकनीकी संयुक्त ऐप को लांच करेगा जिससे शहर वासियों तथा अधिकारियों दोनों को लाभ पहुंचेगा। क्षेत्रीय पार्षदों को भी विशेष सहयोग ऐप के माध्यम से मिलेगा। बैठक में उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश, महाप्रबंधक जल के पी आनंद, प्रभारी प्रकाश आस कुमार, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव, निर्माण तथा लेखाधिकारी उपस्थित रहे।

- **कम समय में जनता को मिलेगी सुविधा**
- **उच्चतम तकनीकी से युक्त गाजियाबाद 311 ऐप शहरवासियों तथा अधिकारियों के लिए होगा लाभदायक : नगर आयुक्त**

महापौर के गला काटने के बयान के बाद भाजपा में मचा घमासान

- **महापौर ने कहा उन्होंने किसी का नाम नही लिया, पार्षद ने कहा संगठन से करेंगे महापौर की शिकायत**

गाजियाबाद, 11 जनवरी (देशबन्धु)। गाजियाबाद नगर निगम बोर्ड बैठक में महापौर सुनीता दयाल द्वारा रिश्वत के मामले में गला काटने के बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी में घमासान मच गया है। इसको लेकर दोनों पक्षों ने गुरुवार को एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए। यह अलग बात है कि महापौर ने एक बयान में कहा कि उन्होंने गर्दन काटने के मामले में किसी का नाम नहीं लिया वहीं पार्षद सचिन डागर ने कहा कि उन्होंने रिश्वतखोरी का आरोप में लेकर किसी का नाम नहीं लिया। इस मामले पर कहा कि निश्चित तौर पर महापौर ने उन्हें धमकी दी है जिसकी शिकायत में पार्टी संगठन से करेंगे। इसके अलावा कुछ व्यापारियों ने प्रेस कांफ्रेंस करके सचिन डागर पर रिश्वतखोरी का आरोप लगाया। इसको लेकर और महापौर के इशारे पर इन लोगों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है वह हर तरह की जांच करने को तैयार है। जो लोग आरोप लगा रहे हैं महापौर ने उन्हें पुलिस से छुड़वाया। पार्षद सचिन डागर ने प्रेसवार्ता कर इस प्रकरण की विस्तृत जांच कराने की मांग रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस प्रकरण को उन्होंने बोर्ड बैठक में उठाया था। वह पूरी तरह सही है। इस मामले में निगम अधिकारियों ने रिश्वत लेकर पार्क की जमीन पर सड़क बनवा दिया। वह इस आरोप पर अडिग है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों ने स्वयं उनसे कहा था कि निगम को 30 लाख रुपए रिश्वत देकर सड़क बनवाई गई है। इस मामले में अपने मेयर द्वारा द्वारा दी गई धमकी को वह पार्टी आलाकमान को अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि अगर इस मामले में निगम पाक साफ है तो उसे इसकी निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। जांच में जो दोषी हो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। दोषी पाए जाने पर वह स्वयं कार्रवाई के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मेयर प्रकारण मामले में वह पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस मामले की जांच कराने की मांग रखेंगे। इस मुद्दे को लेकर गुरुवार को राजेंद्र नगर इंडस्ट्रियल एरिया के व्यापारियों ने पार्षद पर ही रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले जब नाले को कवर करने की मांग को लेकर वे पार्षद से मिलने गए तो पार्षद ने उनसे एक करोड़ रुपए की मांग कर दी। पार्षद ने व्यापारियों से किस्तों में पैसे देने के लिए कहा। इसके बाद व्यापारियों ने पैसा एकत्रित कर स्वयं ही नाला कवर कर लिया। पैसा नहीं मिलने से नाराज पार्षद ने मेयर पर रिश्वत लेने का आरोप लगा दिया। इस मामले में गुरुवार राजेंद्र नगर इंडस्ट्रियल एरिया के व्यापारियों ने एक प्रेस वार्ता कर पार्षद पर ही गंभीर आरोप लगाए। व्यापारियों ने पार्षद सचिन डागर पर एक करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। व्यापारियों ने बताया कि जिस मामले को लेकर पार्षद ने मेयर पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया है, वही रिश्वत वह खुद अपने लिए मांग रहे थे। व्यापारियों ने जब पार्षद को रिश्वत नहीं दी तो उन्होंने मेयर पर आरोप लगा दिया। व्यापारियों ने पार्षद सचिन डागर द्वारा मेयर पर लगाए गए सभी आरोपों को गलत करार दिया।

सिस्टम हैक, आईपी कंप्रोमाइजड बताकर यूएसए के नागिरकों से ठगी

नोएडा, 11 जनवरी (देशबन्धु)। एसटीएफ और सेक्टर-58 पुलिस ने संयुक्त रूप से एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश करते हुए 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग यूएसए के लोगों को सिस्टम हैक व आई पी एड्रेस कांप्रोमाइज जैसी टेक्निकल इशू बताकर उनके साथ ठगी करते थे। एक बार में प्रोसेसिंग फीस के लिए ये 100 ये 500 डॉलर तक वसूल करते थे। पैसा गिफ्ट कार्ड और कई गेटवे के जरिए लिया जाता था। एक बार पैसा पहुंचने पर ये सीनियर अधिकारियों से बात कराने का झांसा देकर फोन डिस्कनेक्ट कर देते थे। एसटीएफ को काफी समय से इस तरह की शिकायत के इनपुट मिल रहे थे। इलेक्ट्रॉनिक और मैनूअल सर्विलांस के बाद पुलिस की मदद से इस कॉल सेक्टर को पकड़ा गया। ये कॉल सेंटर नोएडा के डी-41 सेक्टर-59 में संचालित किया जा रहा था। ये लोग अंग्रेजी बोलने में माहिर है। बीओआईपी कॉल, टीएफएन व सोफ्ट फोन के माध्यम से विदेशों में रह रहे लोगों से ऑनलाइन धोखाधडी कर रहे थे। इनके पास से 34 मोबाइल फोन, 4 लैपटाप, 5 इंटरनेट राउटर, 4 चार पहिया वाहन, 22 कम्प्यूटर (डिस्पले, सीपीयू, कीबोर्ड, माउस, हेड फोन), 2 रजिस्टर, कागजात कुल वर्क 24 बरामद किए गए। इनकी पहचान जयन्त, मानिक सिवाच, मोहम्मद साविर, शिवा कश्यप, मोहित ग्रोवर, आदिल रिजवी, दिव्यम शर्मा, रितिक मल्होत्रा, सक्षम मल्होत्रा, हिमांशु भारद्वाज, रोहित यादव, अंकुर सोनी, कैलाश साही, फिरोज आलम, भुपेन्द्र सिंह यादव, अफरोज खान, युधिष्ठिर कुमार, मनीष तिवारी, गौतम सहगल, यश मक्कड, अनुभव त्यागी, संजीत, चिन्टू, नीरज, नदीम हुई है। इस गैंग का एक आरोपी शाजिद शाहिदी अभी फरार है। पुलिस जल्द उसे गिरफ्तार करेगा।

साफ्टवेयर की मदद से लेते थे कॉल

पूछताछ में अरोपियों ने बताया कि ये लोग कंप्यूटर से टीएफएप पोर्टल के माध्यम से आई बीम साफ्टवेयर से हमारे कॉल सेंटर में लगे सिस्टम पर लैंड कराते है। उस कॉल को कॉलसेंटर पर पूर्व से एक्टिव कॉलर रिसीव करते है। ये अपने आप को विदेशी कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए उनकी समस्या का जल्द समाधान का आश्वासन देते है।

सिस्टम हैक बताकर एनी डेस्क से होते थे कनेक्ट

कुछ देर बाद कॉल पर ही कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी उन लोगों को बोलते है कि आपका सिस्टम हैक और आईपी एड्रेस कंप्रोमाइजड हो गया है । इस समस्या के समाधान के लिए उनके सिस्टम को ऐनीडेस्क साफ्टवेयर से कनेक्ट कर उनके सिस्टम में आ रही असुविधा को हल करने के नाम पर चार्ज वसूल करते थे।

पेमेंट गेटवे के जरिए मंगवाते थे पैसा

ये लोग सर्विस चार्ज के रूप में एमेक्स, एमेजान, ऐपल, टारगेट, गूगल प्ले, गेस्टोप, सीफोरा, नार्डस्ट्राम्डस के गिफ्ट कार्ड 100 - 500 डालर कीमत के लेते थे। गिफ्ट कार्ड आने पर ये उसे रीडिम कर लेते थे। साथ ही इस धोखाधडी के दौरान लोगों के मोबाइल को एनीडेस्क से कनेक्ट कर मैजिक ऐप एगूगल वाइस आदि एप पर पैमेंट कराकर एकाउंट बना लेते थे। और उनके मोबाइल से उस अकाउंट को लॉगआउट कर अपने मोबाइल पर लॉगिन कर लेते है। फिर इन ऐप का उपयोग हम अपनी जरूरत अनुसार यूएस के लोगों को डायरेक्ट कॉल करने के काम में लेते थे।

- **एसटीएफ और नोएडा पुलिस ने पकड़ा कॉल सेंटर**
- **25 युवक गिरफ्तार, वसूलते थे 100 से 500 डॉलर**

प्राधिकरण के बाहर धरना दे रहे किसानों में आक्रोश

नोएडा, 11 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय किसान परिषद के तत्वाधान में नोएडा प्राधिकरण पर किसानों का धरना लगातार जारी है। किसानों ने प्राधिकरण को 10 जनवरी तक का समय दिया था। जिसकी मियाद आज पूरी हो गई। ऐसे में आज किसानों ने प्राधिकरण में घुसने का प्रयास किया। इस दौरान महिला किसानों ने प्राधिकरण के गेट पर लगी बैरीकेडिंग को तोड़ने का प्रयास किया। महिलाओं ने बैरीकेड को हिला दिया। हालांकि मौजूद पुलिस बल ने महिलाओं से आग्रह किया और उनको शांत किया। इसके बाद किसन वापस अपनी जगह जाकर बैठ गए।परिषद के अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने स्पष्ट कहा कि जब तक हामारी मांगों को पूरा नहीं किया जाता तब तक धरना ऐसे ही जारी रहेगा। किसान अपना हम प्राधिकरण से लेकर ही जाएंगे। इसके लिए उन्हें किसी भी हद तक जाना पड़े जाएंगे। बता दे हाल ही में नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन के साथ हुई बैठक में उन्हें सिफ़ आश्वासन मिला था। जिसके बाद किसानों ने धरना समाप्त नहीं करने का फैसला लिया था। प्रदर्शन के दौरान सुखवीर खलीफा ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो जाएगा, धरना दिन प्रतिदिन संवैधानिक रूप से उग्र होता रहेगा। वह दिन भी दूर नहीं जब मिनी सचिवालय यानी नोएडा प्राधिकरण पर तालाबंदी भी की जा सकती है।

- **गेट पर लगी बेरीकेडिंग को तोड़ने का किया प्रयास, बातचीत के बाद हुए शांत**

किसानों की इन मांगों पर मिला आश्वासन

10 प्रतिशत भूखंड या उसके समतुल्य धनराशि दी जाए। आबादी विनियमितीकरण के तहत प्रति बालिग सदस्य 450 से बढ़ाकर एक हजार मीटर जमीन छोड़ी जाए। पांच प्रतिशत भूखंड में व्यावसायिक गतिविधि चलाने के लिए शुल्क तय नहीं। क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज, स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

सामूहिक विवाह के लिए शहरी क्षेत्र के निवासी नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद तथा ग्रामीण क्षेत्र के निवासी विकास खंडों में सामूहिक विवाह के लिए 12 जनवरी तक ससमय अधिक से अधिक संख्या में किसी भी जन सेवा केंद्र से या ऑनलाइन पंजीकरण कराते हुए शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठा सकते हैं।

शैलेंद्र बहादुर सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी

बकाया जल मूल्य पर ओटीएस योजना की मंजूरी का आदेश जारी

- **31 जनवरी तक बकाया जमा करने पर 40 फीसदी की छूट मिलेगी**
- **तीन माह के लिए लागू, ग्रेनो प्राधिकरण ने जारी किया कार्यालय आदेश**

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पानी के सभी बकाएदारों को बकाया धनराशि जमा करने पर बड़ी राहत दे दी है। एकमुश्त समाधान योजना लागू करने पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड के फैसले का कार्यालय आदेश जारी हो गया है। पानी के बकाएदार बकाये बिल का 31 जनवरी तक एकमुश्त भुगतान कर ब्याज पर राहत प्राप्त कर सकते हैं।

दरअसल, 26 दिसम्बर 2023 को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में सीईओ एनजी रवि कुमार की पहल पर पानी के बिल का भुगतान न करने वाले आवासीय, संस्थागत, आईटी, औद्योगिक, बिल्डर्स, व्यवसायिक और ग्रुप हाउसिंग आवंटियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना को मंजूरी दी गई थी। यह योजना 1 जनवरी से 31 मार्च 2024 तक के लिए लागू की गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि 1 जनवरी से 31 जनवरी 2024 तक डिफॉल्ट धनराशि जमा करने पर ब्याज में 40 फीसदी छूट मिलेगी। इसी तरह 1 फरवरी से 29 फरवरी तक जमा करने पर 30 फीसदी और 1 मार्च से 31 मार्च 2024 तक जमा करने पर 20 फीसदी की छूट मिलेगी। जल विभाग के महाप्रबंधक जितेंद्र गौतम ने बताया कि बोर्ड के इस फैसले का कार्यालय आदेश विगत 5 जनवरी को जारी कर दिया गया है। पानी के बकाया बिल पर राहत पाने के लिए आवंटी ऑनलाइन पोर्टल (investgnida.in) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करेंगे। उनके बकाया बिल में लगे ब्याज पर 40 फीसदी छूट देते हुए गणना कर बिल जेनरेट कर दिया जाएगा, जिसका भुगतान भी आवंटी इसी पोर्टल के माध्यम से कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2024 के बाद ब्याज में कोई राहत नहीं दी जाएगी और बकाया बिल न जमा करने वालों की आरसी जारी कराकर वसूली की जाएगी। बता दें, कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का पानी के बकायेदारों पर करीब 34 करोड़ रुपए बकाया है।

ग्रेनो वेस्ट के लोगों को छह माह में मिलने लगेगा गंगा जल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के निवासियों को आगामी छह महीने में गंगाजल मिलने लगेगा। गंगाजल आपूर्ति के लिए भूमिगत जलाशयों पर काम किया जा रहा है। गंगाजल आपूर्ति शुरू होने से लोगों को पेयजल की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 2005 में शहर के लोगों को गंगाजल देने के लिए योजना पर काम शुरू किया। इसके लिए 85 क्यूसेक परियोजना पर काम शुरू किया गया। गंगाजल परियोजना के तहत प्राधिकरण ने पहले 58 सेक्टर में गंगाजल पहुंचाने की योजना बनाई। इसमें से करीब 40 सेक्टर में गंगाजल पहुंचा दिया गया है। ग्रेटर नोएडा ईस्ट के सेक्टर के लोगों को गंगाजल मिलने लगा है। अब ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गंगाजल पहुंचाने की योजना पर काम कर रहा है। इसमें यूजीआर बाधा बने हुए हैं। मकौड़ा, शाहबेरी, पाली में आदि में पांच यूजीआर बनने हैं। शाहबेरी में जमीन का मसला लंबित है। इस यूजीआर से जिस इलाके में पानी की आपूर्ति होनी थी, उसे यूजीआर-18 में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके अलावा अन्य यूजीआर की योजना बन रही है। इनके बनते ही आपूर्ति शुरू हो जाएगी। यूजीआर को स्थानांरित करने से परियोजना में किसी तरह की दिक्कत ना आए, इसके लिए कानपुर आईआईटी से सहयोग लिया जा रहा है। बहुत जल्द इसकी रिपोर्ट आने वाली है। रिपोर्ट आने के बाद काम शुरू किया जाएगा।

डीएमआईसी के जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों की वार्ता रही सकारात्मक

- **किसानों की ग्रेटर नोएड प्राधिकरण सीईओ, जिलाधिकारी, डीएमआईसी अधिकारियों के साथ कई घंटे चली वार्ता**
- **किसानों ने कहा कि वार्ता के दौरान उनकी मांगों पर न्याय की उम्मीद जागी**

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी) परियोजना से प्रभावित चिटहैरा, कठेड़ा एवं पल्ला, पाली तथा बोडाकी आदि गांवों के किसानों की संयुक्त किसान मोर्चा (भू.अ.) के आह्वान पर गुरुवार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एन.जी. की अध्यक्षता में और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की उपस्थिति में डीएमआइसी और रेलवे के अधिकारियों के साथ हुई। वार्ता के दौरान एडीएमएलए बलराम सिंह, एसडीएम दादरी आलोक कुमार गुप्ता तथा ओ.एस.डी. ग्रेटर नोएडा हिमांशु वर्मा की उपस्थिति में डीएमआइसी मौजूद थे। सकारात्मक वार्ता से पीड़ित किसानों को न्याय की उम्मीद जगी।

नए भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के अनुसार बाजार दर का 4 गुना मुआवजा, 20 फीसदी प्लॉट एवं किसानों और भूमिहीनों के बच्चों को रोजगार तथा पुनर्वास आदि के सभी लाभ दिए जाने के साथ साथ किसानों की आबादियों को ज्यों का त्यों छोड़े जाने की मांग को लेकर पिछले 10 वर्षों से आन्दोलन कर रहे। किसान नेता सुनील फौजी एडवोकेट ने बताया कि सीधे रजिस्ट्री द्वारा अथवा अधिग्रहण प्रक्रिया द्वारा जमीन लिए जाने से प्रभावित सभी किसानों और उनकी जमीन पर निर्भर रहकर जीवन यापन करते आ रहे भूमिहीन किसानों को परियोजना से प्रभावित परिवार (प्रोजेक्ट एफेक्टेड फैमिली) मानते हुए रोजगार तथा पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन के सभी लाभ दिए जाने की मांग को जल्द ही शासन में पैरवी कर मनवाये जाने के साथ ही डीएमआइसी प्रभावित किसानों को डीएफसीसी परियोजना से प्रभावित किसानों के समान और नए कानून को ध्यान में रखते हुए एक्सग्रेसिया के रूप में मुआवजा बढ़ोत्तरी की मांग पर भी प्राधिकरण और जिला प्रशासन की ओर से किसानों को आश्वासन दिया गया।

साथ ही किसानों की आबादियों को ज्यों के का त्यों छोड़े जाने के मुद्दे को बड़ी गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण के सीईओ ने प्राधिकरण, जिला प्रशासन और डीएमआइसी और रेलवे के अधिकारियों की प्रत्येक गांव के पांच पांच लोगों के साथ कैमेटियों का गठन भी कर दिया गया है, यह कैमेटियां ग्राम वार सर्वे करके अगले 15 दिन में सीईओ ग्रेटर नोएडा के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी, जिसके पश्चात यदि फाइनल सर्वे में वह डीएमआइसी के अलाइनमेंट से बाहर हैं तो उन्हें छोड़े जाने पर और यदि वह एलाइनमेंट के अन्तर्गत ली जानी अति आवश्यक हैं तो उन्हें पॉलिसी बनाकर शिफ्ट करने की योजना बनाए जाने का आश्वासन भी दिया गया है। इस मौके पर राजू नंबरदार पल्ला, बाबा जगत सिंह भाटी पाली, सपा नेता इंदर प्रधान पल्ला, आरडब्ल्यूए स्वर्णनगरी अध्यक्ष राजेश भाटी, आरडब्ल्यूए ईटा सेकंड अध्यक्ष दीपक भाटी, राजेश प्रधान चिटहैरा, नीरज भाटी, लेफ्टिनेंट जितेंद्र भाटी चिटहैरा, आशेराम भाटी बोडाकी, लोकेश भाटी कठेड़ा, बिजेंद्र भाटी, सुखवीर भाटी, बाबूराम भाटी, इंदर नम्बरदार, मनीष भाटी अजय भाटी, विकेंद्र भाटी बोडकी आदि सहित 51 सदस्यीय कमेटी के लोग उपस्थित रहे।

ग्रेनो प्राधिकरण ने 30 कार्यों के लिए 43 करोड़ के जारी किए टेंडर

- **130 मीटर रोड से क्रॉसिंग रिपब्लिक तक की सड़क होगी दुरुस्त**
- **7 करोड़ रुपए से रिपेयर होगी सेक्टर 10 व 12 में 24 मीटर रोड**

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टरों व गांवों में मरम्मत व रखरखाव के कार्यों को और तेज कर दिया है। प्राधिकरण ने 30 कार्यों के लिए लगभग 43 करोड़ रुपए के टेंडर निकाले हैं। एक माह में टेंडर प्रक्रिया को पूरा काम कराने की तैयारी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों व गांवों में विकास व रखरखाव के कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए हैं।

सीईओ के निर्देशों पर अमल करते हुए परियोजना विभाग 30 कार्यों के लिए 43 करोड़ रुपए के टेंडर निकाले हैं। प्राधिकरण के परियोजना विभाग के महाप्रबंधक हिमांशु वर्मा ने बताया कि जिन 30 कार्यों के टेंडर निकाले गए हैं, उनमें लगभग 7 करोड़ रुपए की लागत से सेक्टर-10 व 12 की 24 मीटर रोड की री-सर्फेसिंग का कार्य, 1.42 करोड़ रुपए की लागत से लखनावली में सीसी रोड व नाली का कार्य, 1.18 करोड़ रुपए की लागत से घोड़ी-बछेड़ा में 6 प्रतिशत आबादी भूखंडों और और 60 मीटर चौड़े संपर्क मार्ग का अवशेष कार्य, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 130 मीटर रोड से क्रॉसिंग रिपब्लिक तक 45 मीटर रोड का चौड़ीकरण और ड्रेन का निर्माण, सेक्टर चाई फोर स्थित एस/एसटी हॉस्टल में 02 वर्ष के लिए स्वीपिंग और क्लीनिंग के कार्य, सेक्टर म्यू टू स्थित 29.76 मीटर के फ्लैटों के रिपेयर का कार्य, कासना व सिरसा में 6 प्रतिशत आबादी के विद्युतीकरण का कार्य, सेक्टर जीटा से ओमीक्रॉन टू एवं 3 के जंक्शन तक 130 मीटर रोड का सौंदर्यीकरण व तीन वर्ष तक के लिए मेनटेनेंस के कार्य आदि शामिल हैं। सीईओ एनजी रवि कुमार ने निर्धारित अवधि में टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर इन कार्यों को प्राथमिकता पर कराने के निर्देश दिए हैं।

आईईए का प्रतिनिधि मंडल यूपीएसआईडीए के मुख्य कार्यपालक को दिया ज्ञापन

- **प्रतिनिधि मंडल ने औद्योगिक क्षेत्र में हुए कार्यों के लिए धन्यवाद व कई कार्यों को पूरा करने की मांग रखी**

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। इंडस्ट्रियल इंटरप्रिन्योर एसोसिएशन (आईईए) के प्रतिनिधि मंडल ने यूपीएसआईडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी मयूर माहेश्वरी से कानपुर उनके कार्यालय में मुलाकात की तथा गौतमबुद्धनगर में यूपीएसआईडीए औद्योगिक क्षेत्र में बनी सड़कों के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही साइट-5 में बची हुई कुछ सड़कों को जल्द ही बनवाने की मांग रखी। औद्योगिक क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट लगाने के कार्य में भी तेजी लाने की मांग की। यूपीएसआईडीए औद्योगिक क्षेत्र में प्लाट आवंटन में ई-नीलामी प्रक्रिया अभी भी बनी हुई है, इसको खत्म करने की मांग भी रखी। क्षेत्र में साफ सफाई रहे इसके लिए स्थायी सफाई कर्मचारी रहे तथा डस्टबिन भी औद्योगिक क्षेत्र में रखे जाए।

इस पर चर्चा होने पर जल्द ही सालाना सफाई कॉन्ट्रैक्ट देने का आश्वासन उन्होंने दिया। ड्रेनेज की सफाई एवं मरम्मत की भी मांग संस्था ने रखी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यूपीएसआईडीए के सर्वाधिक आवंटी है तथा व्यापार भी इसी क्षेत्र में ज्यादा होता है साथ ही काफी लंबे समय तक आवंटियों के कार्य लटके रहते है तथा उनपर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है। सिर्फ मुख्यालय भेजी हुई है कह दिया जाता है। कुछ सदस्यों की समस्याएं जो काफी समय से लंबित है भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी के समक्ष रखी। आवंटियों की समस्याओं का क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर ही शीघ्र समाधान कराया जाए इसके लिए कासना क्षेत्रीय कार्यालय में हफ्ते में तीन दिन मुख्य कार्यालय के किसी उच्च अधिकारी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग रखी। सभी समस्याओं एवं सुझावों पर सकारात्मक चर्चा हुई तथा जल्द ही निराकरण का आश्वासन मिला। प्रतिनिधि मंडल में संस्था के अध्यक्ष अमित उपाध्याय, महासचिव संजीव शर्मा, उपाध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य सुनील दत्त एवं महिपाल सिंह चौहान शामिल हुए।

नॉलेज पार्क में अवैध इमारत पर ग्रेनो प्राधिकरण का तोड़फोड़ जारी

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। शहर में नॉलेज पार्क के पास बनी इमारत का अवैध हिस्से में गुरुवार को भी तोड़फोड़ जारी रही। पूरा अवैध हिस्सा ढहाए जाने के बाद ही यह अभियान रुकेगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों, मकौड़ा के राजेंद्र सिंह आदि ने मिलकर तुस्याना जमीन घोटाले को अंजाम दिया था। जमीन का मुआवजा लेने के बाद प्राधिकरण ने जमीन का छह प्रतिशत आबादी का प्लाट तुस्याना से उठाकर नॉलेज पार्क-1 में कासना-सूरजपुर रोड पर लगा दिया। इस भूखंड में अधिक निर्माण कार्य कर लिया गया। बढ़े हुए हिस्से को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने पहले सील कर दिया था। इसके बाद तोड़फोड़ शुरू कर दी गई। गुरुवार को भी तोड़फोड़ की कार्रवाई जारी रही। बताया जाता है कि जब तक पूरा अवैध निर्माण गिराने के बाद ही यह अभियान रुकेगा।

किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने आलोक नागर

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। क्षेत्रीय किसानों की बैठक ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा-दो आलोक नागर के आवास पर हुई, जिसकी अध्यक्षता भीम सिंह सिसोदिया एवं संचालन कृष्ण नागर ने किया। इस मौके पर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान ने आलोक नागर बादलपुर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर नवनियुक्त राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आलोक नागर ने कहा कि जो जिम्मेदारी संगठन के लोगों ने सौंपी है उसको ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा से निभाऊंगा। इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान व बृजेश भाटी ने कहा कि आगामी 7 फरवरी को किसानों की मूलभूत समस्या जिसमें शिक्षा स्वास्थ्य एवं रोजगार और बिजली कंपनी एनपीसीएल यूपीसीएल की तानाशाही को लेकर क्षेत्र के हजारों किसान जिला मुख्यालय पर महापंचायत करेंगे। संगठन के वरिष्ठ नेता लोकेश भाटी ने कहा कि संगठन किसान मजदूर की आवाज को क्षेत्र में मजबूती के साथ उठायेगा एवं क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार दिलाना संगठन की प्राथमिकता होगी। इसी को लेकर जिला मुख्यालय पर महापंचायत का ऐलान किया गया है। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि संगठन गांव गांव जाकर लोगों को जागरुक करेगा। इस मौके पर सतीश नंबरदार, एडवोकेट अनिल भाटी, प्रताप नागर, गजराज भाटी आदि लोग मौजूद रहे।

इन्क्युबेशन सेंटर स्थापना के लिए आठ कंपनी का पंजीकरण जरूरी

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय अपने संबद्ध संस्थानों में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए इन्क्युबेशन सेंटर स्थापित करा रहा है। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय के निर्देशन में इनोवेशन हब के नेतृत्व में इन्क्युबेशन सेंटर को स्थापित किया जाना है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए कुलसचिव रीना सिंह ने सभी संस्थानों को पत्र लिखा है। इसके तहत इन्क्युबेशन सेंटर के प्रथम चरण के तहत सेक्शन 8 कंपनी के पंजीकरण को जनवरी तक कर उसका प्रमाणपत्र इन्क्युबेटर्स एट एकेटीयू डॉट एसी डॉट इन पर भेजना होगा। जिससे कि 15 मार्च से पहले सभी संस्थान में इन्क्युबेशन सेंटर की स्थापना और संचालन करने लगें। आपको बता दें कि इन्क्युबेशन सेंटर की स्थापना के लिए संस्थानों के निदेशकों और प्राचार्य के साथ कुलपति प्रो. जेपी पांडेय और अन्य विशेषज्ञों की ऑनलाइन बैठकें हो चुकी हैं। जिसमें सेंटर की स्थापना से लेकर उसके संचालन और नीति, नियम व योजनाओं की जानकारी साझा की गई है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 586/एस0टी0-एस0डीएम0/2021, दिनांक 25.09.2021 के अनुसार मृतक श्री स्व0 करनैल सिंह पुत्र स्व0 श्री खचेडू नि0 ग्राम मायचा, परगना व तहसील दादरी तहसील दादरी व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 31.01.2021 को हो चुकी है, जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक से संबंध
अट्टा गुज्रान	01	390 550	स्व0 करनैल सिंह पुत्र	श्रीमति धनपाली	पत्नी
			स्व0 श्री खचेडू नि0	श्री धीर सिंह	पुत्र
			ग्राम मायचा, परगना	श्री अजब सिंह	पुत्र
			व तहसील दादरी	श्री रकम सिंह	पुत्र
			तहसील व जिला	श्री पवन	पुत्र
			गौतमबुद्धनगर	श्रीमती मन्जू विवाहित	पुत्री
				श्रीमती सरोज विवाहित	पुत्री

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 16 जनवरी को होगा विवाह

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जिले में सामूहिक विवाह के लिए 16 जनवरी 2024 तिथि निर्धारित की गई है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सामूहिक विवाह के लिए शहरी क्षेत्र के निवासी नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद तथा ग्रामीण क्षेत्र के निवासी विकास खंडों में सामूहिक विवाह के लिए 12 जनवरी तक ससमय अधिक से अधिक संख्या में किसी भी जन सेवा केंद्र से या ऑनलाइन पंजीकरण कराते हुए शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने योजना की पात्रता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कन्या के अभिभावक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी होने चाहिए, विवाह के लिए कन्या की आयु 18 वर्ष एवं वर की आयु 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। आवेदक की वार्षिक आय सीमा 2 लाख रुपए से कम होनी चाहिए, कन्या का स्वयं के नाम से बैंक खाता होना चाहिए, आवेदक वर व कन्या का आधार कार्ड, आयु प्रमाणित करने के लिए शैक्षिक प्रमाण पत्र होना चाहिए, अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग के आवेदकों के पास जाति प्रमाण पत्र होना चाहिए, विवाह के लिए विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री, जो स्वयं दिव्यांग हो, को प्राथमिकता दी जाएगी। इस योजना के तहत 51 हजार रूपए प्रति जोड़े पर खर्च किए जाते हैं, जिसमें से 35 हजार रुपए कन्या के बैंक बचत खाते में ट्रांसफर किए जाते हैं। विवाह सामग्री 10 हजार रूपए का सामान दिया जाता है तथा 6 हजार रूपए प्रति जोड़ा भोजन, बिजली पानी व टेंट की व्यवस्था पर खर्च किया जाता है।

नमो सेवा केन्द्र से लोगों को कल्याणकारी योजनाओं को मिलेगा लाभ : गोपाल कृष्ण

ग्रेटर नोएडा,11 जनवरी (देशबन्धु)। सिकंदराबाद के दादरी तिराहा स्थित मित्तल की धर्मशाला में नमो सेवा केंद्र का उद्घाटन फीता काटकर राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा गोपाल कृष्ण अग्रवाल, भाजपा राष्ट्रीय सचिव एवं राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर एवं पूर्व विधायक विमला सोलंकी ने किया। कार्यक्रम का आयोजन अग्रसेन भवन में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य लोगों एवं प्रबुद्ध जनों के स्वागत के साथ हुआ। सर्वप्रथम पूर्व

विधायक विमला सोलंकी ने नमो सेवा केंद्र के लिए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह नमो सेवा केंद्र निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को और भी मजबूत करेगा साथ ही सिकंदराबाद में जनकल्याणकारी योजनाओं को बेहतर गति प्रदान करेगा। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयास से देश विकसित भारत की ओर अग्रसर है जिसमें नमो सेवा केंद्र भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल सुरेंद्र सिंह नागर ने जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि इस नमो सेवा केंद्र के लिए मैं गोपाल कृष्ण अग्रवाल जी का अभिनंदन करता हूं।

रिटेल मैनेजर व उसके भाई पर हमला करने का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

दनकौर,11 जनवरी (देशबन्धु)। दनकौर कोतवाली पुलिस ने करीब चार दिन पहले क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेस वे पर एक रिटेल मैनेजर और उसके भाई पर जानलेवा हमला करने के मुख्य

आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दो अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की तरफ से फरार चल रहे हैं। पुलिस का कहना है गिरफ्तार आरोपी को गुरुवार को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के रौनिजा गांव निवासी प्रमोद कुमार ग्रेटर नोएडा में स्थित एक कंपनी में रिटेल मैनेजर है। जिनके साथ उनके भाई कन्हैया भी काम करते हैं। पीड़ित प्रमोद ने 9 जनवरी को दिए शिकायत में कहा था कि 8 जनवरी की रात में वह और उनका भाई बाइक पर सवार होकर यमुना एक्सप्रेस वे के रास्ते ग्रेटर नोएडा से अपने गांव को लौट रहे थे। उसी दौरान को दनकौर कोतवाली क्षेत्र में उन पर दादरी के पाली गांव निवासी सचिन ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया था। इस घटना में दोनों भाइयों को गंभीर चोट आई थी। जिनका अभी भी ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी सचिन और उसके दोस्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी सचिन को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि सचिन को प्रमोद ने नौकरी से हटवा दिया था। इसी बात से वह गुस्से में था। कोतवाली प्रभारी दनकौर संजय सिंह का कहना है कि दो भाइयों पर जानलेवा हमला करने के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि दो अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस जुटी हुई है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम खेरली भाव में जिलाधिकारी बुलन्दशहर, तह0 सिकन्द्राबाद से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 3301/एस0टी0-एस0डी0एम0/2023, दिनांक 23.11.2023 मृतक श्रीमती हरप्यारी पत्नी स्व0 श्री सुमेरा, नि0 मौहल्ला/ग्राम-सनौटा, तहसील सिकन्द्राबाद, जिला बुलन्दशहर की मृत्यु दिनांक 17.07.2023 को हो चुकी है। तहसील की आख्या के आधार पर मृतक स्व0 श्रीमती हरप्यारी के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
खेरली भाव	373म 374	श्रीमती हरप्यारी पत्नी स्व0 श्री सुमेरा, नि0 मौहल्ला/ग्राम-सनौटा, तहसील सिकन्द्राबाद जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती संतोष पुत्री स्व0 सुमेरा	पुत्री	50 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती सपना पुत्री स्व0 सुमेरा	पुत्री	41 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 370/एस0टी0-एस0डीएम0/2020, दिनांक 03.02.2020 के अनुसार मृतक श्री स्व0 स्व0 सुरेश सिंह पुत्र स्व0 श्री लीला सिंह, नि0 ग्राम चाँदपुर तहसील व गौतमबुद्धनगर जिनकी मृत्यु दिनांक 04.06.2019 को हो चुकी है, जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक काश्तकार का नाम	आयु लगभग वर्षों में	मृतक से संबंध
चाँदपुर	387	42	स्व0 सुरेश सिंह पुत्र	श्रीमती शीला देवी	68 वर्ष	पत्नी
			स्व0 श्री लीला सिंह	श्री मुकेश कुमार	38 वर्ष	पुत्र
			नि0 ग्राम चाँदपुर	श्री दीपक कुमार	34 वर्ष	पुत्र
			तहसील व जिला	श्रीमती शशि कुमारी	42 वर्ष	पुत्री विवाहित
			गौतमबुद्धनगर	श्रीमती सन्तोष कुमारी	44 वर्ष	पुत्री विवाहित
				श्रीमती राजेश देवी	47 वर्ष	पुत्री विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 12 जनवरी 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

लोकतंत्र की रक्षा का विकल्प

महाराष्ट्र में जून 2022 से चल रहे राजनैतिक प्रहसन में 10 जनवरी को फिर एक नया मोड़ आया। विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने शिवसेना में दो फाड़ करने वाले एकनाथ शिंदे और उनके गुट के सभी विधायकों की अयोग्यता पर अपना फैसला सुना दिया। अनुमान के मुताबिक फैसला शिंदे गुट के पक्ष में ही आया। राहुल नार्वेकर ने 1999 के शिवसेना के संविधान को मान्य कहते हुए शिंदे गुट को ही असली शिवसेना माना है। इससे पहले शिवसेना के नाम और निशान लड़ाई में भी चुनाव आयोग ने भी शिंदे गुट के पक्ष में फैसला सुनाया था। महाराष्ट्र का मामला इससे पहले सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है, जहां अदालत ने शिंदे सरकार को बने रहने के निर्देश दिए थे लेकिन विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों की अयोग्यता पर फैसला सुनाने कहा था। अदालत ने श्री नार्वेकर को 31 दिसंबर तक फैसला सुनाने का निर्देश दिया था, लेकिन फिर भी समय सीमा 10 दिन बढ़ा दी गई। इस फैसले को सुनाने में चाहे लंबा वक्त लिया गया हो, लेकिन सभी को अहसास था कि भाजपा के राज में किसी भी तरह उद्धव गुट को जीत नहीं मिलेगी। अब फैसले के पीछे चाहे जो तर्क दिए जाएं, यह तो जाहिर ही है कि भाजपा के सहयोग से एक पार्टी में फूट डालकर, उसके मंत्रियों और विधायकों को खरीदकर भाजपा को सत्ता में लाया गया। पिछले चुनावों में महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी की सरकार बनी थी, जिसमें भाजपा को विपक्ष में बैठना पड़ा था, लेकिन 2022 में भाजपा ने आपरेशन लोटस चलाया और सत्ता में आ गई। उसके बाद से शिवसेना में नाम, निशान और सत्ता की लड़ाई चली, जिस पर बुधवार को उद्धव गुट को एक और मात मिली है। बुधवार का फैसला आने से पहले स्पीकर श्री नार्वेकर और मुख्यमंत्री श्री शिंदे की मुलाकात भी हुई थी, जिस पर उद्धव गुट ने सवाल उठाए थे, लेकिन अब इंसाफ की लड़ाई में नीयत और नैतिकता के सवाल हाशिए पर धकेले जा रहे हैं।

फ्रेंच भाषा का एक शब्द है-देजा वू, यानी ऐसी कोई घटना या बात जिसे देख-सुनकर महसूस हो कि ऐसा पहले भी हुआ है। बस याद नहीं आता कि कब और कहां। महाराष्ट्र के ताजा प्रकरण को देखकर देजा वू जैसा अनुभव तो हुआ है, लेकिन जरा सा याददाश्त पर जोर डालें तो याद आ जाएगा कि लोकतंत्र का मखौल उड़ाने वाली ऐसी एक नहीं कई घटनाएं पिछले 10 सालों में देश में हुई हैं। जैसे राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि बाबरी मस्जिद को तोड़ना गलत था, लेकिन फिर भी राम मंदिर उसी जगह बनाने की अनुमति भी दे दी। गलती करने वालों को कोई सजा भी अब तक नहीं हुई और राम मंदिर का राजनैतिक उद्घाटन करने की तैयारी हो गई है। इसी तरह महाराष्ट्र मामले में भी 11 मई 2023 को अपने अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे की सरकार बहाल न करने का फैसला सुनाया था, क्योंकि श्री ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से खुद ही इस्तीफा दिया था। मगर इसके साथ ही इस पूरे प्रकरण में यह भी माना था कि शिवसेना के दूसरे गुट के व्हिप को मान्यता देकर विधानसभा अध्यक्ष ने गलत किया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि राज्यपाल ने फ्लोर टेस्ट करने का जो आदेश सुनाया था, वह गलत था। विधानसभा अध्यक्ष और राज्यपाल ने जो गलत किया, वो सही कैसे होगा, इसका कोई सूत्र अदालत के फैसले से नहीं मिला। अलबत्ता उद्धव ठाकरे को अपने एक साथी द्वारा दिए गए धोखे के बाद इस्तीफा देने की सजा सत्ता से बाहर होकर चुकानी पड़ी।

अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, बिहार, पिछले 10 सालों में इन राज्यों में भाजपा का किसी न किसी तरह सत्ता में आना, राजनीति शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन और शोध का विषय हो सकता है। विश्व में लोकतंत्र की सर्वाधिक प्रचलित परिभाषा है, जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन। लेकिन भारत में भाजपा के छत्र चले एक नयी परिभाषा और अध्याय लोकतंत्र के नाम पर लिखा जा चुका है। जिसमें तंत्र गाढ़े अक्षरों में लिखा हुआ है, और लोक को हाशिए पर धकेल दिया गया है। महाराष्ट्र में शिवसेना के प्रकरण के बहाने देश की अदालत और चुनाव आयोग जैसी स्वायत्त संस्था के पास सुनहरा मौका था कि वे लिखे हुए नियमों और कानूनों पर आंख मूंदकर चलने की जगह नैतिकता पर बल देते हुए गलत और सही के बीच के भेद को उजागर करते। इससे आईंदा कोई भी राजनैतिक दल कानून की कमजोरियों और अपनी ताकत का इस्तेमाल कर लोकतंत्र के अपहरण की गुस्ताखी नहीं करता। मगर ऐसा नहीं हुआ।

अब महाराष्ट्र फिर उस मोड़ पर पहुंच गया है, जहां शिवसेना और समूचे लोकतंत्र के लिए एक नयी लड़ाई का रास्ता खुल गया है। उद्धव ठाकरे ने बुधवार को फैसला आने से पहले ही कह दिया था कि- 'यह वह मामला है जो साबित करेगा कि देश में लोकतंत्र बचेगा या नहीं।' यह देश में लोकतंत्र के लिए निर्णायक कारक बनने जा रहा है। उद्धव ठाकरे अब शायद सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला लें। क्योंकि उन्होंने पहले ही इसके संकेत दे दिए थे और बुधवार के फैसले के बाद अदालत से इस मामले में स्वत: संज्ञान की उम्मीद भी जताई थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस लड़ाई का अंतिम अंजाम क्या होता है। क्या सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए कोई बड़ा कदम उठाता है, या फिर नियमों और कानूनों की आड़ में जनता से किए गए छलावे को जारी रखा जाता है।

वैसे महाराष्ट्र में इस साल के आखिर में चुनाव हैं और उससे पहले देश में आम चुनाव हो चुके होंगे। यानी जनता के पास अपने अधिकारों और अपने तंत्र की रक्षा का विकल्प तो खुला ही हुआ है।

कांग्रेस-वाम को सीटों के बंटवारे से कुछ राज्यों में लाभ संभव

■ नित्य चक्रवर्ती

इंडिया ब्लॉक के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत जोर-शोर से शुरू हो गई है। कांग्रेस आलाकमान ने अंतत: प्रत्येक राज्य में राजनीतिक स्थिति की बारीकियों को ध्यान में रखते हुए भारत के साझेदारों के बीच समझौतों को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता को समझा है। यह एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है।

शुरुआत करने के लिए, कांग्रेस और दो वामपंथी दल सीपीआई और सीपीआई (एम) केरल के साथ एक अलग स्तर पर व्यवहार करने पर सहमत हुए हैं, जहां सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट लड़ेंगे। 20 लोकसभा सीटों के लिए वहां दोनों आपस में ही चुनाव लड़ेंगी परन्तु जो भी जितनी भी सीटें जीतेगी वह इंडिया ब्लॉक की ही जीत होगी क्योंकि वहां भाजपा उनके लिए कोई खतरा नहीं है। फिर बात बंगाल की है जहां वाम मोर्चा बेहद कमजोर स्थिति में है और उसने राज्य में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों से लड़ने का फैसला किया है। अगर कांग्रेस तृणमूल के साथ गठबंधन करने का फैसला लेती है, तो वामपंथी छोटे सहयोगी आईएसएफ के साथ लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे।

इसके अलावा चार राज्य हैं, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड जहां इंडिया गुट एक साथ काम कर रहा है और कांग्रेस प्रमुख राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि साझेदारों में से एक है। इनमें से पहले से ही द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत तमिलनाडु में सीपीआई और सीपीआई (एम) के पास दो-दो सीटें हैं। उम्मीद है कि यह पैटर्न 2024 के चुनावों में भी जारी रहेगा। अन्य तीन राज्यों में, बिहार में, सीपीआई एक सीट के लिए बातचीत कर रही है, जबकि अधिक शक्तिशाली सीपीआइ (एमएल) लिबरेशन न्यूनतम दो सीटों के लिए बातचीत कर रही है। जद (यू) और राजद दोनों को अंतत: यह स्वीकार करना पड़ सकता है।

अब, ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस भाजपा या गैर-इंडिया गठबंधन वाली क्षेत्रीय पार्टी से लड़ने वाली इंडिया ब्लॉक की मुख्य पार्टी है। साथ ही, सीपीआई

कांग्रेस निश्चित रूप से इंडिया ब्लॉक की प्रमुख पार्टी है, तथा वामपंथियों सहित सभी भाजपाविरोधी ताकतों की लामबंदी से इसकी संभावनाएं और अधिक उज्ज्वल हो गई हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में सांप्रदायिकता और अधिनायकवाद की ताकतों के खिलाफ लड़ाई में देश को आगे ले जाने के लिए कांग्रेस और वामपंथियों को एक ठोस कार्यक्रम के साथ गठबंधन का आधार तैयार करना होगा।

और सीपीआई (एम) के पास भी अपने छोटे आधार हैं जो इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। ये राज्य हैं असम, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान और छत्तीसगढ़।

असम में लोकसभा की 14 सीटें हैं। वर्तमान में नौ भाजपा के पास, तीन कांग्रेस के पास, एक एआईयूडीएफ के साथ और एक निर्दलीय हैं। इंडिया ब्लॉक में प्रमुख पार्टी के रूप में कांग्रेस सीपीआई (एम) और सीपीआई को एक-एक सीट देने पर विचार कर सकती है। दोनों पार्टियों का विशिष्ट आधार है और उनके पास पहले भी लोकसभा में सदस्य थे। असम को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंतबिस्वा शर्मा के नेतृत्व वाले एनडीए का मुकाबला करने के लिए एक मजबूत इंडिया ब्लॉक के संयोजन की आवश्यकता है।

फिर ओडिशा में 21 सीटें हैं जिनमें से 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेडी को 12, भाजपा को 8 और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। इंडिया गठबंधन को भाजपा और बीजद दोनों से लड़ना है। दोनों को प्रभावी ढंग से टक्कर देने के लिए कांग्रेस आसानी से सीपीआई और सीपीआई (एम) को एक-एक सीट दे सकती है। दोनों पार्टियों का जिलों में सीमित आधार है और वामपंथी जन संगठनों के सक्रिय समर्थन से कांग्रेस को अत्यधिक लाभ होगा।

जहां तक आंध्र प्रदेश की बात है तो यह राज्य कभी कम्युनिस्टों का गढ़ था, लेकिन अब यहां जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी का दबदबा है। 2019 के चुनाव में राज्य की 25 सीटों में से वाईएसआरसीपी को 22 और टीडीपी को दो सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा और कांग्रेस को कोई सीट नहीं मिली। जगन की बहन के कांग्रेस में शामिल होने से प्रदेश कांग्रेस थोड़ी मजबूत हुई है, परन्तु यह पर्याप्त नहीं है। ऐसे कुछ निर्वाचन क्षेत्र हैं जहां वामपंथियों का समर्थन आधार दस प्रतिशत से अधिक है। टीडीपी भाजपा के साथ जा सकती है, इसलिए कांग्रेस और दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों का संपूर्ण गठबंधन अच्छी चुनावी टक्कर दे सकता है। सीपीआई और सीपीआई (एम) दोनों को कांग्रेस एक से दो सीटें दे सकती है।

इसी तरह राजस्थान में चार सीटों पर सीपीआई (एम) का मजबूत आधार है। हालांकि पार्टी पिछले विधानसभा चुनाव में अपनी सीटें हार गई, लेकिन वह राज्य की एक सीट से चुनाव लड़ने और जीतने की क्षमता रखती है। चुनावी गठबंधन को मजबूत करने के लिए कांग्रेस को राजस्थान में सीपीआई (एम) को एक सीट देने पर विचार करना अच्छा रहेगा। कांग्रेस को समाजवादी पार्टी से भी बातचीत करनी होगी क्योंकि पार्टी का राज्य में चार से पांच लोकसभा क्षेत्रों में अच्छा जनाधार है।

संक्षेप में, इस चुनावी लड़ाई में इंडिया ब्लॉक का उद्देश्य घटक राजनीतिक पार्टियों की संगठनात्मक शक्ति का इष्टतम उपयोग करना होना चाहिए। कांग्रेस निश्चित रूप से इंडिया ब्लॉक की प्रमुख पार्टी है, तथा वामपंथियों सहित सभी भाजपाविरोधी ताकतों की लामबंदी से इसकी संभावनाएं और अधिक उज्ज्वल हो गई हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में सांप्रदायिकता और अधिनायकवाद की ताकतों के खिलाफ लड़ाई में देश को आगे ले जाने के लिए कांग्रेस और वामपंथियों को एक ठोस कार्यक्रम के साथ गठबंधन का आधार तैयार करना होगा।

राष्ट्रीय युवा दिवस और स्वामी विवेकानंद जयंती

सभी धर्म, एकात्मक धर्म की अभिव्यक्तियां हैं

स्वामी विवेकानंद (1863 -1902) एक महान आध्यात्मवादी, राष्ट्रनिर्माता भारतीय संस्कृति के भक्त और नैतिकता के पुजारी थे। उन्होंने विश्व मंच पर वेद और वेदान्त की प्रतिष्ठा स्थापित कर संसार को प्रभावित किया। पश्चिम की तुलना में भारत की भाषा,साहित्य, ज्ञान-विज्ञान, इतिहास, संस्कृति और धर्म कहां अधिक समृद्ध एवं उन्नत है उन्होंने यह सिद्ध करने का प्रयास किया। उन्होंने न केवल हिन्दू धर्म दर्शन का प्रचार किया वरन् दुनिया में प्रचलित अन्य धर्मों और मतों के श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों को आदर भाव से चर्चा की।

स्वामी जी ने अपने भाषणों, लिखे पत्रों व लेखों के कुछ हिस्सों में इस्लाम धर्म एवं धर्मावलंबियों की प्रशंसा में विचार व्यक्त किये :

डॉ.नवनीत धगट

सभी संतों और दूतों का एक विशिष्ट संदेश होता है। पहले उनके सन्देश सुनने चाहिए फिर उनके जीवन को देखना चाहिए। आप देखेंगे कि उनका संपूर्ण जीवन स्वयं व्याख्यायित एवं प्रकाशवान है। मूर्ख अज्ञानी अपने मतों से आरंभ करके अपने मानसिक विकास के हिसाब के अपने विचारों के हित में व्याख्यायित करते हैं और उन्हें महान गुरुओं से संबंधित बताते हैं। वे इन शिक्षाओं को लेकर गलतफहमियां रखते हैं।

'टर्की का सुल्तान अफ्रीका के बाजार से एक नीग्रो खरीद सकता है, उसे जंजीरों में जकड़ कर टर्की ला सकता है लेकिन यदि वह नीग्रो इस्लाम स्वीकारता है और उसमें पर्याप्त योग्यतायें और क्षमताएं हैं तो वह सुल्तान की बेटी से ब्याह तक कर सकता है। इसकी तुलना नीग्रो अमेरिकियों और भारतीयों की अपने देश में किये जा रहे व्यवहारों से कीजिये। हिन्दू क्या करते हैं? यदि आपकी मिशनरी में से कोई किसी रूढ़िवादी का भोजन छू भी दे तो वह उसे उठाकर फेंक देगा। यदि हमारे महान दर्शन को छोड़ दें तो हमारी व्यवहारगत कमजोरियों को आप देख सकते है। पर दूसरी विचारधाराओं से भिन्न इस्लाम धर्मावलंबियों की खूबियां देखिए, जो रंग और जाति से हटकर समभाव-संपूर्ण समभाव प्रदर्शित करते हैं।'

उक्त विचार स्वामी विवेकानन्द ने 3 फरवरी 1900 को कैलिफोर्निया, अमेरिका में 'विश्व के श्रेष्ठ गुरू' विषयक अपने भाषण में व्यक्त किये। विश्व में हिन्दू दर्शन को प्रतिष्ठा दिलाने में सक्रिय रहे, युग प्रवर्तक विलक्षण विचारक, ओजस्वी प्रखर वक्ता स्वामी विवेकानन्द द्वारा अभिव्यक्त विविध विचारों को व्यापक अर्थों में ग्रहण करने से सहज ही समझा जा सकता है कि स्वामी विवेकानन्द बिना किसी संकोच के विश्व में प्रचलित सभी धर्मों का निष्पक्ष भाव से आदर करते रहे। वे मानव धर्म, सेवा धर्म और मातृभूमि के प्रति उदात्त त्याग भाव से ओतप्रोत थे। विभिन्न धर्मावलंबियों, धर्मगुरुओं के श्रेष्ठ मानवीय गुणों का वे सहज सम्मान करते और बेलाग लपेट उनका आख्यान करते थे। कैलिफोर्निया में दिए उक्त भाषण में ही उन्होंने कहा:

'मुहम्मद साहब समानता के दूत थे। आप कहें उनके धर्म में क्या खूबी है? यदि उसमें खूबियां नहीं है तो वह जीवित कैसे हैं? मात्र अच्छाइयां ही जीवित रहती और चलती हैं। अच्छाई सबल है इसीलिए है। अशुद्ध,अपवित्र व्यक्ति का जीवन आज भी कितना लंबा होता है? नि:संदेह शुद्धता शक्ति है, अच्छाइयां शक्ति हैं। इस्लाम मानने वाले कैसे जीवित हैं, क्या उनकी शिक्षा में कुछ भी अच्छा नहीं है? उनमें ज्यादा अच्छाइयां हैं। मुहम्मद साहब मुसलमानों के भ्रातभाव के प्रवक्ता संत थे।'

सभी संतों और दूतों का एक विशिष्ट संदेश होता है। पहले उनके सन्देश सुनने चाहिए फिर उनके जीवन को देखना चाहिए। आप देखेंगे कि उनका संपूर्ण जीवन स्वयं व्याख्यायित एवं प्रकाशवान है। मूर्ख अज्ञानी अपने मतों से आरंभ करके अपने मानसिक विकास के हिसाब के अपने विचारों के हित में व्याख्यायित करते हैं और उन्हें महान गुरुओं से संबंधित बताते हैं। वे इन शिक्षाओं को लेकर गलतफहमियां रखते हैं। सभी गुरुओं का मात्र जीवन ही उनकी सही टीका है। उनके जीवन को देखिये उन्होंने क्या किया? यही प्रेरणादायी रहेगा।

10 जून 1898 को मोहम्मद सरफ़राज़ हुसैन को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा- मानवता,प्रेम और अद्वैतवाद ही सभी धर्मों का मूल है। अद्वैतवाद समभाव के संबंध में उन्होंने लिखा- 'मेरे अनुभव में इस्लाम और मात्र इस्लाम ही एकमात्र ऐसा धर्म जिसमें समभाव को प्रशंसनीय तरीके से अपनाया।' इसी पत्र में उन्होंने कहा- 'मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं व्यावहारिक इस्लाम के बिना वेदांतवाद के सूत्र चाहे वे कितने ही सार्वजनीन और चमत्कारपूर्ण क्यों न हों मानवमात्र के समग्र हितों के लिए मूल्यहीन हैं। हम मानव को जैसी स्थिति में ले जाना चाहते हैं वैसी स्थिति में मात्र वेद,बाइबिल और कुरान अकेले नहीं ले जा सकते हैं। इसके लिए वेद, बाइबिल और कुरान को समरस करना जरूरी है। सभी धर्म, एकात्मक धर्म की अभिव्यक्तियां हैं जिसे जो मुनासिब मार्ग लगे चुन सकता है। हमारी जन्मभूमि के लिए हिंदुत्व और इस्लाम की दो महान व्यवस्थाओं का सम्मिलन वेदांत मस्तिष्क और इस्लाम शरीर एकमात्र आशा है। मैं अपने अन्त: करण से वेदांत मस्तिष्क और इस्लामी शरीर लिए कांतिवान अजेय सुदृढ़ भारत को इस अस्थिरता से निकाल कर अभ्युदय देखता हूं।'

ईश्वर के प्रति आस्थावान, विश्व के इन दो महान आध्यात्मिक मार्गों पर चलने वाले सभी को साथ ले, समरसता लाकर भारत को विश्व का गुरुतर शक्तिकेंद्र बनाने में सफल हों। विश्व में बढ़ रही विध्वंसक चुनौतियों का सामना विश्वगुरु भारत इसी तरह कर सके।

मेधावी विचारक, दार्शनिक की यह भविष्य दृष्टि, शुभाकांक्षा फलित हो, सर्वशक्तिमान से यही प्रार्थना है ...।

लोहड़ी पर्व पर विशेष

आनन्द और उत्साह का पर्व है लोहड़ी

इस पर्व को सभी मिलकर मनाते हैं। सूर्य को भगवान विष्णु ने योग का मौलिक उपदेश दिया है। सूर्य का तेज केवल उनके लिए नहीं है, बल्कि मानव समाज के लिए है। पौष मास में सूर्य शीत को जड़ता से कम करते हैं और मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तो लोहड़ी की धूम मच जाती है। यह पर्व परंपराओं के हिसाब से अलग-अलग भले ही मनाया जाता हो, लेकिन इसके नाम अलग-अलग है- असम में माघ बिहु, दक्षिण में पोंगल, पंजाब में लोहिड़ी, बंगाल में संक्रांति और समस्त उत्तर भारत में मकर सक्रांति के नाम से जाता है। वेदों में भी सूर्य को विशिष्ट महत्व दिया गया है।

कड़कड़ाती ठंड में जब बाहर घना कोहरा हो रहा हो, तब जलती आग के चारों ओर कई लोग हंसते शोर मचाते, बड़ों का आशीर्वाद मिल जाए, तो समझ लीजिए कि वह मौका लोहड़ी है। लोहड़ी का त्यौहार पंजाब में बहुत धूम-धाम से मनाया जाता है। पंजाब के इस त्योहार की खासियत है मन में उमड़ पड़ता उल्लास. लोहड़ी 13 जनवरी को मनाई जाती है। इस दिन के बाद से सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध की ओर आना शुरू हो जाता है। उसके उत्तरायण चल पड़ने की घटना को 13 जनवरी की रात लोहड़ी के माध्यम से नाच-गाकर और बढ़िया पकवान आदि बनाकर मनाया जाता है। वैसे पंजाब जिसे भारत में रोटी की टोकरी के नाम से भी बुलाया जाता है। लोहड़ी ठीक उस समय आती है। जब रबी की फसल खेतों में बढ़ रही होती है उसे काटने में समय होता है ऐसे में सोना उगने में देर नहीं। इसीलिए पूरे पंजाब में लोहड़ी को खास तौर पर परंपरागत गीतों, भंगड़ा और गिद्दा करके खुशी के साथ मनाया जाता है। सुबह से ही वह घर-घर जाकर गाते हुए लोहड़ी के लिए गजक, गुड़, रेवड़ी, मूंगफली, मेवे या तिल जैसी चीजें इकठ्ठा कर लोहड़ी लूट की परंपरा निभाते हैं। लोहड़ी के समय गाये जाने वाले गानों में दुल्ला भट्टी नाम के शख्स की वीरता के कारनामों के बारे में भी गाया जाता है। दुल्ला भट्टी गरीबों का मसीहा था। वह पंजाब के रॉबिन हुड के तौर पर जाना जाता है। उसके बारे में कहा जाता है कि वह गरीबों के लिए पैसा जुटाने के लिए अमीरों को लूटता था। उसने एक गरीब लड़की की शादी अपनी बहन की शादी समझ कर कराई। उसी दुल्ला भट्टी की यादें लोहड़ी के गानों में भी शामिल होता है।

लोहड़ी की रस्म- शाम को सूरज ढलते ही घर के सामने खुले स्थान पर लकड़ी को इकठ्ठा कर उसमें अग्नि प्रज्वलित की जाती है। इसके चारों तरफ घर, पास-पड़ोस के लोग इकठ्ठा होकर खुशियां मनाते हैं। इसकी परिक्रमा की जाती है और उसमें पॉपकार्न, रेवड़ी, सूखे मेवे, मूंगफली आदि भी डालते है। कुछ लोग इस समय 'आदर आए दलिद्र जाए' जैसे नारे भी लगाते हैं।

किसी न किसी रूप में नई फसल और नई संस्कृति की झलक इसमें छुपी होती है। रात को लोहड़ी जलाकर भंगड़ा और डांस, बच्चों को आशीष और बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने की परंपरा जीवन के उदात्त क्षणों को अभिव्यक्त करती है। लोहड़ी भले ही पंजाबी समुदाय का विशेष पर्व हो, लेकिन इसकी झांकी हर एक समाज में मिलती है। सभी लोग इसमें शामिल होते हैं।

लोकगीतों के माध्यम से अग्नि से भूमि की उत्पादकता और संपन्नता की प्रार्थनाएं की जाती हैं। पंजाब अपने प्यार, जोश और आपसी सद्भाव के लिए जाना जाता है। लोहड़ी इन्हीं भावनाओं के साथ मिलकर रहने का प्रतीक है।

कांतिलाल मांडोत

वैचारिक राजनीति के धनी थे शरद यादव

पहली पुण्यतिथि

डॉक्टर राममनोहर लोहिया कितनी सटिक बात कहते थे, सुधरो अथवा टूटो, यह है जुल्म! जुल्म से लड़ना है और इस जुल्म से लड़ने के लिए अब अपनी पार्टी की थोड़ी सी बात बता देना चाहता हूं, मैं जानता हूं कि कम्युनिस्ट यहां बैठे मेरी बात सुन रहे हैं, जनसंघी भी सुन रहे हैं, तो मेरे रास्ते पर अगर आप चलोगे, साथ दोगे, तो आपका बुरा नहीं होगा, अगर सचमुच आपकी बातें वैसी ही है जैसी आप सोचते हों, तो आप ही देश के राजा बनोगे। खाली मेरे कहने से तो आपकी रजाई तो छिन नहीं जाएगी।

पर्वत श्रृंखला नर्मदा मां की आंचल में बसा रसा गांव आंखमऊ, बाबई-अब माखन नगर, जिला होशंगाबाद अब नर्मदापुरम मध्य प्रदेश, 1 जुलाई, 1947 जन्में शरद यादव।

शरद यादव प्राथमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा जबलपुर से ली और उच्च शिक्षा के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाने का काम शुरू किया। जब लंबे अरसे कोई पार्टी की सरकार शासन कर रही हो तो देश भर से सरकार के विरुद्ध आवाज उठने लगती है, उठाने वाला चाहिए।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में केंद्र की बहरी-गूंगी सरकार के तानाशाही रवैया को लेकर देश भर में छात्रों का आंदोलन चल रहा था, जिसके अगुआई लोकनायक जयप्रकाश नारायण कर रहे थे। शरद यादव (शरद भाई) उन दिनों जबलपुर कालेज में विद्यार्थी जीवन से धरना प्रदर्शन कर जनता के सवालों को लेकर आन्दोलनरत थे। 1974 में जबलपुर लोकसभा सीट का उपचुनाव होना था और सरकार के विरुद्ध एक सशक्त उम्मीदवार की जरूरत थी, सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन के जनक लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने संयुक्त जनता उम्मीदवार के रूप में छात्रनेता शरद यादव (शरद भाई) को उम्मीदवार बनाया गया जिसमें संघ भी शामिल थी। संयुक्त जनता उम्मीदवार को हलधर चुनाव चिन्ह मिला और शरद भाई चुनाव जीत गए थे और जब जनता पार्टी गठन हुआ था जिसमें संघ भी शामिल थी जिससे केन्द्र सरकार से मुकाबला किया जा सके, इस तरह से 1977 में जनता पार्टी ने केन्द्र की कांग्रेस सरकार को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

समाजवादी, सामाजिक न्याय के पुरोधा और नेता मंडल मसीहा शरद यादव जनता पार्टी और लोकदल पार्टी की युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर देश भर में समाजवादी विचारों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य,

रामबहोर साहू

समाजवादी, सामाजिक न्याय के पुरोधा और नेता मंडल मसीहा शरद यादव जनता पार्टी और लोकदल पार्टी की युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर देश भर में समाजवादी विचारों के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महंगाई अन्य समस्याओं को लेकर सभाएं कर, घूमते रहे।

बेरोजगारी, महंगाई अन्य समस्याओं को लेकर सभाएं कर, घूमते रहे।

आरक्षण जरूरी है चाहे महिलाओं का हो या फिर नौकरी। विश्वनाथ प्रताप सिंह की राष्ट्रीय जनमोर्चा सरकार ने कालेलकर आयोग के जमाने से लंबित आरक्षण को लागू किया गया और डॉक्टर मनमोहन सिंह सरकार में शामिल मानव संसाधन विकास मंत्री दाऊ अर्जुन सिंह से उच्च शिक्षा में आरक्षण दिलाने में सफल रहे, इस तरह से उनके लिए आरक्षण सर्वोपरि रहा।

वैचारिक राजनीति के धनी थे-शरद यादव, संघर्ष के साथी समाजवादी नेता मण्डल मसीह सहनशीलता, राजनीतिक में अनेक उतार-चढ़ाव 'धूप छांव' का सामना करते हुए जीवन के चार दशक से अधिक भारतीय राजनीति में अपनी अहम भूमिका निभाई।

महादेवी वर्मा कहती थीं -द्वार खुला है चले आओ' उस प्रकार से शरद भाई का घर हमेशा खुला रहता था, केंद्रीय मंत्री रहें हों या नहीं, कोई फर्क नहीं पड़ता, इस तरह से उनसे कोई भी मिल लेता और इसी तरह से समाजवादी नेता जार्ज फर्नांडिस साहब का भी दरवाजा खुला रहता था, यहां तक कि दरवाजा ही नहीं था। शरद यादव हमेशा संसद या फिर बाहर वहीं अपनी गंवई देशी भाषा का इस्तेमाल करते थे।

आगामी 2024 में लोकसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस पार्टी, समाजवादी जनता परिवार के दल, सहित कई अन्य दलों का 'इंडिया' नामक महागठबंधन की कवायद जोरों से चल रही है कई दौर की बैठकें हुई, लेकिन अभी तक कोई संगठनात्मक संरचना का ठोस आधार सामने नहीं आया, आखिर भाजपा सरकार का मुकाबला कैसे किया जा सके, बल्कि संयोजक कौन हो? इसकी जद्दोजहद जारी है। कांग्रेस पार्टी के अतिरिक्त क्षेत्रीय पार्टियों का अपना वर्चस्व कायम हो इस पर भी जद्दोजहद हैं। अगर सचमुच सरल भाषा में कहा जाए तो छोटी-छोटी 'परचून की दुकानें हैं जहां एक सबसे बड़ी रीटेल की दुकान खड़ी है।' आम लोग भी यही प्रश्न कर रहे हैं और सोच रहे हैं वर्तमान भाजपा का मुकाबला कैसे करेंगे? कांग्रेस पार्टी भी अपने आपको लोकसभा चुनाव में कुर्बानी देने को तैयार है। जैसा कि अभी हाल ही में संपन्न राज्य विधानसभा चुनावों का परिणाम आपके सामने है। विपक्ष के साथ वोट तो है मगर वोट एकजुट नहीं कर पाते।

समाजवादी जनता परिवार को चाहिए कि वे एकजुट हों और एक छतरी, एक बैनर के नीचे आएं, और तीसरी ताकत के साथ खड़े हो जाएं और कांग्रेस पार्टी को अकेले देश भर में चुनाव लड़ना चाहिए।

राहुल गांधी का यह कहना कि अगर शरद यादव जी आज होते तो महागठबंधन के संयोजक होते, राहुल गांधी का यह कहना कहीं प्रश्न तो नहीं खड़ा कर रहा। शरद यादव मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार से लोकसभा और उत्तर प्रदेश से राज्य सभा (दोनों) में अनेकों बार प्रतिनिधित्व करते हुए ज़िम्मेदारी से निर्वहन किया, वे हमेशा जाति जनजाति और पिछड़ा वर्ग, आरक्षण, महिला आरक्षण, साझी विरासत, जाति जनगणना आदि के मुखर हिमायती शरद यादव अनेकों बार जेल में बंद रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि -डॉक्टर राममनोहर लोहिया के विचारों से प्रभावित नेता बताया और लिखा- 'मैं उनकी यादों को संजो कर रखूंगा।'

आज उनकी पहली पुण्यतिथि है। विनम्र श्रद्धांजलि!

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

पक्षी के टकराने से द. कोरिया के विमान में लगी आग

सियोल। दक्षिण कोरिया के एक यात्री विमान से पक्षी के टकराने के बाद बुधवार रात उसकी इंजन में आग लग गयी, लेकिन राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। स्थानीय एयरलाइन टी वे एयर का बोइंग 737-800 विमान ने जापान की राजधानी टोक्यो स्थित नरिता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और द. कोरिया की राजधानी सोल से लगभग 50 किलोमीटर पश्चिम में इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को स्थानीय समयानुसार रात लगभग 9:22 बजे उतरने वाला था।

ब्रिटेन यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह और ऋषि सुनक ने रक्षा संबंधों पर की चर्चा

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट लंदन में ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक बुधवार को हुई, जिसके दौरान सिंह ने संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण क्षमता निर्माण, विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में अंतर-संचालनीयता और सैन्य-से-सैन्य संबंधों में वृद्धि के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों में हालिया वृद्धि को याद किया। अधिकारियों ने कहा, सुनक व्यापार रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में ब्रिटेन और भारत के काम करने की आवश्यकता पर राजनाथ सिंह से पूरी तरह सहमत थे। विशेष रूप से उन्होंने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता को लेकर आशा व्यक्त की है कि वार्ता को जल्द ही एक सफल निष्कर्ष पर लाया जा सकता है। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के एक अधिकारी ने कहा, सुनक ने भारतीय समकक्ष संस्थाओं के साथ मजबूत व्यापार और प्रौद्योगिकी साझेदारी के लिए सरकारी समर्थन सहित द्विपक्षीय संबंधों के रक्षा और सुरक्षा स्तंभ

■ दोनों देशों ने व्यापार रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई

को मजबूत करने के लिए अपनी और अपनी सरकार की उत्सुकता को भी रेखांकित किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र सहित रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों पर जोर दिया। अधिकारी ने कहा कि बैठक गर्मजोशीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रही, रक्षा मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दोनों देशों के नेताओं के निर्देशन में ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक, बहुआयामी और पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी में ढालने और फिर से तैयार करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार राजनाथ सिंह ने सुनक को यूके रक्षा उद्योग के साथ अपनी सकारात्मक बातचीत और द्विपक्षीय रक्षा संबंधों में नई सकारात्मक ऊर्जा के बारे में जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यूके और अन्य समान विचारधारा वाले देशों को शांतिपूर्ण और स्थिर वैश्विक नियम आधारित व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत के साथ काम करना चाहिए, जिसमें भारत के अथक उत्थान में भागीदारी भी शामिल है जिसे मैत्रीपूर्ण सहयोग के साथ मजबूत और तेज किया जा सकता है।

राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियम आधारित विश्व व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत सरकार ब्रिटेन जैसे दोस्तों के साथ साझेदारी करने को तैयार है। बैठक के दौरान सिंह ने यूके पीएम को राम दरबार की मूर्ति उपहार में दी, जिसमें यूके के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) सर टिम बैरो भी शामिल थे। सिंह ने विदेश राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय में ब्रिटेन के विदेश मंत्री लॉर्ड डेविड कैमरन से भी मुलाकात की। मंत्रियों ने विभिन्न स्तरों पर गहन जुड़ाव के प्रतीक भारत-ब्रिटेन साझेदारी की नई गति और दिशा की सराहना की।

राजनाथ सिंह ने भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत की

रक्षा मंत्री सिंह ने बाद में इंडिया हाउस लंदन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की। इस बातचीत में भारतीय मूल के 160 से अधिक प्रमुख व्यक्तियों ने भाग लिया। द्वितीय विश्व युद्ध के दिग्गजों के परिवार के कुछ सदस्यों सहित कई भारतीय सैन्य पूर्व सैनिक भी उपस्थित थे।

हसीना की नई कैबिनेट में 37 मंत्री शामिल

ढाका, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बंगलादेश की शेख हसीना सरकार की कैबिनेट में 37 मंत्री शामिल किये गये हैं जिनमें 14 नये चेहरे हैं। कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कैबिनेट में प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ 25 कैबिनेट मंत्री और 11 राज्यमंत्री शामिल किये गये हैं। सुश्री हसीना ने अपने नये मंत्रिमंडल में 14 नये चेहरों को जगह दी है। श्री हुसैन ने बताया कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी मंत्रीगण गुरुवार की शाम सात बजे शपथ लेंगे। नवगठित मंत्रिमंडल के सदस्यों के शपथग्रहण समारोह के बाद मंत्रियों को विभागों का आवंटन किया जायेगा। बंगलादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अवामी लीग नेता शेख हसीना को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री के रूप में सुश्री हसीना का यह लगातार चौथा कार्यकाल है। राष्ट्रपति ने सुश्री हसीना को नयी सरकार बनाने के लिए

■ 14 नए चेहरे को दिया गया मौका

आमंत्रित किया है। इससे पहले सुश्री हसीना और उनकी पार्टी के निर्वाचित सांसदों ने बुधवार को संसद सदस्य के रूप में शपथ ली थी। गौरतलब है कि आम चुनावों में अवामी लीग नीत गठबंधन ने संसद की 298 सीटों में से 225 सीटें जीती है। इनमें अवामी लीग ने अकेले 222 सीटें हासिल की है।

सुडोकू 6434

6								
			4		8		7	
4		7	9	5	3		8	
9		5						
8		1		4		7		5
						9		1
	9		8	2	1	4		7
	8		6		4			
								6

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6434

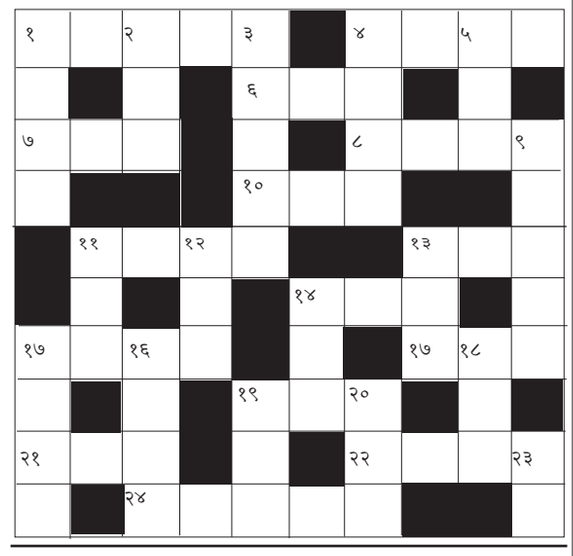

बायें से दायें:-

१. पराधीनता, गुलामी
४. जिस पर नज़र न पड़ी हो, जो देखा न गया हो
६. रक्षा करने या रखे जाने का भाव
७. विनती, आवेदनपत्र
८. युद्धसंबंधी
१०. यज्ञ करना
११. भलामानस, सज्जन
१३. तृण, घास-फूस
१४. कठिन
१५. शांत, नीरव, निर्धन, सन्नाटा
१७. स्वर्ण, धतूरा
१९. मां का बच्चे के प्रति किया जाने वाला स्नेह, वात्सल्य
२१. एक राक्षसी
२२. अस्वीकार या असहमति जताना
२४. कांपना

ऊपर से नीचे:-

१. पैदल चलने वाला
२. शरीर के भीतर पाई जाने वाली श्वेत-चमकदार डोरी जैसी संरचना
३. विश्वामित्र के पुत्र का नाम
४. मृत्यु, समाप्ति, अंत
५. दानव, दैत्य, देवताओं के शत्रु
९. तकलीफदेह
११. किसी देवता की स्तुति में रचित पद
१२. युक्ति, प्रयत्न
१३. केसर-चंदन आदि में ललाट पर बनाया गया चिह्न, टीका
१४. किसी व्यापारिक संस्थान में लेन-देन या लेखा-जोखा करने वाला
१५. देवता और दैत्य
१६. संग-संग, एक साथ
१८. मिसाल, उदाहरण (उर्दू)
१९. कामदेव
२०. कसना, तानकर बांधना
२३. ध्वनि, शब्द

वर्ग पहेली-6433

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 12 जनवरी , 2024 पौष शुक्ल पक्ष 1

राशिफल

मेष -आज आप घर की बातों पर अधिक ही ध्यान देंगे। परिजनों के साथ बैठकर महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे। घर के इंटीरियर पर आप धन खर्च कर सकते हैं। आज आपको अपने काम में संतोष का अनुभव होगा।

वृषभ -आज नए काम की प्रेरणा मिलेगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा से आपका मन भक्तिमय हो जाएगा। लंबे प्रवास की योजना बनाएंगे। दूर के रिश्तेदारों या दोस्तों से शुभ समाचार मिलेंगे। परेदश जाने की संभावनाएं बनेंगी।

मिथुन -आज का दिन प्रतिकूल है, अत: आज आप हर काम सावधानी से करें। आज किसी नए काम का आरंभ न करें। गुस्से के कारण कुछ अनिष्ट न हो, इसका खास ध्यान रखें। रोगी कोई नया इलाज या शल्य चिकित्सा आज न करवाएं।

कर्क -आज का संपूर्ण दिन आनंद-प्रमोद तथा मनोरंजन से भरा हुआ रहेगा। मित्रों से रोचक भेंट होगी। आनंद-प्रमोद के साधन, वस्त्र इत्यादि की खरीद हो सकती है। प्रणय संबंधों में सफलता मिल सकती है।

सिंह -आज का दिन औसत रहने वाला है। घर में शांति का वातावरण रहेगा। दफ्तर में सहकर्मियों से कम सहयोग मिलेगा। दैनिक कामों में कुछ रुकावटें आएंगी। शत्रुओं तथा विरोधियों की वजह से परेशानी होगी।

कन्या -आज आप संतान को लेकर चिंतित रहेंगे। मन विचलित रह सकता है। पेट से संबंधित कोई बीमारी या दर्द रह सकता है। विद्यार्थियों का आज दिक्कत आएगी। आकस्मिक खर्च की संभावनाएं हैं।

तुला -आज के दिन आप मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। आज आप कुछ अधिक ही भावुक रहेंगे। मन में उठ रहे विचारों के कारण कुछ परेशान रह सकते हैं। माता तथा स्त्री के विषय में चिंता सताएगी।

वृश्चिक -आज पूरे दिन आप प्रसन्न रहेंगे। किसी नए काम की शुरुआत कर पाएंगे। साथियों से सुख एवं आनंद की प्राप्ति होगी। मित्रों औक स्वजनों से भेंट हो सकती है। किसी भी काम में आज आपको सफलता मिलेगी।

धनु -आप का दिन मिश्रित फलदायी है। असमंजस के कारण निर्णय लेना कठिन होगा। मन में चिंता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव न हो, इसका ध्यान रखें। काम में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से निराशा होगी।

मकर -आज आपका प्रत्येक काम सरलता से पूरा होगा। नौकरी और व्यापार के लिए किए प्रयासों से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पदोन्नति के योग हैं। गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। आज चोट लगने की आशंका है।

कुंभ -धन के लेन-देन और जमीन-जायदाद के सौदों में आज बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। मानसिक रूप से आज एकाग्र बने रहेंगे। खर्च की मात्रा अधिक होगा। स्वास्थ्य के विषय में ध्यान रखें।

मीन -आज मित्रों से आपको लाभ होगा और उनके पीछे धन खर्च भी होगा। सामाजिक कामों में अधिक रुचि रहेगी। बड़ों और मित्रों से कोई नए व्यवहार बन सकते हैं। किसी रमणीय स्थल पर जाने का आयोजन होगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1863-भारत के स्वतंत्रता सेनानी स्वामी विवेकानंद का जन्म हुआ।
1895-नेशनल ट्रस्ट ब्रिटेन में स्थापित किया गया।
1908-पेरिस स्थित एफिल टॉवर से पहली बार लंबी दूरी का वायरलेस संदेश भेजा गया।
1911-रूस के वियर्न शहर में भूकंप आने से 250 से ज्यादा लोग मारे गए।
1915-संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि मंडल ने महिलाओं को वोट देने का प्रस्ताव खारिज किया।
1942-जापान ने तारकन की लड़ाई जीती।
1950-स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 12 जनवरी 1950 में %संयुक्त प्रांत% का नाम बदल कर 'उत्तर प्रदेश' रखा।
1954-आस्ट्रिया में हिमस्खलन में 200 से अधिक लोग मारे गए।
1958- भारतीय प्रसिद्ध अभिनेता अरुण गोविल का जन्म हुआ।
1970-बायफ्रा ने नाइजीरियाई नागरिक युद्ध को समाप्त किया।
1976-दुनिया के सबसे जाने माने जासूसी उपन्यासकारों में से एक अगाथा क्रिस्टी का निधन हुआ।
1984-स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के मौके पर हर वर्ष देश में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाने की घोषणा की गयी।
1997-टाइगर वुड्स ने मर्सिडीज चैंपियनशिप जीती और यह उनके लिए एक अच्छी जीत।
2004-दुनिया के सबसे बड़े समुद्री जहाज, आरएमएस क्वीन मैरी 2 ने अपनी पहली यात्रा की शुरूआत की थी।
2005-केप कैनावेरल ने डीप इम्पैक्ट अंतरिक्ष यान के रूप में जाने वाले अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने का फैसला किया।
2007-हिन्दी फिल्म %रंग दे बसन्ती% बाफ्टा के लिए नामांकित।

पापुआ न्यू गिनी में भड़का दंगा, 15 की मौत

पोर्ट मोरेस्बी, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पापुआ न्यू गिनी की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी और देश के दूसरे सबसे बड़े शहर 'लाए' में दंगा भड़कने और अशांति के कारण 15 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वेतन विवाद पर पुलिस की हड़ताल के बाद दुकानों और कारों में आग लगा दी गई और सुपरमार्केट लूट लिए गए। उन्होंने बताया कि बुधवार को पुलिस की अनुपस्थिति ने शहर के बाहरी इलाके के लोगों को दुकानों में तोड़फोड़ करने और बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित किया।

पापुआ न्यू गिनी में वेतन विवाद के अलावा बढ़ती महंगाई और उच्च बेरोजगारी के कारण भी बड़े पैमाने पर तनाव व्याप्त है।

प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने गुरुवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए इन घटनाओं के लिए माफी मांगी, लेकिन कहा कि अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जनता से कहा, कानून तोड़ने से कुछ खास नतीजे नहीं मिलते। देश में सैनिकों की तैनाती और पुलिस के फिर से ड्यूटी पर लौटने के बाद बुधवार शाम तक हिंसा की अधिकतर घटनाओं पर रोक लगा दी गयी थी। श्री मारापे ने स्वीकार किया कि स्थिति अब भी तनावपूर्ण है। पोर्ट मोरेस्बी जनरल अस्पताल ने राजधानी में आठ मौतों की पुष्टि की है, जबकि लाए शहर में सात अन्य लोगों की मौत की सूचना मिली है।

मध्य गाजा में इजरायली बमबारी में 40 लोगों की मौत

गाजा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य गाजा के दीर अल-बलाह में बुधवार को इजरायल की बमबारी में कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई। हमास के मीडिया कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक अल-अक्सा शहीद अस्पताल से सटे एक घर को निशाना बनाकर बम विस्फोट किया गया। हमले में एक पत्रकार अहमद बदीर की भी मौत हो गई , जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बच्चों और महिलाओं सहित नागरिकों के खिलाफ इजरायली सेना द्वारा छेड़े गए युद्ध को रोकने का आह्वान किया था। बयान में कहा गया कि अल-बाला के प्रवेश द्वार पर एक एम्बुलेंस को लक्ष्य कर किए गए हमले में फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी (पीआरसीएस) एम्बुलेंस के चालक दल के

■ हमले में एक पत्रकार अहमद बदीर की भी मौत हुई

कम से कम चार सदस्य मारे गए। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार कहा कि पिछले 24 घंटों में गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में कम से कम 147 फिलिस्तीनी मारे गए। इसके बाद सात अक्टूबर, 2023 से चल रहे संघर्ष में एन्क्लेव में इजरायल की ओर से किए गए हमलों में मरने वालों की संख्या 23,357 हो गई।

इजराइल गाजा पर कब्जा जारी नहीं रखेगा : नेतन्याहू

जेरूसलम। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजरायल का गाजा पर कब्जा बनाए रखने या नागरिकों को विस्थापित करने का 'कोई इरादा नहीं' है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के कथित नरसंहार के संबंध में हेग में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में सुनवाई शुरू होने से एक दिन पहले बुधवार को यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, मैं कुछ बातें स्पष्ट करना चाहता हूं - इजराइल का गाजा पर स्थायी रूप से कब्जा करने या उसकी नागरिक आबादी को विस्थापित करने का कोई इरादा नहीं है।

अमेरिका में चीनी राजदूत ने सह-अस्तित्व के उचित तरीके पर जोर दिया

बीजिंग, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में चीनी राजदूत श्ये फंग ने अमेरिका के जॉर्जिया स्टेट के अटलांटा शहर में स्थित कार्टर सेंटर में आयोजित चीन-यूएस राजनयिक संबंधों की स्थापना की 45वीं वर्षगांठ पर संगोष्ठी में भाग लिया। अपने भाषण के दौरान, उन्होंने चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंधों की नींव के रूप में आपसी सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और पारस्परिक जीत सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका के बीच संबंधों में पिछले 45 वर्षों में उतार-चढ़ाव आया है और यह आज दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध बन गया है।

इससे दोनों देशों के नागरिकों के कल्याण में सुधार हुआ है और एशिया-प्रशांत क्षेत्र और उससे आगे शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान मिला है। श्ये फंग ने चार प्रमुख पहलुओं से चीन-अमेरिका संबंधों पर अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया- पहला, शीत युद्ध की मानसिकता को त्यागें और सही आपसी समझ स्थापित करें।

वांग यी ने रूसी विदेश मंत्री लावरोव से फोन पर बात की

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बुधवार को फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने एक-दूसरे को नए साल की शुभकामनाएं दीं। वांग यी ने कहा कि बीते एक वर्ष में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के रणनीतिक नेतृत्व में नए युग के लिए चीन-रूस व्यापक रणनीतिक सहयोग साझेदारी संबंध उच्च स्तरीय संचालन बनाए हुए हैं। उच्च गुणवत्ता वाले रणनीतिक सहयोग के माध्यम से, दोनों पक्ष न केवल अपने-अपने देशों के मामलों को अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुख्य भूमिका निभाते हैं और वैश्विक रणनीतिक स्थिरता बनाए रखते हैं।

कनाडा में भारतीय मूल का ट्रक चालाक कोकीन तस्करी में पकड़ा गया

टोरंटो, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा के सीमा सेवा एजेंसी के अधिकारियों ने भारतीय मूल के एक वाणिज्यिक ट्रक चालक को कनाडा में लगभग साढ़े 60 लाख कनाडाई डॉलर मूल्य की कोकीन के साथ पकड़ा है। आरोपी का नाम सुखविंदर धंजू (35) है जिसे कनाडाई सीमा सेवा एजेंसी (सीबीएसए) ने पिछले साल 26 सितंबर को ओन्टारियो प्रांत में नियाग्रा-ऑन-द-लेक में प्रवेश के क्वीन्सटन-लेविस्टन ब्रिज बंदरगाह पर पहुंचने के बाद गिरफ्तार किया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा, ड्राइवर को उसके ट्रक और ट्रेलर की माध्यमिक जांच के लिए भेजा गया था। कार्गो के निरीक्षण से 202 पैकेट मिले जिसमें अधिकारिओयों ने कोकीन होने की पुष्टि की और उनका कुल वजन 233 किलोग्राम था। इसके बाद धंजू को सीबीएसए ने गिरफ्तार कर लिया और संदिग्ध दवाओं के साथ आरसीएमपी बॉर्डर इंटीग्रिटी यूनिट की हिरासत में भेज दिया गया।

चुनाव ट्रम्प के सबसे मुखर आलोचक माने जाते हैं क्रिस्टी

न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी व्हाइट हाउस की दौड़ से बाहर

वाशिंगटन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी व्हाइट हाउस के लिए 2024 की रिपब्लिकन दौड़ से बाहर हो गए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 61 वर्षीय व्यक्ति ने देश में पहली प्राथमिक परीक्षा से 13 दिन पहले बुधवार रात को न्यू हैम्पशायर राज्य में एक टाउन हॉल कार्यक्रम में यह घोषणा की। ट्रम्प के सबसे मुखर आलोचक माने जाने वाले क्रिस्टी, जो कभी उनके सहयोगी थे, ने अपनी अधिकांश घोषणा रिपब्लिकन मतदाताओं से पूर्व राष्ट्रपति को अस्वीकार करने की अपील करते हुए की।

उन्होंने कहा, डोनाल्ड ट्रम्प चाहते हैं कि आप हर दिन क्रोधित हों, क्योंकि वह क्रोधित हैं, मैं किसी भी तरह से डोनाल्ड ट्रम्प को दोबारा संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बनने से रोकूंगा। उन्होंने कहा, जो कोई यह कहने को तैयार नहीं है कि (ट्रंप) संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिए अयोग्य हैं, वे खुद संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के लिए अयोग्य हैं। उन्होंने लोगों यह भी कहा कि आज रात मुझे यह स्पष्ट हो गया है कि मेरे लिए

नामांकन जीतने का कोई रास्ता नहीं है, यही कारण है कि मैं आज रात अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए अपना अभियान स्थगित कर रहा हूं । सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इसे मेरे लिए सही काम बताया। लेकिन अपनी घोषणा करने से पहले, उन्हें रिपब्लिकन दौड़ में अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वियों - फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और दक्षिण कैरोलिना के पूर्व गवर्नर निक्की हेली के खिलाफ लाइव माइक्रोफोन पर कुछ अनौपचारिक टिप्पणी करते हुए पकड़ा गया था।

वह धूम्रपान करने वाली है और आप और मैं दोनों इसे जानते हैं। वह इसके लिए तैयार नहीं है, क्रिस्टी को स्पष्ट रूप से हेली के संदर्भ में यह कहते हुए सुना जा सकता है।

नाटो के प्रति प्रतिबद्धता अमेरिका के साथ उचित व्यवहार पर निर्भर : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर वह 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं, तो उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अमेरिका के साथ उसके व्यवहार पर निर्भर करेगा। श्री ट्रम्प ने बुधवार को आयोवा में एक टाउन हॉल कार्यक्रम के दौरान कहा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे हमारे साथ उचित व्यवहार करते हैं या नहीं। अमेरिका का फायदा ही उठाया गया है। गौरतलब है कि श्री ट्रम्प हमेशा नाटो देशों द्वारा गठबंधन में किए जाने वाले रक्षा व्यय की मात्रा को लेकर संशय में रहे हैं, जबकि अमेरिका अधिकांश जिम्मेदारी खुद उठाता है।

दुनिया को जानें

छुट्टियों व जेएन.1 वैरिएंट ने कोविड-19 को बढ़ाया : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा, 11 जनवरी (एजेंसियां) । डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडनोम घेबियस ने कहा कि छुट्टियों की सभाओं और विश्व स्तर पर प्रभावी जेएन.1 वेरिएंट ने दिसंबर में दुनिया भर में कोविड-19 के प्रसार को बढ़ावा दिया। घेब्रेयसस ने बुधवार को जिनेवा में एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि दिसंबर में डब्ल्यूएचओ को कोविड-19 से लगभग 10,000 मौतों की सूचना दी गई, जबकि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई और पिछले महीने की तुलना में आईसीयू में भर्ती होने वालों की संख्या में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई। स्वास्थ्य एजेंसी के महानिदेशक ने कहा कि रुझान 50 से भी कम देशों द्वारा साझा किए गए डेटा से प्राप्त हुए हैं, इनमें से ज्यादातर यूरोप और अमेरिका में हैं, उनका मानना है कि अन्य देशों में वृद्धि दर्ज नहीं की जा रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हालांकि कोविड-19 अब वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, फिर भी वायरस फैल रहा है, बदल रहा है और लोगों की जान ले रहा है।

प्रादेशिकी

कुमाऊं कमिश्नर पहुंचे जिला अस्पताल, हड़कंप

रुद्रपुर। गुरुवार को कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत जिला अस्पताल पहुंचे। कमिश्नर को देख स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप मच गया। उन्होंने सबसे पहले मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं को देखा। इसके बाद उन्होंने जिला अस्पताल की डिस्पेंसरी में पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद फार्मासिस्ट से दवाओं की जानकारी ली। इस दौरान वहां मौजूद मरीजों ने दवा न मिलने की शिकायत की। इस पर कमिश्नर ने पीएमएस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कमिश्नर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मिले और अस्पताल से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। कमिश्नर ने औषधि स्टोर का निरीक्षण किया। समाचार लिखे जाने तक कमिश्नर का निरीक्षण जारी था। इस दौरान अस्पताल के पीएमएस डॉ आरके सिन्हा, मैनेजर डॉ अजय वीर सिंह समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

साढ़े नौ साल में पीएम मोदी के नेतृत्व में लिए गए बड़े निर्णय: धामी

देहरादून, 11 जनवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जनपद चम्पावत के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पाने वाले लोगों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े नौ साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनहित में बड़े निर्णय लिये गये हैं और समाज के हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई गई हैं। समाज के अन्तिम छोर के लोगों तक योजनाओं का पूरा लाभ मिले, इसके लिए लगातार प्रयास किये गये हैं। 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य भी समाज के गरीब और वंचित लोगों तक योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचाना है। राज्य की 7795 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम किये गये हैं।(मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से केंद्र व राज्य सरकार की अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं का लोगों को तेजी से लाभ मिला है। केन्द्र एवं राज्य सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ लोगों को घर बैठे ही ऑनलाईन सेवाओं के माध्यम से मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में नई कार्य संस्कृति बनी है। लोगों को योजनाओं का लाभ उनके घरों पर जाकर दिया जा रहा हैं उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित होने वाले लोगों से आह्वान किया कि अन्य पात्र लोगों को भी इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं चलाई जा रही हैं। दिव्यांग पेंशन प्रतिमाह 1200 रूपए से बढ़ाकर 1500 रूपए की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का कार्य हुआ है। राज्य में भी स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

- सीएम ने चम्पावत के लोगों से किया वर्चुअल संवाद
- केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पाने वाले लोगों से बातचीत की
- राज्य की 7795 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम किये गये

राज्य में मातृशक्ति द्वारा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। राज्य की महिलाओं द्वारा बनाये जा रहे अनेक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। हमें उत्पादों की पैकेजिंग और मार्केटिंग की दिशा में और कार्य करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक निवेशक सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने 'हाउस ऑफ हिमालयाज' को लांच किया। इसके माध्यम से उत्तराखण्ड के उत्पादों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्पावत को आदर्श जनपद बनाने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। आदर्श चंपावत से आदर्श उत्तराखण्ड का मॉडल बनेगा। इस अवसर पर उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना एवं केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले लोगों ने मुख्यमंत्री से संवाद कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री धामी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, आनन्द स्वरूप, वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी चम्पावत नवनीत पाण्डे और जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

लाभार्थियों ने साझा किए अपने अनुभव

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से संवाद के दौरान चम्पावत के लक्ष्मी दत्त ने बताया कि उन्होंने पीएम स्वनिधि के तहत पहले 10 हजार और फिर 20 हजार का लोन लिया। वे इस लोन को पूरा कर चुके हैं, अब 50 हजार का लोन लेने वाले हैं। लक्ष्मी दत्त ने बताया कि वे विकलांग हैं, विकलांग पेंशन के साथ पी.एम स्वनिधि योजना का लाभ मिलने से उन्हें बहुत मदद मिली है। एनआरएलएम ये जुड़ी कविता ने कहा कि स्वयं सहायता समूह के जरिये वे पिरूल के गुलदस्ते, टोकरी, राखी तथा आवंले और अदरक की कैंडी बना रही हैं, जिससे उनको अच्छी आय प्राप्त हो रही है। रोहित सिंह मेहर ने बताया कि उनके द्वारा मत्स्य पालन के लिए 08 तालाबों को निर्माण किया जा रहा है, इसके लिए उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के बाद 60 हजार रूपये की सब्सिडी मिली है।

प्रदेश के 56 अस्पतालों में शुरू की जाएगी स्वास्थ्य सूचना प्रबन्धन प्रणाली: सुक्खू

शिमला, 11 जनवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज यहां स्वास्थ्य विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य सूचना प्रबन्धन प्रणाली समयबद्ध शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरम्भिक स्तर पर यह प्रणाली प्रदेश के 56 अस्पतालों में शुरू की जाएगी, जिससे चिकित्सकों को क्लाउड आधारित सर्वर से रोगियों के सम्पूर्ण चिकित्सा विवरण उपलब्ध हो सकेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को घर-द्वार पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के दृष्टिगत स्वास्थ्य संस्थानों में नवीनतम प्रौद्योगिकी का समावेश कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सूचना प्रबन्धन प्रणाली इस दिशा में एक मील पत्थर साबित होगी। इससे रोगियों को पर्ची तथा अन्य मेडिकल टेस्ट से संबंधित दस्तावेज या उनकी छायाप्रतियां साथ ले जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी और उन्हें निर्बाध चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सक भी एक क्लिक पर रोगी का मोबाइल नम्बर अंकित करते ही उसके स्वास्थ्य के बारे में आवश्यक सूचना प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड बनाने का लक्ष्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा और अभी तक 73 प्रतिशत कार्ड बनाए जा चुके हैं।

प्रदेश में 73 प्रतिशत डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड तैयार, 35 आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों में 6-6 विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की भी गुणात्मक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में आदर्श स्वास्थ्य संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं और अभी तक ऐसे 35 आदर्श स्वास्थ्य संस्थान राज्य में स्थापित हो चुके हैं जहां 6 विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात किए गए हैं। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आईजीएमसी शिमला, अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियेलिटी चमियाणा (शिमला) और टांडा मेडिकल कॉलेज में रोबोटिक सर्जरी सुविधा शुरू करने के लिए जारी प्रक्रिया की भी समीक्षा की। उन्होंने यह सुविधा जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिए ताकि लोगों को इसका लाभ समय पर मिल सके।

बैठक में मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, सचिव स्वास्थ्य एम. सुधा देवी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक प्रियंका वर्मा और निदेशक स्वास्थ्य डॉ. गोपाल बेरी भी उपस्थित थे।

सार संक्षेप

ठंड से बचने के लिए जरूरतमंदो को कंबल वितरित किए

धारी। धनाचूली ग्रामसभा में हीलिंग होम्स वैली संस्था द्वारा कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य सागर पाण्डे ने कहा कि जरुरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। हीलिंग होम वैली की संस्थापक शैली मैम ने लोगो को जागरुक किया और बताया कि हमारी सस्थां प्रत्येक वर्ष जरुरतमंद लोगों को कंबल वितरित करती है, कंबल वितरण के दौरान धनाचुली के ग्राम प्रधान राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने हीलिंग होम्स वैली सस्थां धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जर्नलिस्ट सिजवाली जी , जगदीश जी, नीरज कुमार, रमेश चंद्र, गिरीश, चंदन सिंह बिष्ट, कुंदन सिंह, दीवान सिंह, अलका, पूजा देवी आदि लोग मौजूद रहे।

चीला रेंज सड़क हादसा: लापता महिला वार्डन का शव मिला

ऋषिकेश। चीला रेंज में नए वाहन के ट्रायल के दौरान हुए हादसे में लापता हुई महिला वार्डन का शव गुरुवार सुबह नहर में मिल गया। इस मामले में वाहन कंपनी और चालक पर मुकदमा दर्ज किया गया है। वन क्षेत्राधिकारी गौहरी रेंज राजाजी टाइगर रिजर्व राजेश चंद्र जोशी की लिखित तहरीर पर थाना लक्ष्मण झूला में आसका व प्रवेग कंपनी के प्रबंधक व चालक अश्वनी बीजो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं, वार्डन की तलाश में एसडीआरएफ की टीम लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही थी। जिन्हे गुरुवार सुबह नहर में पानी कम होने के चलते शव बरामद हो गया। गौरतलब है कि राजाजी प्रशासन को ये वाहन पेट्रोलिंग व जानवरों के रेस्क्यू के लिए मिला था। ट्रायल के लिए वाहन में वन्य जीव प्रतिपालक आलोकी, वन क्षेत्राधिकारी शैलेश घिल्डियाल, उपवन क्षेत्राधिकारी प्रमोद ध्यानी, चिकित्सक राकेश नौटियाल के अलावा कुलराज सिंह, हिमांशु गोसाई, सैफ अली खान, अंकुश, अमित सेमवाल व अश्विन बीजू सवार थे। वाहन चीला से ऋषिकेश की ओर जा रहा था।

कोहरे का कहर जारी, बारिश नहीं हुई तो घटता जाएगा तापमान

देहरादून। प्रदेश के मैदानी क्षेत्रों में भी ठंड का कहर जारी है। शाम ढलते ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि आगामी दिनों में बारिश होने के बाद ही मौसम में थोड़ा परिवर्तन आएगा। अन्यथा ठंड बढ़ती जाएगी। प्रदेश राजधानी देहरादून में भी सुबह कोहरा छाया रहा। उत्तराखंड में मैदानी क्षेत्रों में कोहरे का प्रकोप बरकरार है। सर्द हवाओं के चलते दिनभर कंपकंपी छूट रही है। आईआईटी रुड़की कृषि मौसम परियोजना की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक अधिकतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 7.2 डिग्री सेल्सियस कम रहा। न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सुडोकू 6434 का हल

6	3	8	7	1	2	5	9	4
2	5	9	4	6	8	1	7	3
4	1	7	9	5	3	6	8	2
9	4	5	1	3	7	2	6	8
8	6	1	2	4	9	7	3	5
7	2	3	5	8	6	9	4	1
3	9	6	8	2	1	4	5	7
5	8	2	6	7	4	3	1	9
1	7	4	3	9	5	8	2	6

सालों से अटकी ऋणों की रकम की वसूली के लिए राज्य सहकारी बैंक में वन टाइम सेटलमेंट नीति लागू होगी

शिमला, 11 जनवरी (देशबन्धु)। सालों से अटकी ऋणों की रकम की वसूली के लिए राज्य सहकारी बैंक में वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) नीति लागू होगी। ओटीएस नीति लागू होने से न सिर्फ बैंक की करोड़ों की रकम की वसूली होगी, बल्कि इसके खाता धारकों को भी राहत मिलेगी। राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम व प्रबंध निदेशक श्रवण मांटा के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने उन्हें वन टाइम सेटलमेंट नीति लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओटीएस लागू होने से बैंक के 5 हजार खाता धारकों को राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बैंक प्रबंधन व अधिकारियों को नाबार्ड और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मिलकर एक विस्तृत वन टाइम सेटलमेंट नीति विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य हजारों किसानों, बागवानों और बैंक से जुड़े अन्य कर्जदारों को पर्याप्त सहायता प्रदान करना हैए जिसे शीघ्र ही शुरू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वन टाइम सेटलमेंट नीति बैंक के ऋणधारकों को रियायती दर पर अपने बकाया का निपटान करने का अवसर प्रदान करेगी। इससे कानूनी कार्रवाई से बचा जा सकेगा और सफल निपटान के बाद उनके क्रेडिट स्कोर में सुधार होगा। इसके साथ ही इससे गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए)की पुनर्प्राप्ति करने ऋण प्राप्ति और बैंक के समग्र वित्तीय सुधार होने से बैंक को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक और जोगिन्द्रा केंद्रीय सहकारी बैंक को भी अपने उपभोक्ताओं के हित में ऐसी वन टाइम सेटलमेंट नीति विकसित करने और लागू करने के लिए समान निर्देश जारी किए जाएंगे।

राज्य सहकारी बैंक बेशक करोड़ों के विशुद्ध मुनाफे में है, मगर इसका एनपीए करीब 6 फीसद है। खासतौर पर पावर कंपनियों के पास बैंक की करोड़ों की रकम सालों से फंसी हुई है। ओटीएस से बैंक को इस रकम की वसूली की उम्मीद है। कांगड़ा सेंट्रल कॉपरेटिव (केसीसी)बैंक का एनपीए 9 फीसद के करीब बताया जा रहा है। आरबीआई ने केसीसी बैंक में वन टाइम सेटलमेंट के लिए पहले मनाही की थी, मगर अब मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद बैंक प्रबंधन इस मुद्दे को दोबारा आरबीआई के समक्ष उठाएगा।

मंदिर विरोधी रवैए के चलते कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का प्राण प्रतिष्ठा का बायकाट स्वभाविक : भट्ट

देहरादून, 11 जनवरी (देशबन्धु)। भाजपा ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कांग्रेसी आलाकमान के इंकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राम मंदिर के विरोधी प्राण प्रतिष्ठा में जाए यह संभव नही है। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कटाक्ष किया कि विपक्ष ने मंदिर का बॉयकॉट किया है, जनता इनका चुनाव में इनका बॉयकॉट करेगी। मीडिया द्वारा खड़गे, सोनिया, अधीर रंजन के श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा में जाने से से लिखित इंकार पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए श्री भट्ट ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण लेकिन स्वाभाविक बताया । उन्होंने कहा, चुनावों में जनेऊ दिखाने, मंदिर मंदिर घूमने वाले और स्वपन में श्री राम आने का दावा करने वालों की सच्चाई एक बार फिर से आई है। अल्पसंख्यक वोटबैंक के लालच में ताउम्र श्री राम मंदिर और सनातन का विरोध करने वाली कांग्रेस एक बार फिर अयोध्या आने का साहस नहीं जुटा पाई। जिन्होंने अलग मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा को स्वीकारते हुए देश के टुकड़े करवाने, गौ भक्तो का संसद के सामने नरसंहार करवाने, प्रभु श्री राम काल्पनिक बताने, आंदोलनकारी राम भक्तों पर अत्याचार करने, बाहरी मस्जिद के दोबारा निर्माण के वादे कर मंदिर समर्थक चार चार सरकारों को एक साथ बर्खास्त और उनसे मंदिर पूजन में आने की उम्मीद करना ही बेमानी था। भट्ट ने कहा, कांग्रेस और इडी गठबंधन के निर्णयों से एक बार फिर जनता के सामने स्पष्ट हो गया है कि कौन श्री राम मंदिर, सनातन धर्म के सम्मान में खड़ा है और कौन नही। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार कर कहा, जिन्हे मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में आज राजनीति नजर आ रही है, उन्हे सरकारी भवनों में रोजा अफ्तार रखने में कभी आपत्ति नहीं हुई। उन्हे देश के संसाधनों पर अल्पसंख्यकों को पहला हक देने में कभी राजनीति नही दिखाई दी। धार्मिक आधार पर कानूनी भेदभाव कायम रखने में कभी राजनीति नही दिखाई दी, धार्मिक आधार पर यूनिवर्सिटी खोलने और साप्ताहिक छुट्टी रखने में कभी राजनीति नही दिखाई दी। उनके इस निर्णय से पुन: साबित हुआ है कि उनके लिए सनातन के गौरवमयी अवसर का सहभागी बनने से अधिक महत्वपूर्ण है मोदी और भाजपा का विरोध करना ।

उन्होंने कहा, देश ही नहीं दुनिया भर के सनातनियों में श्री राम मंदिर निर्माण से उमंग और उत्साह का माहौल है । साथ ही ताकत के जोर से कुचली गई दुनिया की सभ्यताओं और संस्कृतियों में भी इस युगप्रवर्तक घटनाक्रम ने नई उम्मीदों का संचार किया है । लेकिन विपक्ष के व्यवहार में दुख और पीड़ा साफ देखी जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उनके साथियों का सनातन विरोध में लंबा इतिहास रहा है । ऐसे में अब उन्होंने भगवान राम के मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का बॉयकॉट किया है तो जनता आने वाले चुनावों में एक बार फिर इन सभी का बॉयकॉट करने वाली है ।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश मे भाजपा सरकार के 10 सालों के अन्याय के खिलाफ : अभिषेक दत्त

शिमला, 11 जनवरी (देशबन्धु)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव अभिषेक दत्त ने कहा है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हो रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश मे भाजपा सरकार के 10 सालों के अन्याय के खिलाफ की जा रही है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी की यह यात्रा देश में संविधान की रक्षा,सामाजिक,आर्थिक व राजनीतिक न्याय के लिए की जा रही है। यह यात्रा 6713 किलोमीटर की 15 प्रदेशों 100 जिलों 110 लोकसभा क्षेत्रों व 337 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी।

आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए अभिषेक दत्त ने कहा कि पिछले 10 सालों में देश मे बेरोजगारी तीन गुणा बड़ी है। महंगाई की दर बढ़ती जा रही है। किसानों पर तीन काले कानून थोप कर उन्हें आंदोलन करने पर मजबूर किया। इस दौरन 750 से अधिक किसान शहीद हुए। देश मे हर घण्टे एक किसान आत्महत्या कर रहा है। इसी तरह देश मे अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव व अन्याय हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार 2013 के बाद दलितों के खिलाफ अपराध में 46.11 प्रतिशत की बृद्धि हुई है। दत्त ने कहा कि भाजपा बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ की बड़ी बड़ी बाते करती रही है। उन्होंने कहा कि एक रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बड़े है। भाजपा अपराधियों को बचाने का काम करती है। महिला खिलाडियों के साथ अन्याय, ब्रिज भूषण शरण सिंह व कुलदीप सेंगर जैसे आरोपियों को बचाती है। दत्त ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोविड के दौरान अनुमानित 47 लाख लोग मारे गए। इसमें तीन में से एक भारतीय की मौत हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार वास्तविक आंकड़ो को छुपाती रही है। दत्त ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। उन्होंने कहा कि लोट्स ऑपरेशन कर चुनी हुई सरकारों को गिराना,जांच एजेंसियों सीबीआई, ईडी व विजिलेंस जैसी संस्थाओ का विपक्षी दलों के नेताओं के विरद्ध इस्तेमाल किया जा रहा है।

एक सवाल के जवाब में दत्त ने कहा कि पांच राज्यों के चुनावों में कांग्रेस को भाजपा से 10 लाख मत अधिक पड़े है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह सोची समझी रणनीति के तहत चुनाव आयोग को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

सर्दी के मौसम में अल्मोड़ा में आग से धधकने लगे जंगल

देहरादून, 11 जनवरी (देशबन्धु)। सर्दी के मौसम में भी पहाड़ों के जंगल आग से धधकने लगे हैं। दरअसल लंबे समय से क्षेत्र में बारिश नहीं होने के कारण सर्दी में भी जंगलों में आग लगने लगी है। इसी क्रम में बीती रात घुरशू गांव के जंगल आग से धधक उठे और आग गांव की ओर फैलने लगी। घटना के संबंध में ग्रामीणों द्वारा फायर स्टेशन को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद महिला फायर कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने दमकल विभाग को बताया कि घुरशू गांव के पास जंगल में आग लगी है, जो लगातार आबादी वाले क्षेत्र की ओर फैल रही है। जिससे खतरा बना हुआ है। सूचना मिलने के बाद मुख्य अग्निशमन अधिकारी और प्रभारी अधिकारी फायर स्टेशन के निर्देश पर फायर सर्विस टीम महिला फायर कर्मियों सहित घटनास्थल को रवाना हुई। मौके पर पहुंचकर टीम ने लीडिंग फायरमेन किशन सिंह और उमेश चंद्र सिंह सहित महिला फायर कर्मियों ने मोटर फायर इंजन से पंपिंग कर होजरील की सहायता से आग को बुझाया। जिसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वहीं, फायरमैन किशन सिंह ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा रात्रि में आग लगने की सूचना मिली थी। जिसके बाद पूरी टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

उत्तराखंड में फॉरेस्ट फायर सीजन 15 फरवरी से 15 जून तक

बता दें कि उत्तराखंड में फॉरेस्ट फायर सीजन 15 फरवरी से 15 जून तक माना जाता है। लेकिन इस बार सर्दियों में ही वनाग्नि की घटनाओं ने वन विभाग की नींद हराम कर दी है। सर्दियों के लिहाज से देखें तो फॉरेस्ट फायर ने पिछले साल का रिकॉर्ड अब तक तोड़ दिया। उत्तराखंड में तो सर्दियों के लिहाज से यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में दोगुना हो चुका है।

जयराम सरकार के शिमला डेवलपमेंट प्लान को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी, पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज ने शहरवासियों को दी बधाई

शिमला, 11 जनवरी (देशबन्धु)। जयराम सरकार के शिमला डेवलपमेंट प्लान को अब सुप्रीम से भी हरी झंडी मिल गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल के 2017 के उस फैसले को खारिज कर दिया है, जिसमें शिमला योजना क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों पर ढाई मंजिल की शर्त लगा थी। इसके साथ ही शिमला कोर व ग्रीन एरिया में भी भवन निर्माण पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। पूर्व शहरी मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा कि शिमला शहर के लोगों को इन आदेशों की सख्त आवश्यकता थी। उन्होंने इस जनहित के फैसले के लिए उच्च न्यायालय का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जयराम सरकार ने इस फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। एनजीटी के इन आदेशों को सेट ए साइट यानि खत्म करते हुए राज्य सरकार को नए प्लान के मुताबिक ही इस क्षेत्र में भवन निमार्ण की मंजूरी देने के आदेश दिए हैं। सर्वोच्च न्यायालय में वीरवार को न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति पी के मिश्रा और संदीप मेहता की खंडपीठ ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के नवंबर 2017 के फैसले को पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018-19 में हिमाचल प्रदेश सरकार की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) की सुनवाई के दौरान योगेन्द्र मोहन सेन की शिकायत पर एनजीटी के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। इसमें शिमला योजना क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था।

अन्य प्रदेशों के श्रद्धालुओं के लिए 15 अप्रैल से शुरू होगी रेल सेवा मानसखण्ड एक्सप्रेस

देहरादून, 11 जनवरी (देशबन्धु)। अपर मुख्य सचिव राधा रतूडी ने बताया कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत आने वाले मंदिरों से अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को जोड़ने के लिए 15 अप्रैल से एक रेल सेवा मानसखण्ड एक्सप्रेस प्रारम्भ किये जाने पर कार्य चल रहा है। अपर मुख्य सचिव ने जानकारी दी है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत आने वाले मंदिरों से अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को जोड़ने के लिए 15 अप्रैल से एक रेल सेवा मानसखण्ड एक्सप्रेस प्रारम्भ किये जाने पर कार्य चल रहा है। यह रेल सेवा कोलकाता से टनकपुर तक संचालित की जाएगी। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए टनकपुर से पूर्णागिरी, हाटकालिका, पाताल भुवनेश्वर, जागेश्वरधाम, गोल्ज्यू देवता मंदिर, नन्दा देवी, कैंची धाम आदि मानसखण्ड मंदिर माला के अन्य मंदिरों तक स्थानीय बस व अन्य परिवहन सेवाओं को संचालित किया जाएगा। केएमवीएन के अतिथि गृह, होम स्टे, स्थानीय होटल आदि तथा हुनर योजना के तहत प्रशिक्षित स्थानीय गाइड्स पर्यटकों के आतिथ्य में सहयोग करेंगे। पर्यटकों की वापसी के लिए काठगोदाम से कलकता के लिए रेल सेवा उपलब्ध रहेगी। सचिवालय में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने लोक निर्माण विभाग को मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत मंदिरों को जोड़ने वाली अप्रोच रोड्स के चौड़ीकरण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी को पर्यटन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत चिह्नित कुमाऊँ मण्डल के सभी 16 मंदिरों के अलगकृअलग मास्टर प्लान अनुमोदित हो चुके हैं। इनमें से 9 मंदिरों की डीपीआर तैयार हो चुकी है। इनमें से अधिकांश मंदिरों का शिलान्यास जल्द हो जाएगा। मंदिरों के सौन्दर्यीकरण एवं विकास का कार्य कलस्टर अप्रोच के साथ किया जा रहा है। एसीएस रतूड़ी ने मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत आने वाले सभी मंदिरों सौन्दर्यीकरण के साथ ही इनसे जोड़ने वाली अप्रोच रोड के चौड़ीकरण के कार्यो को भी साथकृसाथ जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने संस्कृति विभाग को राज्य की ऐतिहासिक विरासतों, मंदिरों आदि के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु हेरीटेज एक्ट पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव सचिन कुर्वे सहित संस्कृति, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित थे।

रेल सेवा कोलकाता से टनकपुर तक संचालित की जाएगी

भूकंप के झटकों से दहली उत्तराखंड की धरती

देहरादून, 11 जनवरी (देशबन्धु)। एक बार फिर से गुरुवार को उत्तराखंड समेत देश के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए है। दिल्ली एनसीआर समेत उत्तराखंड में दोपहर को करीब 2:50 बजे भूकंप के झटके महसूस किए है, जिससे डरकर लोग घरों से बाहर निकल गए थे। भूकंप के झटकों से किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदू कुश में था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई है। इस भूकंप की डेप्थ 220 किलोमीटर बताई जा रही है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि डेथ काफी अधिक होने के चलते नुकसान होने की संभावना बेहद कम है। बता दें कि भूकंप के लिहाज से उत्तराखंड काफी संवेदनशील है। उत्तराखंड को भूकंप के लिहाज से जोन चार और पांच में रखा गया है। उत्तराखंड में पहले भी कई बड़े भूकंप आ चुके है, लेकिन बीते लंबे समय से हिमालयी राज्य में कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है।

प्रादेशिकी

बच्चो के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, एक को पुलिस नें उठाया

फर्रुखाबाद, 11 जनवरी (देशबन्धु)। बच्चों के विवाद में व्यापारी नेता के साथ विवाद हो गया। जिस पर सूचना पुलिस को मिली तो पुलिस नें एक को पकड़ कर हिरासत में ले लिया और कोतवाली ले आई जिसके बाद समझौता होनें पर पुलिस नें उसे रिहा कर दिया। शहर के मोहल्ला नई बस्ती निवासी एक व्यापारी नेता और मोहल्ला नितगंजा निवासी एक ठेकेदार के बच्चो में विवाद हो गया। जिस पर ठेकेदार व्यापारी नेता के घर आ गए। जहां व्यापारी नेता और ठेकेदार में मारपीट हो गई। व्यापारी नेता की सूचना पर पुलिस मौके पर पंहुची और ठेकेदार को कोतवाली ले आई। गुरुवार को दिन वह ठेकेदार के समर्थन में कोतवाली में जमाबडा लगा रहा पैरवी में व्यापार मंडल अध्यक्ष संजीब मिश्रा बाबी, भाईयन मिश्रा आदि कोतवाली पंहुचे। दोपहर बाद दोनों पक्षों में समझौंता हो गया।

उत्तर प्रदेश सरकार एक वर्ष के भीतर अयोध्या को बनाएगी स्वच्छतम नगरी

लखनऊ/अयोध्या, 11 जनवरी (देशबन्धु)। प्रभु श्रीराम की अयोध्या अब नव्य-भव्य रूप में सजने के साथ ही 22 जनवरी को होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पूर्व अपने वैभव की नई आभा से पूरी दुनिया को गौरवान्वित करने के लिए तैयार है। सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुसार अयोध्या को न केवल देश की सांस्कृतिक राजधानी के तौर पर विकसित किया जा रहा है, बल्कि इसे देश का स्वच्छतम शहर बनाने का संकल्प भी लिया गया है। इसी क्रम में 800 सफाई मित्रों की तैनाती के साथ ही सीएम योगी के निर्देशानुसार 22 जनवरी 2024 को होने वाले प्राण

- **अयोध्या के सभी वार्डों को गंदगी मुक्त बनाने की छेड़ी मुहिम**
- **प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पहले अपने वैभव की नई आभा से दुनिया को गौरवान्वित करने को है तैयार**

प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पूर्व अयोध्या के सभी वार्डों को गंदगी मुक्त बनाने की मुहिम छेड़ दी गई है। उल्लेखनीय है कि अयोध्या को लेकर योगी सरकार का विजन है कि एक वर्ष के अंदर उसे देश की सबसे स्वच्छतम नगरी बनाना है और ऐसा करने के लिए कई पैमानों पर कार्य करना जरूरी है।

इस क्रम में अयोध्या नगर निगम शहर के सभी वार्डों को गंदगी मुक्त बनाने के लिए विभिन्न अभियानों व प्रक्रियाओं का सहारा लिया जाएगा। इसके लिए एजेंसी, नॉन प्रॉफिट ग्रुप (एनजीओ), स्वयं सेवी संस्थानों (एसएचजी) व प्रोप्राइटरशिप फर्म के माध्यम से वेस्ट मैनेजमेंट, क्षमता निर्माण, हेल्थ हाइजीन, जागरूकता तथा स्वच्छता की प्रक्रियाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। इनके जरिए बल्क वेस्ट जेनरेशन वाले स्थानों को चिह्नित कर वेस्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज को लागू करते हुए कूड़ा के निपटारे का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। इसके साथ ही 22 जनवरी के कार्यक्रम के मद्देनजर शहर को फूलों से सजाने के साथ ही सौंदर्यीकरण के पैमाने में वृद्धि करने वाले 3डी व 4डी इल्यूमिनेटेड लेजर कट मेटल लाइट स्कल्पचर्स के इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। संपूर्ण अपशिष्ट उत्पादन समुदायों/हितधारकों को सुरक्षित स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के प्रति उनकी नैतिक, सामाजिक, संवैधानिक भूमिका और जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील बनाने की प्रक्रियाओं को पूर्ण करने पर भी नगर निगम द्वारा फोकस किया जा रहा है। इसके तहत घर-घर जाकर अलग-अलग रूप (गीला, सूखा, सैनिटरी, हाउसहोल्ड व बायोहैजर्ड) में निस्तारित कचरे का 100 प्रतिशत संग्रह कर उचित केटेगरी अनुसार निस्तारित किया जाएगा।

मॉडल शहर के रूप में विकसित होगी अयोध्या

उल्लेखनीय है कि इन आर्टिफैक्ट्स के इंस्टॉलेशन से अयोध्या की सड़कों को खुली गैलरी के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इससे अयोध्या मॉडल शहर के रूप में विकसित होगी जो आधुनिक जीवन की गतिशीलता को अपनाते हुए अपनी विरासत को संरक्षित करने की ओर लक्षित प्रयास कर रही है। ये स्कल्पचर्स दिन में ठोस आकार वाली मूर्तियों के तौर पर दिखेंगे मगर रात में इनमें से निकलने वाली रोशनी देखने वालों को अलग ही अहसास देगी। इसी के साथ शहर के प्रमुख आकर्षण केंद्रों को अभी से फूलों से सजाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। उल्लेखनीय है कि 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम के मद्देनजर पूरी अयोध्या को फूलों से सजाया जाएगा और यह साज-सज्जा अयोध्या के त्रेतायुगीन गौरव को एक बार फिर साकार होने जैसा अहसास कराएगी।

उस्ताद राशिद खां साहब को सुभारती में दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मेरठ, 11 जनवरी (देशबन्धु)। रामपुर सहसवान घराने के शास्त्रीय संगीत गायन के नायाब सितारे उस्ताद राशिद खां साहब के इंतकाल पर स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के कला प्रदर्शन विभाग में शोकसभा आयोजित की गई। इस शोकसभा में ललित कला संकाय के प्राचार्य डॉ. पिंटू मिश्रा, विभागाध्यक्षा डॉ. भावना ग्रोवर व विभाग के सभी सदस्यों डॉ.

श्वेता चौधरी, डॉ. इन्द्रेश मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, निशि चौहान, श्वेता सिंह, तनुश्री कश्यप, मेहराज खां, अक्षय शर्मा व फरदीन हुसैन उपस्थित रहे। ललित कला संकाय के प्राचार्य डॉ. पिंटू मिश्रा व विभागाध्यक्षा डॉ.भावना ग्रोवर ने माल्यार्पण कर उस्ताद खाँ साहब को अश्रुपूर्ण विदाई दी। साथ ही विभाग के सभी छात्र-छात्राओं ने भी पुष्प अर्पित कर नम आंखों से उस्ताद राशिद खाँ को श्रद्धांजलि दी। डॉ. इन्द्रेश मिश्रा ने उस्ताद राशिद खां के विषय में विस्तार से बताया व उनकी कला की बारिकियों को भी साझा किया।

स्वच्छता शहरों में वाराणसी को पहला व प्रयागराज दूसरे स्थान पर

लखनऊ, 11 जनवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्वच्छ प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के परिणामों में भी इसकी झलक देखने को मिली है, जिसमे यूपी को विभिन्न पुरस्कार श्रेणियों में सम्मानित किया गया है। इनमें वाराणसी और प्रयागराज को स्वच्छ गंगा टाउन श्रेणी में सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया है। नई दिल्ली के भारत मंडपम ने आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने स्वच्छता पर स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा की। प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए के शर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों से पुरस्कार ग्रहण किए।

द्रौपदी मुर्मू ने प्रदेश के नगर विकास मंत्री को प्रदान किया पुरस्कार

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में प्रदेश के वाराणसी और प्रयागराज को स्वच्छ गंगा शहर के रूप में क्रमश: पहला और दूसरा स्थान मिला। इन दोनों शहरों को स्वच्छता में उनके समर्पण के लिए राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वाराणसी को थ्री स्टार गार्बेज फ्री सिटी रेटिंग तथा प्रयागराज को वाटर प्लस सिटी का दर्जा भी मिला है। इसके अलावा देश में जोनल स्तर पर उत्तर भारत क्षेत्र में यूपी के तीन शहरों को क्लीन सिटी नार्थ जोन का भी पुरस्कार मिला। इनमें बरवर, अनूपशहर और गजरौला शामिल हैं। एक लाख से 10 लाख तक की आबादी में क्लीन सिटी का राज्य स्तरीय पुरस्कार नोएडा को मिला। इसके साथ ही जीएफसी और ओडीएफ परिणाम भी घोषित किए हैं, जिसमें इस वर्ष यूपी में 65 शहरों को कचरा मुक्त शहर के रूप में प्रमाणित किया गया है।

जीएफसी शहरों में वन स्टार के 56, थ्री स्टार के 08 और फाइव स्टार का एक शहर शामिल हैं। यूपी इस वर्ष अनेक और कचरा मुक्त शहरों का प्रमाणन हासिल करने का लक्ष्य बना रहा है। इस वर्ष यूपी के सभी शहर ओडीएफ हो गए हैं। ओडीएफ की विभिन्न श्रेणी में 02 यूएलबी ने पहली बार वाटर प्लस प्रमाणन हासिल किया है। ओडीएफ की अन्य श्रेणी में 129 यूएलबी को ओडीएफ++ के रूप में प्रमाणित किया गया है। 435 यूएलबीएस को ओडीएफ+ के रूप में प्रमाणित किया गया है।

सार संक्षेप

मवाना मिल ने किया पूर्व सत्र का शत प्रतिशत भुगतान

मवाना। शुगर मिल शुरू होने के बाद गन्ने की पेमेंट प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मिल की तरफसे गुरूवार को 2022-23 के पुर्ण भुगतान समिति को भेजा गया। मवाना चीनी मिल ने पूर्व सत्र में खरीदे गए गन्ने का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया है। हाल ही में मिल प्रबंधन ने लगभग 226 करोड़ रुपए संबंधित समितियों को भेज दिया है। मवाना मिल के वरिष्ठ प्रंबधक ने गुरूवार को मिल कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि मवाना चीनी मिल ने पेराई सत्र 2023-24 का गन्ना भुगतान गन्ना समितियों 10 जनवरी को गन्ना मूल्य भुगतान रूपए 226.01 करोड़ सम्बन्धित समितियों को भेज दिया है। इस पराई सत्र में मवाना चीनी मिल के द्वारा बुधवार तक कुल 75.33 लाख कु.गन्ने की पेराई कर चुकी है।

मतदाता जागरूकता दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

मवाना। नगर स्थित कृषक इंटर कॉलेज मवाना में गुरूवार को मतदाता जागरूकता दिवस धूमधाम से स्लोगन प्रतियोगिता पोस्टर प्रतियोगिता निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को प्रधानाचार्य डॉ.देवेंद्र कुमार ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा कि मतदाता जागरूकता दिवस के अवसर पर सभी को अपने मत का अधिक से अधिक बनवाने का प्रयास करना चाहिए शत-प्रतिशत मतदाता बनने चाहिए और उन्हें हर चुनाव में अपने मत कर सत प्रतिशत मतदान करना चाहिए मतदाताओं द्वारा ही अच्छी सरकार चुनी जाती है मतदाता का जागरूक होना बहुत जरूरी है जब वह अपने मत का प्रयोग करता है वह एक अच्छे जनप्रतिनिधि को चुनता है। यहां पर उप प्रधानाचार्य एवं चीफ प्रॉक्टर चौधरी नरेश पाल सिंह, संजीव कुमार, रसायन प्रवक्ता सर्वेश कुमार, नाहर सिंह, गोविंद सिंह, राजेश मसूरी, जितेंद्र वर्मा, दिनेश आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने हमलावर को पकड़ने के बाद छोड़ा

फर्रुखाबाद। चर्चित थाना पुलिस ने नामजद हमलावर को पकड़ने के बाद थाने से छोड़ दिया। पुलिस पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। यह सनसनीखेज घटना बीती रात शाम थाना कमालगंज के ग्राम नगला दाउद की है। घटना के संबंध में गांव के तमजीद खां ने हमलावरों के विरुद्ध नाम जद रिपोर्ट दर्ज कराई। तमीज ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि मेरा जमीनी विवाद काफी समय से तौफीक खां पुत्र बसीर खां उर्फ तौला से चल रहा था। आज समय करीब पांच बजे शाम को एक राय होकर गांव के तौफीक खां, बसीम खां पुत्रगण बसीर खां उर्फ तौला, आमिर खां, मुन्ना खां पुत्रगण अकबर खां, अक्कू उर्फ अरसद पुत्र युसुफ खां, शानू, शाबाद पुत्रगण अकील खां बाबर खां पुत्र मरहूम शराफत खां, ईसान खां पुत्र इरसाद खां निवासी ग्राम नगला दाऊद थाना कमालगंज अपने हाथो में नाजायज असलहा तमंचा व धारधार हथियार चाकू, टकोरा व फावडा आदि लेकर आए। जिन्होंने आते ही मां और बहन की गंदी गालियां देना शुरु कर दिया। जब उन्हें गालियां देने से मना किया तो सभी लोगों ने एक राय होकर जान से मारने की नियत से तमंचे व हथियारों से हमला कर दिया।

जगह-जगह हुआ अक्षत कलश का भव्य स्वागत

फर्रुखाबाद, 11 जनवरी (देशबन्धु)। अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर में रामलाला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी इससे पहले देश भर में अक्षत पूजन कलश यात्रा निकाली जा रही है इसी क्रम के परिपेक्ष में प्राचीन तीर्थ नगरी कांपिल में भी अक्षत पूजन कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया इस यात्रा में एक ही नारा था जय श्री राम श्री राम के उद्घोष के साथ अक्षत पूजन यात्रा के प्रमुख मार्गो से निकल गई अक्षत कलश यात्रा श्री रामेश्वर नाथ मंदिर के महंत आनंद गिरि महाराज व समाज सेवी तो अर्चना कर भक्तों को तिलक लगाकर अक्षत कलश यात्रा को रवाना किया। अक्षत कलश यात्रा में भगवान श्रीराम की झांकी शोभायमान थी यात्रा में चल रहे हनुमान जी के स्वरूप एवं उनकी वानर सेना रामधुन में मस्त दिखाई दे रही थी। भगवान राम की झांकी के साथ महिलाओं व बच्चों की टोली हाथों में भगवा ध्वज लिए हुए जय श्री राम के उद्घोष करते हुए चल रहे थे। कलश यात्रा का लोगों ने पुष्प बरसा कर जगह-जगह आरती व पूजन किया लोगों ने अक्षत कलश यात्रा पर वर्षा की। लोगो के द्वारा काफी चाय व प्रसाद भी वितरण किया गया।

- **अक्षत कलश यात्रा में दिखाई दी गंगा जमुनी तहजीब**

टेंडर जारी करने में आवास विकास के अधिकारी का खेल

मेरठ, 11 जनवरी (देशबन्धु)। एक तरफजहां योगी सरकार खुद को भ्रष्टाचार मुक्त होने का दावा करती है वहीं अधिकारियों को भी ढंग से कार्य करने का पाठ पढ़ाती ही रहती है। लेकिन क्या हो अगर उसी सरकार के अधिकारी ही भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने लगें। जी हां हम बात कर रहे हैं आवास विकास के अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार की। जो पिछले काफी दिनों से चर्चाओं में भी बने हुए हैं। अब उन्हीं पर टेंडर में भ्रष्टाचार करने के आरोप लग रहे हैं। फर्म मैसर्स अनुज एसोसिएट्स द्वारा प्रमुख सचिव, आवास आयुक्त समेत कई उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर शिकायत की गई है। फर्म मैसर्स अनुज एसोसिएट्स के एमडी अनुज त्यागी ने बताया कि आवास विकास द्वारा विगत 07.11.2023 को आवास विकास की जाग्रति विहार (विस्तार) योजना संख्या-11 मेरठ के

IS 15700 : 2005
सेवोत्तम प्रमाणित
UTTAR PRADESH AWAS VIKAS PARISAD

सेक्टर-2 के (पार्ट) में आन्तरिक विकास कार्य के अन्तर्गत सड़क, नाली, सीवर, जलापूर्ति एवं पार्क के निर्माण कार्य को लेकर निविदाएं आमंत्रित की गई थी। जिसमें तीन फर्मो ने प्रतिभागिता की और फर्म मैसर्स अनुज एसोसिएट्स की न्यूनतम कुटेशन पर टेंडर दे दिया। कुछ दिन बाद ही बिना कारण बताए ही इस टेंडर को निरस्त कर दिया गया। जवाब मांगा तो कारण अनुभव प्रमाण पत्र का सत्यापन न होना बताया गया, जबकि

- **28 लाख रुपए अधिक दामों पर टेंडर देने का आरोप**
- **प्रमुख सचिव, आवास आयुक्त समेत कई उच्च अधिकारियों से शिकायत**
- **फिर सवालों के घेरे में आई अधीक्षण अभियंता की कार्यशैली**
- **पहले भी सामने आ चुके हैं कई भ्रष्टाचार के मामले**

मैसर्स अनुज एसोसिएट्स करीब 10 वर्षो से कई विभागों के टेंडर लेती आ रही है। 29 दिसम्बर 2023 को इसी निविदा को फिर से आमंत्रित किया गया। अब प्रतिभागिता करने वाली फर्मो की संख्या तीन से चार हो गई। चौथी फर्म मैसर्स शुभम बिल्डर्स के नाम से सामने आई। अनुज त्यागी ने बताया कि इस बार भी हमारी कुटेशन सभी फर्मो से निम्न ही रही थी, लेकिन प्रतिभागिता करने वाली चौथी फर्म मैसर्स शुभम बिल्डर्स को 28.80 लाख 444 रुपए अधिक दामों में टेंडर दे दिया गया। उन्होंने बताया कि मैसर्स शुभम बिल्डर्स की बीओक्यू दरो से 15.59 प्रतिशत निम्न (रु 3,48,33,564.35) है जबकि मेरी निविदा की दरे बीओक्यू दरो से 22.57 प्रतिशत निम्न (रु 3,19,53,120.33) है मेरी दरे न खोल कर आपके द्वारा परिषद् की 28,80,444.02 रुपए की आर्थिक हानि की जा रही है। फर्म मैसर्स अनुज एसोसिएट्स ने प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन, आवास आयुक्त, मुख्य अभियन्ता को पत्र भेज कर शिकायत की है। इस सम्बंध में जब अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार से पक्ष जानना चाहा तो उनका फोन बंद था।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में चलेगा स्वच्छता महाअभियान

लखनऊ, 11 जनवरी (देशबन्धु)। जिस प्रकार प्रतिवर्ष दीपावली से पहले हम साफ सफाई और रंग रोगन के बाद अपने अपने घरों को आकर्षक झालरों और दीपों से सजाते हैं, ठीक उसी तर्ज पर योगी सारकार 22 जनवरी से पहले पूरे प्रदेश को चमकाने, सजाने और संवारने जा रही है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मकर संक्रांति से इस महाअभियान की शुरुआत करेंगे। सीएम योगी अयोध्या से स्वच्छता अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके बाद प्रदेश के हर गांव, हर नगर और प्रत्येक मोहल्ले में वृहद् स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। नगर विकास और पंचायती राज विभाग को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अयोध्या में होने जा रहे भव्य मंदिर के उद्घाटन और प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की ओर से नगर विकास विभाग और पंचायती राज विभाग के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

- **योगी आदित्यनाथ 14 जनवरी को अयोध्या से करेंगे स्वच्छता अभियान की शुरुआत**
- **प्रदेश के गांव-गांव और नगर-नगर में चलेगा अभियान, सजेंगे स्कूल-कॉलेज और दफ्तर**

14 जनवरी से शुरू होने जा रहे स्वच्छता के महाअभियान की कमान खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संभालेंगे। इसके बाद अगले 9 दिन तक प्रदेश के हर हिस्से में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यही नहीं प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालयों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि विशेष सफाई अभियान की कमान संभालेंगे। वहीं अयोध्या में ना केवल मुख्य मार्ग बल्कि रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट से मंदिर तक के मार्ग पर गंदगी और धूल को पूरी तरह से साफ करने के निर्देश हैं। इसके अलावा अयोध्या की प्रत्येक नालियों की सफाई, ड्रेनेज और यूटिलिटी डस्ट की सफाई के साथ ही बड़े पैमाने पर सफाई कर्मियों की टीम को लगाने के भी निर्देश हैं।

मवाना मिल ने किया पूर्व सत्र का शत-प्रतिशत भुगतान

मवाना, 11 जनवरी (देशबन्धु)। शुगर मिल शुरू होने के बाद गन्ने की पेमेंट प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मिल की तरफ से गुरूवार को 2022-23 के पुर्ण भुगतान समिति को भेजा गया। मवाना चीनी मिल ने पूर्व सत्र में खरीदे गए गन्ने का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया है। हाल ही में मिल प्रबंधन ने लगभग 226 करोड़ रुपए संबंधित समितियों को भेज दिया है। मवाना मिल के वरिष्ठ प्रंबधक ने गुरूवार को मिल कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि मवाना चीनी मिल ने पेराई सत्र 2023-24 का गन्ना भुगतान गन्ना समितियों 10 जनवरी को गन्ना मूल्य भुगतान रू 226.01 करोड़ सम्बन्धित समितियों को भेज दिया है। इस पराई सत्र में मवाना चीनी मिल के द्वारा बुधवार तक कुल 75.33 लाख कु. गन्नों की पेराई कर चुकी है। वरिष्ठ महाप्रबन्धक प्रमोद बालियान ने बताया कि मवाना शुगर वर्क्स के द्वारा पेराई सत्र 2023-24 का भुगतान लगातार 14 दिन के अन्दर किया जा रहा है साथ ही कृषकों से आग्रह किया कि एस एम एस मिलने पर गन्ने की कटाई करें एवं चीनी मिल को साफताजा, जड़ पत्ती अगोंला व हरा जूना रहित गन्ना ही आपूर्ति करें। खेत में खड़े गन्नों को न डूडे तथा गन्ना निर्धारित हाड़े पर ही चीनी मिल को आपूर्ति करें। करें क्रय केंद्रों पर एडवांस गन्ना न डाले।

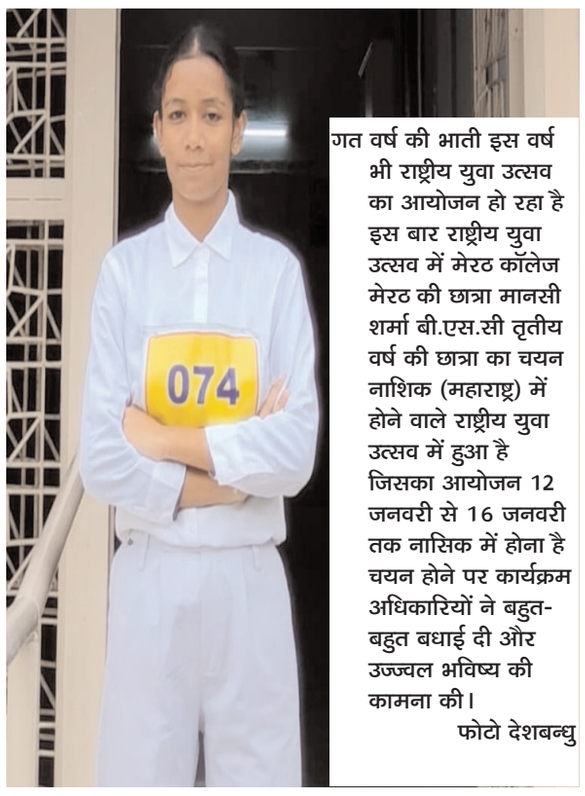

गत वर्ष की भाती इस वर्ष भी राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन हो रहा है इस बार राष्ट्रीय युवा उत्सव में मेरठ कॉलेज मेरठ की छात्रा मानसी शर्मा बी.एस.सी तृतीय वर्ष की छात्रा का चयन नाशिक (महाराष्ट्र) में होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव में हुआ है जिसका आयोजन 12 जनवरी से 16 जनवरी तक नासिक में होना है चयन होने पर कार्यक्रम अधिकारियों ने बहुत-बहुत बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फोटो देशबन्धु

आयोजन *विख्यात शिक्षाविद डॉ.सुधीर गिरि भारत शिखर सम्मान से सम्मानित*

अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में लगी है भारतीय प्रतिभा : गजेन्द्र शेखावत

मेरठ, 11 जनवरी (देशबन्धु)। वेंकटेश्वरा समूह के लिए गुरुवार का दिन बेहद खास रहा। उच्च शिक्षा, मेडिकल ऐजुकेशन, व्यवसायिक शिक्षा एवं शानदार चिकित्सीय व स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वेंकटेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि को 'एक्सीलेन्स इन एज्युकेशन एण्ड हैल्थ के लिए भारत शिखर सम्मान' से नवाजा गया है।यह सम्मान उन्हें भारत सरकार के कैबिनेट जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने प्रदान किया।

नई दिल्ली स्थित पांच सितारा होटल ताज मानसिंह में आयोजित भारत शिक्षर सम्मान का शुभारम्भ केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण, केन्द्रीय मंत्री आर. के. सिंह, वेंकटेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि, एम.डी.एच. के चेयरमैन राजीव गुलाटी एवं प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी आदि ने सरस्वती मां की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज मोदी की

'गारन्टी' के कारण भारतीय टेलेंट अब विदेशों का रूख न करके अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में लगे हैं। मोदी जी के विकसित भारत-2047 अभियान में शिक्षण संस्थानों की भूमिका सर्वोच्य होगी। नई शिक्षा नीति एवं शोध व नवाचारों के दम पर भारत अगले एक दशक में दुनिया का सिरमौर बनेगा। वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं समूह चेयरमैन डॉ.सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि डॉ. राजीव त्यागी ने उपस्थित जनसमूह को विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र में किए जा रहे शानदार कार्यों की विवरण रिपोर्ट प्रस्तुत की। वेंकटेश्वरा समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि को भारत शिखर सम्मान मिलने पर बधाई देने वालों का ताँता लग गया। उनको बधाई देने वालों में प्रधान सलाहकार डॉ. वी.पी.एस. अरोड़ा, सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, समूह सलाहकार आर.एस. शर्मा, कुलपति राकेश यादव, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे, डीन अकेडमिक अफेयर्स डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिव्या गिरधर, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. अनिल जयसवाल, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ. राम निवास शर्मा, डॉ. सर्वनन्द साहू, डॉ. ऐना एरिक ब्राउन, डॉ. एल. एस. रावत, एस. एस. बघेल, अरूण कुमार गोस्वामी, मारूफ चौधरी, अभिषेक जैन एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग रहे।

- **एक्सीलेंस इन एजुकेशन के लिए चुने गए वेंकटेश्वरा समूह के चेयरमैन**

सीतापुर में सड़क हादसे में किसान की मौत

सीतापुर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के बिसवन क्षेत्र में गुरुवार भोर घने कोहरे के बीच ट्रक और ट्रैक्टर ट्राली की भिड़ंत में एक किसान की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुरानी शारदा नहर पुल के पास घने कोहरे में ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर चालक किसान संजय (28) की मौत हो गयी। ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से भाग गया। संजय तड़के अपना गन्ना चीनी मिल को देकर खाली ट्रैक्टर ट्राली लेकर घर वापस आ रहा था कि पुरानी शारदा नहर पुल के पास अज्ञात ट्रक की टक्कर लग गई जिसमें संजय की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत है अनोखी सुपरहीरो फिल्म 'हनुमान'

मुंबई। 'हनुमान' के निर्देशक प्रशांत वर्मा ने निर्माताओं के साथ मिलकर दर्शकों के लिए भारतीय धर्मग्रंथों और पौराणिक कथाओं के जरिए सिनेमाई अनुभव को बदलने का लक्ष्य रखा है। इस योजना में नए पात्रों को पेश करना और युवा पीढ़ी के बीच भारतीय धर्मग्रंथों में रुचि जगाने में मदद करना शामिल है। निर्माता आर.के. दुग्गल ने कहा कि हनुमान शायद हमारी लाइब्रेरी की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म है। प्रशांत और हमारी टीम ने इस परियोजना के विकास के लिए दो साल से अधिक समय तक काम किया है। मेरी टीम इस फिल्म से भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि हम जो बनाने के लिए एक साथ आए हैं वह दर्शकों को पसंद आएगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह सुपरहीरो का एक पूरा ब्रह्मांड है जिसे निर्देशक भारतीय इतिहास (इतिहास) के आधार पर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

मुझे सोशल मीडिया से मान्यता की बिल्कुल भी जरूरत नहीं : करीना कपूर

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। करीना कपूर खान दो दशकों से अधिक समय से हिंदी फिल्म उद्योग में हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक बन गए हैं। उन्होंने 2020 में सोशल मीडिया का इस्तेमाल शुरू किया जो उन्हें पसंद है, और जिसके माध्यम से वह अपने प्रशंसकों से जुड़ती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह इससे मान्यता की चाहत नहीं रखती हैं। वर्तमान में इंस्टाग्राम पर करीना के 1.14 करोड़ प्रशंसक हैं और वह अक्सर अपने दैनिक जीवन की झलकियां और अपने काम के बारे में अपडेट साझा करती रहती हैं। यह पूछे जाने पर कि सोशल मीडिया मान्यता उनके लिए कितना महत्व रखती है, करीना ने बताया कि मुझे सोशल मीडिया का उपयोग करने में मजा आता है, लेकिन मेरे लिए, यह मेरे प्रशंसकों से जुड़ने और उन्हें मेरे जीवन में एक झलक देने का एक माध्यम है। मैं सोशल मीडिया से बिल्कुल भी मान्यता नहीं चाहती, लेकिन मुझे खुशी है कि मुझे अपने प्रशंसकों से बहुत प्यार मिलता है।'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम', 'चमेली', 'देव', 'ओमकारा', 'जब वी मेट', '3 इडियट्स', 'उड़ता पंजाब' और 'बजरंगी भाईजान' जैसी फिल्मों में प्रभावशाली अभिनय करने वाली अभिनेत्री के लिए स्क्रीन पर शक्तिशाली किरदार निभाना और दर्शकों का उसे पसंद करना काफी है। उन्होंने कहा कि एक कलाकार के रूप में मैं शक्तिशाली किरदार निभा रही हूं, और यह मेरे लिए पर्याप्त मान्यता है। इसलिए, जबकि मैं इंस्टाग्राम पर प्यार की सराहना करती हूं, मेरी सच्ची मान्यता मेरे द्वारा निभाई गई भूमिकाओं, मेरे द्वारा बताई गई कहानियों और मनोरंजन की दुनिया में एक कलाकार के रूप में मैं जो विरासत बना रही हूं, उससे मिलती है।

बोतलबंद पानी को लेकर शोधकर्ताओं का दावा

अल्कलाइन वॉटर पीने से मूत्राशय की पथरी को नहीं रोका जा सकता

■ अल्कलाइन वॉटर की खपत और बिक्री में तेजी से वृद्धि

■ सामान्य नल के पानी की तुलना में अल्कलाइन वॉटर का पीएच लेवल 8 से 10 के बीच

न्यूयॉर्क, 11 जनवरी (एजेंसियां)। एक शोध से सामने आया कि अल्कलाइन वॉटर के रुप में इस्तेमाल किया जाने वाला बोतलबंद पानी बार-बार होने वाली मूत्राशय की पथरी की रोकथाम के लिए प्रभावी विकल्प नहीं है।

अल्कलाइन वॉटर, जिसे कभी-कभी उच्च पीएच वाला पानी भी कहा जाता है, बोतलबंद पानी की एक लोकप्रिय श्रेणी है। लगभग 7.5 पीएच वाले सामान्य नल के पानी की तुलना में अल्कलाइन वॉटर का पीएच लेवल 8 से 10 के बीच होता है।

हाल के वर्षों में अल्कलाइन वॉटर की खपत और बिक्री में तेजी से वृद्धि हुई है। समर्थक विभिन्न स्वास्थ्य लाभों का दावा करते हैं, जिनमें बेहतर हाइड्रेशन और बढ़ा हुआ मूत्र पीएच शामिल है। पथरी वाले मरीजों में कुछ प्रकार की मूत्र पथरी (यूरिक एसिड या सिस्टीन) को बनने से रोकने के लिए पीएच बढ़ाना एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

पोटैशियम साइट्रेट की गोलियां आमतौर पर बार-बार होने वाली पथरी को रोकने के लिए निर्धारित की जाती हैं। हालांकि, कई मरीज़ अनुशंसित उपचार का पालन नहीं करते हैं। यदि अल्कलाइन वॉटर मूत्र पीएच बढ़ा सकता है, तो यह पथरी की रोकथाम के लिए एक आकर्षक विकल्प हो सकता है। द जर्नल ऑफ यूरोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि पथरी की रोकथाम के लिए अल्कलाइन वॉटर डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का विकल्प नहीं हो सकता है।

कैलिफोर्निया इरविन विश्वविद्यालय के रोशन एम. पटेल ने कहा कि अल्कलाइन वॉटर उत्पादों का पीएच नियमित पानी की तुलना में अधिक होता है, उनमें अल्कलाइन की मात्रा नगण्य होती है, जिससे पता चलता है कि वे गुर्दे और अन्य मूत्र पथरी के विकास को प्रभावित करने के लिए मूत्र पीएच को पर्याप्त रूप से नहीं बढ़ा सकते हैं।

मूत्राशय की पथरी को रोकने के लिए उच्च पीएच पानी की क्षमता का आकलन करने के लिए, डॉ. पटेल की टीम ने व्यावसायिक रूप से उपलब्ध पांच अल्कलाइन वॉटर उत्पादों का पीएच मापा। उन्होंने मूत्र पीएच बढ़ाने की क्षमता वाले अन्य प्रकार के पेय और ओवर-द-काउंटर उत्पादों पर प्रकाशित आंकड़ों की भी समीक्षा की।

अध्ययन में परीक्षण किए गए पांच ब्रांडों का पीएच लगभग 10 की सीमा में समान था। एक उत्पाद में थोड़ी मात्रा में साइट्रेट था जो उत्पाद लेबल पर सूचीबद्ध नहीं था। 10 के पीएच लेवल पर किए गए परीक्षण में अल्कलाइन कटेंट केवल 0.1 मिलीइक्विवेलेंट्स (एमईक्यू/एल) प्रति लीटर होगा। यह शरीर के प्रति दिन 40 से 100 मिलीइक्विवेलेंट्स (एमईक्यू/एल) प्रति लीटर के सामान्य उत्पादन की तुलना में बहुत कम है।

इसके विपरीत कुछ अन्य उत्पादों में पीएच बढ़ाने की क्षमता होती है, विशेष रूप से संतरे के रस में 15 एमईक्यू/एल तक अल्कलाइन कटेंट होती है। प्रति दिन 30 एमईक्यू के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संतरे के रस की अनुमानित लागत भी सबसे कम है। सोडियम सामग्री से संबंधित संभावित चिंताओं के बावजूद, बेकिंग सोडा सबसे प्रभावी और कम लागत वाले विकल्पों में से एक था। पानी में घुलनशील नए उत्पाद भी उपयोगी और किफायती विकल्प प्रदान करते दिखाई दिए।डॉ. पटेल ने कहा कि हमारे निष्कर्ष बार-बार होने वाली मूत्र पथरी को रोकने के लिए पेय पदार्थों और ओवर-द-काउंटर उत्पादों सहित अन्य उपचारों के चयन में मार्गदर्शन करने में मदद कर सकते हैं। शोधकर्ता अपने प्रयोगशाला अध्ययन की सीमाओं पर ध्यान देते हैं और मूत्र पीएच बढ़ाने के विकल्पों के नैदानिक परीक्षणों की आवश्यकता पर जोर देते हैं।

रजनीकांत पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने कहा था मैं 'बड़ी स्टार' बनूंगी : मालविका मोहनन

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अपनी फिल्म 'पेट्टा' की रिलीज के पांच साल पूरे होने पर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की। एक्स पर मालविका ने एक लंबी पोस्ट शेयर की, जो उन्होंने रजनीकांत के सम्मान में लिखी। रजनीकांत ने उनकी कला में भरोसा और विश्वास दिखाया था। उन्होंने स्टार के साथ और फिल्म से कुछ तस्वीरें भी शेयर की।उन्होंने लिखा कि आप लोगों के लिए एक छोटी सी कहानी यह साल 2018 था और मेरी पहली तमिल फिल्म की शूटिंग का पहला दिन था। मैं एक सहायक भूमिका निभा रही थी और इस प्रोजेक्ट पर साइन करने का मेरा मुख्य कारण यह था कि मैं उस दिन से रजनी सर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करना चाहती थी, जब मैं अभिनेत्री बनी थी। उन्होंने लिखा कि मैं एक अपरिचित उद्योग से घबरा गई थी, मैं एक भी व्यक्ति को नहीं जानती थी और इसके अलावा मैंने जो पहला दृश्य अपने लिए शूट किया था, वह उसमें साथ थे। हम सभी सेट पर थे और वह अंदर चले आए... पूरे सेट पर तुरंत एक सम्मानजनक शांति छा गई। इसके बाद एसोसिएट डायरेक्टर ने मालविका को रजनीकांत से मिलवाया और उन्होंने खुलासा किया कि सुपरस्टार ने बहुत विनम्रता से उन्हें बधाई दी।उन्होंने आगे लिखा कि मैं आश्चर्यचकित थी। यहां रजनीकांत मेरे ठीक सामने खड़े थे और मुझसे बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्टार ने उनसे पूछा कि मैं कहां से आई हूं, मेरा परिवार कहां रहता है, मैं कहां स्कूल गई, मेरी अभिनय आकांक्षाएं क्या थी, आध्यात्मिकता पर मेरे विचार क्या थे ?मैं वास्तव में उनकी 'नायिका' भी नहीं थी, सिर्फ कलाकारों में से एक थी और जैसा कि हम सभी जानते हैं कि 'पेट्टा' में बहुत सारे कलाकार थे, लेकिन उन्होंने फिर भी ऐसा किया, और फिल्म के शेष फिल्मांकन के दौरान मुझसे बात करना जारी रखा। वह पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने फिल्म में मेरे 'पिता की मौत के दृश्य' के ठीक बाद मेरे लिए ताली बजाई थी। मालविका को तब याद आया कि कैसे उन्होंने कहा था कि वह एक दिन बड़ी स्टार बनेंगी। मालविका ने कहा कि वह पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने मुझसे कहा था कि तुम भविष्य में एक बड़ी स्टार बनोगी। वह उस समय एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने नए उद्योग में बड़े सपने देखने वाली एक घबराई हुई नई लड़की को लगातार प्रोत्साहन के शब्द दिए।

कभी भी रणबीर, रिद्धिमा के 'दोस्त' नहीं थे ऋषि कपूर : नीतू कपूर

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पिछली बार फिल्म 'जुगजग जीयो' में नजर आने वाली अनुभवी अभिनेत्री नीतू कपूर स्ट्रीमिंग चैट शो 'कॉफी विद करण' के नवीनतम एपिसोड में 'इंस्टाग्राम की रानी' जीनत अमान के साथ दिखाई दीं। एपिसोड के दौरान नीतू ने खुलासा किया कि उनके दिवंगत पति अभिनेता ऋषि कपूर, रणबीर और रिद्धिमा के कभी 'दोस्त' नहीं थे। नीतू कपूर ने अपने न्यूयॉर्क के दिनों को याद किया जब ऋषि कपूर का कैंसर का इलाज चल रहा था। उन्होंने खुलासा किया कि यह केवल वो समय था, जब वह अपने परिवार के प्रति खुल गए थे।

उन्होंने कहा कि करण मुझे उस दुखद हिस्से को याद करना पसंद नहीं है। मुझे हमारे रिश्ते के अच्छे हिस्से और न्यूयॉर्क में बिताए समय को याद करना पसंद है। न्यूयॉर्क वास्तव में दुखद था, लेकिन, हमारे लिए वह सबसे अच्छा वर्ष था।

उन्होंने आगे कहा कि आप जानते हैं कि चिंटू जी (ऋषि कपूर) बहुत प्यारे इंसान थे। उनमें बहुत प्यार था। लेकिन कुछ ऐसा था जिसके प्रति उन्होंने कभी अपना प्यार नहीं दिखाया। वह हमेशा दूरी बनाए रखते थे और लोगों को धमकाते थे। खासकर मेरे और मेरे बच्चों के लिए वह अपना प्यार नहीं दिखाते थे। उन्होंने अपने बच्चों के साथ बहुत कुछ खो दिया। वह कभी उनके मित्र नहीं रहे। 'कॉफी विद करण' सीजन 8 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित होता है।

बॉलीवुड का परिदृश्य बदल रहे हैं 'मैरी क्रिसमस' के निर्माता केवल गर्ग, एक बार में एक फिल्म

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। वर्तमान में अपनी आगामी फिल्म 'मैरी क्रिसमस' की रिलीज का इंतजार कर रहे निर्माता केवल गर्ग बॉलीवुड के परिदृश्य में

महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं। मैचबॉक्स पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े व्यवसायी और निर्माता ने कैटरीना कैफ और ऋतिक रोशन अभिनीत फिल्म 'मैं कृष्णा हूं' से बॉलीवुड में अपनी यात्रा शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने 'अंधाधुन' की जबरदस्त व्यावसायिक सफलता के साथ अपनी स्थिति मजबूत की। नेटफ्लिक्स फिल्म 'मोनिका, ओ माई डार्लिंग' ने अग्रणी कहानियों को सामने लाने के उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया। मूल रूप से पंजाब के केवल गर्ग सिनेमाई प्रतिभा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह सावधानीपूर्वक योजना बनाने के महत्व पर जोर देते हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म बनाने में बहुत सारी योजनाएं शामिल होती हैं। सबसे महत्वपूर्ण काम एक अच्छी टीम बनाना है जो आपके दृष्टिकोण और निर्देशक के दृष्टिकोण को समझ सके। अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, भाग्य और शुद्ध इरादों को देते हुए, निर्माता ने अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में एक आदर्श संतुलन बनाए रखा है। केवल गर्ग ने फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम स्थापित कर लिया है। फिलहाल वह कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति अभिनीत अपनी आगामी रिलीज 'मैरी क्रिसमस' का इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 12 जनवरी 2024 को रिलीज होगी। इसके अलावा वह ओनिर द्वारा निर्देशित 'पाइन कोन' भी बना रहे हैं। जब 'मैरी क्रिसमस' के बारे में राज खोलने के लिए कहा गया तो निर्माता केवल गर्ग ने कहा कि यह बेहद प्रतिभाशाली श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक थ्रिलर है।

फिल्म स्टार संजय दत्त ने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए गया में किया पिंडदान

गया, 11 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड फिल्म स्टार संजय दत्त गुरुवार को मोक्ष स्थली के रूप में चर्चित गया पहुंचे और अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मुक्ति के लिए पिंडदान और तर्पण किया। दत्त ने इस क्रम में पवित्र विष्णुपद मंदिर प्रांगण में अपने पिता सुनील दत्त और मां नरगिस दत्त की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और तर्पण किया। बताया जाता है कि उन्होंने गयापाल पंडा अमरनाथ मेहरवार के सानिध्य में पिंडदान सहित अन्य कर्मकांड किया। फिल्म स्टार दत्त विशेष विमान से गया हवाई अड्डा आए और वहां से सीधे विष्णुपद मंदिर पहुंचे।

यहां पहले से ही पिंडदान और अन्य कर्मकांड के लिए पूरी व्यवस्था की गई थी। सफेद कुर्ता-पायजामा पहने अभिनेता संजय दत्त ने पूरे विधान के साथ एक दिन का कर्मकांड संपन्न किया। उनके आगमन को लेकर गया में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

उनके आगमन की सूचना के बाद बड़ी संख्या में उनके समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी लोग उनके साथ एक सेल्फी लेना चाहते थे। उल्लेखनीय है कि पितृपक्ष के दौरान यहां देश-विदेश के लाखों लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और उनकी मुक्ति के लिए पिंडदान करने आते हैं।

हरि अनंत, हरि कथा अनंता की गवाह बनेगी अयोध्या

लखनऊ, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले देश विदेश के कलाकार रामलीलाओं में अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसका सिलसिला शुरू भी हो गया है। मंगलवार को उत्तराखंड की रामलीला का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। योगी आदित्यनाथ की पहल से अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर सिंगापुर, कंबोडिया, श्रीलंका, थाइलैंड और इंडोनेशिया आदि देशों के कलाकारों को मंचन के लिए आमंत्रित किया गया है।

श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर सिंगापुर, कंबोडिया, श्रीलंका, थाइलैंड व इंडोनेशिया आदि देशों के कलाकारों का होगा मंचन

दुनिया के अलग-अलग देशों के अलावा देश के कई राज्यों यथा मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, कर्नाटक, सिक्किम, केरल, छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ के रामदल भी श्रीराम के उदात्त चरित्र को मंच पर सजीव करेंगे। यह सिलसिला शुरू हो गया है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी यह जारी रहेगा। इस बाबत अयोध्या देश और दुनिया के करीब 3500 कलाकारों का संगम बनेगी। हर रोज अलग-अलग रामदलों के करीब 500 कलाकार मंच पर रामकथा का मंचन कर गोस्वामी तुलसीदास के रामचरित मानस की इन पंक्तियों, 'हरि अनंत हरि कथा अनंता, कहहिं, सुनहिं बहुविधि सब संता' को मूर्त रूप देंगे।

दरअसल श्रीराम का चरित्र इतना आदर्श है कि कोई समाज इसकी अनदेखी कर ही नहीं सकता। यही वजह है कि भाषा और मजहब की सारी हदों से परे आज भी दुनिया के कई देशों में रामलीलाओं का मंचन होता है। मसलन 86 फीसद मुस्लिम आबादी वाले इंडोनेशिया और अंग्रेजी भाषी त्रिनिदाद में भी रामलीलाओं का मंचन होता है। बौद्धिस्ट देश श्रीलंका, थाइलैंड और रूस भी इसके अपवाद नहीं हैं। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित माउंट मेडोना स्कूल में पिछले 40 वर्षों से जून के पहले हफ्ते में रामलीला का मंचन होता है। आजादी के पहले पाकिस्तान स्थित कराची के रामबाग की रामलीला मशहूर है। अब इसका नाम आरामबाग है और मैदान की जगह कंक्रीट के जंगल हैं। मान्यता है कि सीता के साथ शक्तिपीठ हिंगलाज जाते समय भगवान श्रीराम ने इसी जगह विश्राम किया था। भारत में वाराणसी की रामनगर, इटावा के जसवंतनगर, प्रयागराज और अल्मोड़ा की रामलीलाएं मशहूर हैं। इनका स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, पर सबके केंद्र में राम ही हैं। मसलन भुवनेश्वर में ये साही जातरा हो जाती है तो चमोली में रम्मण। कुछ जगहों पर तो रामायण के अन्य प्रसंगों मसलन धनुष यज्ञ, भरत मिलाप को भी केंद्र बनाकर आयोजन होते हैं। रही बात भारत की तो रामलीला का इतिहास 500 साल से भी पुराना है। हर दो-चार गांव के अंतराल पर अमूमन क्वार के एकम से लेकर एकादशी के दौरान रामलीला के आयोजन होते हैं। यहां के लोगों के लिए राम उनकी आस हैं, भरोसा और दाताराम हैं। वह जो चाहेंगे वही होगा। होइहि सोई जो राम रचि राखा। लिहाजा वर्षों पहले कठिन हालातों में गिरिमिटिया के रूप में जो लोग मॉरीशस, टोबैगो, त्रिनिदाद, सूरीनाम आदि देशों में गये, वह अपने साथ भरोसे के रूप में राम को ले गये। उनकी पहल से राममंदिर भी बने और रामलीलाएं भी शुरू हुईं। फिजी जैसे छोटे से देश में 50 से अधिक रामलीला मंडलियां हैं। ट्रिनिदाद का रामलीला मंदिर करीब 100 साल पुराना है।

आईआईएससी के वैज्ञानिकों ने विकसित किया कोविड-19, वेरिएंट के लिए नया ताप-सहिष्णु टीका

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के वैज्ञानिक एक नया ताप-सहिष्णु टीका विकसित कर रहे हैं जो एसएआरएस-सीओवी-2 के विभिन्न प्रकारों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान कर सकता है। यह तब हुआ है जब देश प्रतिरक्षा से बचने की विशेषताओं के साथ नए अत्यधिक संक्रामक जेएन.1 संस्करण की चपेट में है। एनपीजे वैक्सीन्स में प्रकाशित एक अध्ययन में, टीम ने एक सिंथेटिक एंटीजन के डिजाइन की सूचना दी, जिसे संभावित कोविड-19 वैक्सीन उम्मीदवार के रूप में निर्मित किया जा सकता है। वे दिखाते हैं कि उनका वैक्सीन उम्मीदवार एसएआरएस-सीओवी-2 के सभी मौजूदा प्रकारों के खिलाफ प्रभावी है और इसे भविष्य के वेरिएंट के लिए भी जल्दी से अनुकूलित किया जा सकता है।

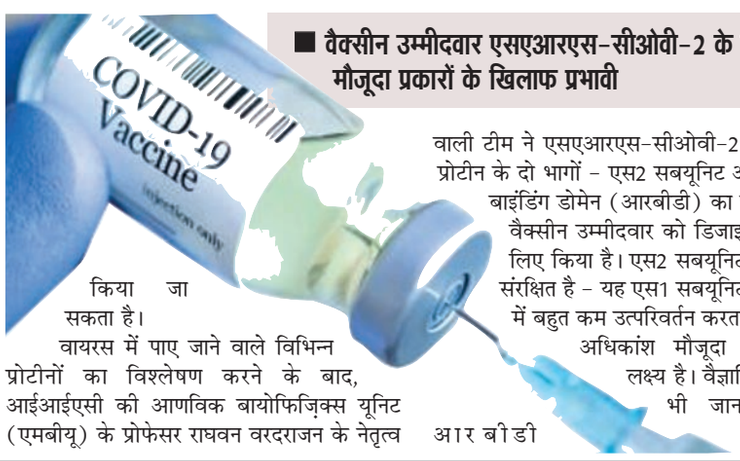

■ वैक्सीन उम्मीदवार एसएआरएस-सीओवी-2 के सभी मौजूदा प्रकारों के खिलाफ प्रभावी

वायरस में पाए जाने वाले विभिन्न प्रोटीनों का विश्लेषण करने के बाद, आईआईएसी की आणविक बायोफिज़िक्स यूनिट (एमबीयू) के प्रोफेसर राघवन वरदराजन के नेतृत्व वाली टीम ने एसएआरएस-सीओवी-2 के स्पाइक प्रोटीन के दो भागों - एस2 सबयूनिट और रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन (आरबीडी) का चयन उनके वैक्सीन उम्मीदवार को डिजाइन करने के लिए किया है। एस2 सबयूनिट अत्यधिक संरक्षित है - यह एस1 सबयूनिट की तुलना में बहुत कम उत्परिवर्तन करता है, जो कि अधिकांश मौजूदा टीकों का लक्ष्य है। वैज्ञानिकों ने यह भी जाना है कि आर बी डी मेजबान में एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकता है। इसलिए, टीम ने इन दोनों घटकों को मिलाकर आरएस2 नामक एक हाइब्रिड प्रोटीन बनाया।शोधकर्ताओं ने संकर प्रोटीन की अभिव्यक्ति का अध्ययन करने के लिए स्तनधारी कोशिका रेखाओं का उपयोग किया। टीम ने चूहों और हैम्स्टर मॉडल दोनों में प्रोटीन के प्रभावों का परीक्षण किया और पाया कि हाइब्रिड प्रोटीन ने एक मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया शुरू की और पूरे स्पाइक प्रोटीन वाले टीकों की तुलना में बेहतर सुरक्षा प्रदान की।

आरएस2 एंटीजन को कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता के बिना एक महीने तक कमरे के तापमान पर भी संग्रहित किया जा सकता है, बाजार में मौजूद कई टीकों के विपरीत, जिन्हें अनिवार्य कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता होती है।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

रिलायंस	2.58 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.38 प्रतिशत
अल्ट्रासिमको	1.29 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.17 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.09 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंफ़ोसिस	1.62 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	1.56 प्रतिशत
विप्रो	1.28 प्रतिशत
एलटी	1.18 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	0.85 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3590-3690
चीनी एम	4150-4250
मिल डिलीवरी	3470-3570
गुड़	4600-4700

दाल-दलहन

चना	5500-5600
दाल चना	6500-6600
मसूर काली	7350-7450
उड़द दाल	10000-10100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	12500-12600

[अर्थ जगत]

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया हुआ मजबूत

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया गुरुवार को 2 पैसे की बढ़त के साथ 83.01 पर बंद हुआ, जिससे भारतीय मुद्रा में लगातार सातवें दिन बढ़त रही। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कम कीमतों और विदेशी फंडों द्वारा शेयर बाजारों में इक्विटी की निरंतर खरीदारी से रुपये को स्थिर रहने में मदद मिली है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी ने कहा, 'रुपए ने दिन के दौरान 82.92 और 83.07 के बीच उतार-चढ़ाव के साथ एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की। बाजार भागीदार शाम के लिए निर्धारित अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) डेटा को करीब से देख रहे हैं।

फिनटेक को विनियमित करते समय ग्राहकों के हितों का ध्यान रखा जा रहा है : आरबीआई गवर्नर

इन दिशानिर्देशों के जारी होने के बाद निजी इक्विटी पर डिजिटल ऋण के आँकड़े भारतीय डिजिटल ऋण कहानी पर निवेशकों के विश्वास को दर्शाते :-
शक्तिकांत दास, गवर्नर आरबीआई

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कहा कि महामारी के बाद भारत में डिजिटल ऋण में तेजी से वृद्धि देखी गई है और साथ ही, इसने व्यापार आचरण के कई मुद्दों को भी उठाया है जिस पर केंद्रीय बैंक कड़ी नजर रख रहा है। उन्होंने एक मीडिया कार्यक्रम में कहा, 'विभिन्न नियामक दुविधाएँ उभरी हैं जिनमें एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना पड़ा है। एक तरफ फिनटेक के नवोन्मेषी बिजनेस मॉडल से होने वाले ग्राहक लाभ और दूसरी तरफ उभरते व्यावसायिक आचरण तथा नियामक चिंताओं के बीच संतुलन जरूरी था।' विनियामक उद्देश्य नवोन्वेषी डिजिटल व्यवसाय मॉडल के लाभकारी प्रभावों को बरकरार रखते हुए नकारात्मक कारकों पर लगाम लगाना था।

उन्होंने कहा कि इन दिशानिर्देशों के जारी होने के बाद निजी इक्विटी पर डिजिटल ऋण के आँकड़े भारतीय डिजिटल ऋण कहानी पर निवेशकों के विश्वास को दर्शाते है। यह विश्वास है कि आगे चलकर, आरबीआई की नियामक निगरानी के तहत डिजिटल ऋण फिनटेक क्षेत्र को और अधिक बढ़ावा देगा। आरबीआई की पर्यवेक्षी संरचना की चपलता, लचीलेपन और विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए संरचनात्मक परिवर्तन भी लागू किए गए हैं।

बैंक की पर्यवेक्षी प्रणालियों को भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के साथ वित्तीय क्षेत्र की गतिशीलता के अनुरूप ढालने के लिए पुन: व्यवस्थित किया गया है ताकि संभावित संकटों को पहले ही भांपा जा सके। ऑन-साइट पर्यवेक्षी संलग्नता की आवृत्ति और तीव्रता अब संस्थानों के आकार के साथ-साथ जोखिम पर भी आधारित है। दास ने कहा कि ये निरीक्षण भी अधिक गहन और निरंतर हो गए हैं। आरबीआई ने वरिष्ठ प्रबंधन के साथ भी अपना जुड़ाव मजबूत किया है। उन्होंने कहा, 'हमने संभावित और उभरते जोखिमों को पकड़ने के लिए पर्यवेक्षी मैक्रो और माइक्रो डेटा एनालिटिक्स को काफी मजबूत किया है। हम बैंकों और अन्य ऋण देने के व्यवसाय मॉडल में गहराई से उतरते हैं। दास ने कहा कि आरबीआई एक अन्य क्षेत्र साइबर सुरक्षा जोखिम पर भी करीबी नजर बनाए हुए है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा, 'यद्यपि बैंकिंग में आईटी को अपनाने के स्पष्ट लाभ हैं, लेकिन संबंधित जोखिमों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने की आवश्यकता है। हमारी विनियमित और पर्यवेक्षित संस्थाओं के विविधीकरण और जटिलता स्तरों को ध्यान में रखते हुए, हमने विभिन्न संस्थाओं के लिए अलग-अलग साइबर सुरक्षा बेसलाइन नियंत्रण ढांचे जारी किए हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली में एनपीए में भारी कमी आने के साथ एक उल्लेखनीय बदलाव आया है, जो अब आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथा का समर्थन करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

गिफ्ट सिटी में तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टॉक एक्सचेंज और 26 एयरक्राफ्ट लीजर्स: वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। वर्तमान में गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में 3 अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टॉक एक्सचेंज, 9 विदेशी सहित कुल 25 बैंक, 26 एयरक्राफ्ट लीजर्स और 80 फंड मैनेजर्स संचालित हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को वाइब्रेंट गुजरात समिट में यह जानकारी दी। उनके मुताबिक बदलते गिफ्ट सिटी में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) कार्यरत हैं। यह दुनिया भर के निवेशकों के लिए भारत के दरवाजे खोलता है। इसके अलावा, गिफ्ट सिटी में शिप बिल्डिंग और लीजिंग गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के अनुरूप वातावरण तैयार किया गया है। इसके साथ ही, गिफ्ट सिटी में लगभग 50 सर्विस प्रोवाइडर और 40 फिनटेक एंटिटी भी कार्यरत हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि हाल ही में डिजिटल लेन-देन को गति देते हुए भारत ने स्केलिंग और स्पीड का पर्याय बन चुके यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से 2.3 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक लेनदेन का रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने कहा कि ग्रीन रिवॉल्यूशन में भारत की सक्रिय भूमिका के लिए जी 20 के देशों में सहमति बनी थी, और गिफ्ट सिटी इस संकल्पना को साकार करने वाला एक आदर्श स्थान बन गया है। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए कार्बन और ग्रीन क्रेडिट के विचार को गति देने के लिए भी गिफ्ट सिटी एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी समय में यहां कार्बन और ग्रीन क्रेडिट की ट्रेडिंग होगी। आने वाले वर्षों में भारत ग्लोबल साउथ और पश्चिम के देशों के बीच एक महत्वपूर्ण ब्रिज बनेगा और गिफ्ट सिटी उसका प्रवेश द्वार बनेगी। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी में एविएशन, डिफेंस, मेडिकल, फिनटेक, बैंकिंग और एजुकेशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए विशाल अवसरों की संभावनाएं मौजूद हैं।

सेमिनार में उपस्थित गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने कहा कि गिफ्ट सिटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'ब्रेन चाइल्ड' प्रोजेक्ट है। इसके विकास के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। इतना ही नहीं, वे निरंतर मार्गदर्शन देकर गिफ्ट सिटी के विकास को और अधिक गतिशील बना रहे हैं। उन्होंने निवेशकों का आह्वान किया कि वे गिफ्ट सिटी में आकर अधिकतम लाभ उठाएं। गिफ्ट सिटी के चेयरमैन हसमुख अधिया ने कहा कि भारत सरकार के श्रेष्ठ वित्तीय विनियमन के कारण गिफ्ट सिटी आज निवेशकों की पहली पसंद बन रही है। ढ

तीसरी तिमाही में टीसीएस का मुनाफा बढ़ा, 27 रुपए के अंतरिम और विशेष लाभांश की घोषणा

चेन्नई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। सॉफ्टवेयर क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने गुरुवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही 11,097 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल ने एक रुपए के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर नौ रुपए का तीसरा अंतरिम लाभांश और 18 रुपए का विशेष लाभांश घोषित किया है। टीसीएस ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023-24 की 31 दिसम्बर 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही में 60,583 करोड़ रुपए का राजस्व और 11,097 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसका राजस्व 58,229 करोड़ रुपए और मुनाफा 10,883 करोड़ रुपए रहा था।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक के. कृतिवासन ने कहा, 'वृहत आर्थिक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण आम तौर पर कमजोर तिमाही में हमारा मजबूत प्रदर्शन, एक अच्छी तरह से विविध पोर्टफोलियो और ग्राहक-केंद्रित रणनीति के साथ हमारे व्यापार मॉडल की ताकत को दर्शाता है। सभी बाजारों में मजबूत सौदे के परिणामस्वरूप हमारे पास अच्छे ऑर्डर हैं। हम जेनरेटिव एआई में जबरदस्त रुचि देख रहे हैं और इस क्षेत्र में अपने ग्राहकों के लिए नवाचार और खोजपूर्ण प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं।' मुख्य परिचालन अधिकारी और कार्यकारी निदेशक, एन. गणपति सुब्रमण्यम् ने कहा, 'तिमाही में हमने राष्ट्रीय महत्व की कई परियोजनाओं में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे हमारी निष्पादन शक्ति प्रदर्शित हुई है। हमारे उत्पादों और प्लेटफार्मों में नई जीत और प्रगति के साथ एक मजबूत तिमाही रही।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 18 लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के साथ ही गुरुवार को कंपनी का बाजार पूंजीकरण 18 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया। आरआईएल का शेयर आज 2.5 प्रतिशत उछलकर 2,700 रुपए के पार पहुंच गया जिससे इसका बाजार पूंजीकरण 18.36 लाख करोड़ रुपए हो गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि निफ्टी का ग्राफ पूरे सत्र में लगभग सपाट रहा और 21,647 के स्तर पर मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

सेक्टरों में, तेल और गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो और पीएसयू बैंक गुरुवार को शीर्ष पर रहे। आम चुनाव से पहले मांग में सुधार की उम्मीद से सीमेंट शेयरों में ताजा खरीदारी देखी गई। उन्होंने कहा कि आईटी क्षेत्र पर शुक्रवार को फोकस रहने की उम्मीद है क्योंकि निवेशक की नजर टीसीएस और इंफोसिस के तीसरी तिमाही के नतीजों पर है। उनकी प्रबंधन टिप्पणी और मार्गदर्शन क्षेत्र के भविष्य के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी प्रदान करेगा।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक नागराज शेट्टी ने कहा कि बुधवार को निचले स्तर से स्थायी बढ़त दिखाने के बाद, निफ्टी गुरुवार को सकारात्मक पूर्वाग्रह के साथ सपाट रहा और दिन में 28 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। सकारात्मक रुख के साथ खुलने के बाद, सत्र के अधिकांश हिस्से में उतार-चढ़ाव के बीच बाजार में धीरे-धीरे कमजोरी दिखनी शुरू हो गई।

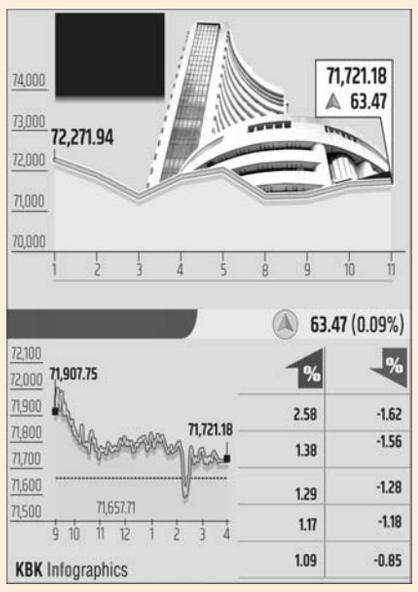

शेयर बाजार में तीसरे दिन तेजी

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में महंगाई के आंकड़े जारी होने से पहले विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, ऑटो, तेल एवं गैस और कंज्यूमर डयूरेबल्स समेत तेरह समूहों में हुई लिवाली से आज शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन बढ़त रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 63.47 अंक चढ़कर 71,721.18 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 28.50 अंक मजबूत होकर 21647.20 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.66 प्रतिशत की छलांग लगाकर 37,739.22 अंक और स्मॉलकैप 0.79 प्रतिशत उछलकर 44,321.68 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3937 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2355 लाभ जबकि 1475 नुकसान में रहे वहीं 107 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 25 कंपनियों में लिवाली जबकि 24 में बिकवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

बीएसई के 13 समूहों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 0.57, सीडी 0.71, ऊर्जा 1.57, वित्तीय सेवाएं 0.36, हेल्थकेयर 0.37, दूरसंचार 0.02, यूटिलिटीज 0.61, ऑटो 1.11, बैंकिंग 0.24, कंज्यूमर डयूरेबल्स 0.89, धातु 0.10, तेल एवं गैस 1.05 और पावर समूह के शेयर 0.25 प्रतिशत चढ़ गए। विदेशी बाजारों का रुझान सकारात्मक रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.10, जर्मनी का डैक्स 0.36, जापान का निक्केई 1.77, हांगकांग का हैंगसेंग 1.27 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.31 प्रतिशत मजबूत रहा।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 250 अंक की तेजी के साथ 71,907.75 अंक पर खुला और लिवाली के दम पर थोड़ी देर बाद 71,999.47 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से यह दोपहर बाद 71,543.19 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 71,657.71 अंक के मुकाबले 0.09 प्रतिशत उठकर 71,721.18 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी 69 अंक की बढ़ोतरी लेकर 21,688.00 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 21,726.50 अंक के उच्चतम जबकि 21,593.75 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 21,618.70 अंक की तुलना में 0.13 प्रतिशत चढ़कर 21,647.20 अंक हो गया।

इस दौरान सेंसेक्स की जिन कंपनियों के शेयर लाभ में रहे उनमें रिलायंस 2.58, एक्सिस बैंक 1.38, अल्ट्रासिमको 1.29, इंडसइंड बैंक 1.17, पावरग्रिड 1.09, टाटा मोटर्स 0.94, टेक महिंद्रा 0.65, टीसीएस 0.61, टाटा स्टील 0.60, बजाज फाइनेंस 0.11, कोटक बैंक 0.09, मारुति 0.06 और एशियन पेंट 0.04 प्रतिशत शामिल हैं।

वहीं, इंफ़ोसिस 1.62, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.56, विप्रो 1.28, एलटी 1.18, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.85, नेस्ले इंडिया 0.77, सन फार्मा 0.57, टाइटन 0.44, एचडीएफसी बैंक 0.42, एचसीएल टेक 0.40, एसबीआई 0.23, आईसीआईसीआई बैंक 0.21, बजाज फिनसर्व 0.16, एनटीपीसी 0.14, आईटीसी 0.13, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.09 और भारती एयरटेल के शेयरों ने 0.07 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

ओला इलेक्ट्रिक ने दिसंबर 2023 तक अपनी मूल कंपनी को 8 हजार से ज्यादा ई-स्कूटर बेचे

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भविश अग्रवाल के नेतृत्व वाली ओला इलेक्ट्रिक ने दिसम्बर 2023 तक अपनी मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज को 8,200 से अधिक स्कूटर बेचे, जो कई भारतीय शहरों में अपनी इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सी सेवा शुरू और विस्तार करने की योजना बना रही है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि कंपनी ने अपने डीआरएचपी में 7,000 करोड़ रुपए से अधिक के आईपीओ के लिए संबंधित पार्टी लेनदेन का खुलासा नहीं किया, जो पिछले साल दिसम्बर में दायर किया गया था। ड्राफ्ट पेपर्स में 30 जून 2023 तक ओला इलेक्ट्रिक के वित्तीय विवरण शामिल थे। ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है कि अब तक 8,206 ओला इलेक्ट्रिक स्कूटरों को ई-बाइक, पार्सल और अन्य डिलीवरी सेवाओं के लिए एएनआई टेक्नोलॉजीज के तहत पंजीकृत किया गया है। कुल मिलाकर, अब तक कुल पंजीकरण का 2.17 प्रतिशत एएनआई टेक्नोलॉजीज के तहत हुआ है।

इसके अलावा, रिपोर्ट में सूत्रों के हवाला से कहा गया, 'अप्रैल 2022 और दिसम्बर 2023 के बीच ओला कैब्स की मूल कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों को बेचे गए ई-स्कूटर की संख्या लगभग 12,000 यूनिट से भी अधिक थी।' इस बीच, ओला ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 2,800 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है, जबकि अपने घाटे में लगभग 50 प्रतिशत की कटौती करने का प्रबंधन किया है। ओला की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑडिटेड वित्तीय परिणामों के अनुसार, एएनआई टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2022 में 1,970 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2023 में 42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,799 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। कंपनी का वित्त वर्ष 2022 में 1,522 करोड़ रुपए के मुकाबले वित्त वर्ष 2023 में घाटा लगभग 50 प्रतिशत कम होकर 772 करोड़ रुपए रह गया।

खाद्य तेलों में टिकाव, गेहूं सस्ता

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर आवक बढ़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में गेहूं सस्ता हो गया वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जनवरी का पाम ऑयल वायदा 13 रिंगिट बढ़कर 3725 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.57 सेंट की तेजी लेकर 48.82 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान गेहूं 100 रुपए प्रति क्विंटल उतर गया। वहीं, चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुजरात में बनेगी देश की पहली मेक इन इंडिया मेमोरी चिप : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत जल्द चिप का उत्पादन शुरू करेगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक गुजरात में वर्ष 2024 में देश की पहली मेक इन इंडिया चिप का उत्पादन होगा। उन्होने वाइब्रेंट गुजरात समिट में यह बात कही। गौरतलब है कि भारत सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन का निर्माण करने जा रहा है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन से शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात समिट एक ऐसा मॉडल है जिसके कारण गुजरात में नई टेक्नोलॉजी और नए उद्योग आए हैं। केंद्रीय मंत्री ने इस अमृत काल की पहली वाइब्रेंट समिट बताते हुए कहा कि, इस समिट में जिस तरह के एमओयू और एग्रीमेंट हुए हैं, वह विकसित भारत बनने की शुरुआत है। गुजरात के पास प्रधानमंत्री के विजन को धरातल पर उतारने के लिए सक्षम मशीनरी है। वाइब्रेंट गुजरात समिट में आयोजित सेमिनार में अमेरिकी चिप

कंपनी माइक्रोन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजय मेहरोत्रा ने राज्य एवं भारत सरकार के अभूतपूर्व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि, वह दिन दूर नहीं जब भारत में मजबूत सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन का निर्माण होगा। सेमीकंडक्टर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स सेमिनार में गुजरात सरकार और कोरियाई कंपनी सिमटेक के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ ही, माइक्रोन और नेनटेक तथा सिस्को एवं नेनटेक के बीच भी सहभागिता के लिए करार पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) सेमीकंडक्टर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स सेमिनार में गुजरात को 'ग्लोबल डेस्टिनेशन फॉर सेमिकंडक्टर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग' बनाने का विश्वास व्यक्त किया। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि गुजरात सेमीकंडक्टर पॉलिसी जारी करने वाला देश का पहला राज्य है। भारत में टेक्नोलॉजी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। हेल्थ, एग्रीकल्चर या लॉजिस्टिक्स, मानव जीवन को छूने वाले सभी क्षेत्रों में स्मार्ट टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हमारे रोजमर्रा के जीवन में शामिल हो रहे हैं। इन सभी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के मूल में सेमीकंडक्टर चिप और इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स ही मौजूद हैं।दुनिया को इस संबंध में एक विश्वसनीय चिप सप्लाई चेन की आवश्यकता है।

पटेल ने कहा कि दुनिया की इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए भारत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए दुनिया को एक मजबूत सप्लाई चेन प्रदान करने में सक्षम है, और गुजरात इसमें अग्रणी योगदान दे सकता है। इसके लिए गुजरात का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात एआई, इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी), बायोटेक, फिनटेक, ड्रोन और सेमीकंडक्टर जैसे दुनिया के सभी उभरते क्षेत्रों में आगे रहने को प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि सेमीकंडक्टर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स का यह सेमिनार भी इसके अनुरूप है। मुख्यमंत्री ने 'फ्यूचर रेडी इंडिया के लिए फ्यूचर रेडी गुजरात' बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि हम सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे नए युग के उभरते क्षेत्रों पर विशेष बल देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

सार संक्षेप

भारतीय ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने नए साल की पूर्व संध्या पर 65 लाख खाने के ऑर्डर पहुंचाए

नई दिल्ली। नए साल की पूर्व संध्या 2023 पर जोमैटो, स्विगी और अन्य को 65 लाख ऑनलाइन फूड (खाद्य) डिलीवरी के ऑर्डर मिले और एक रिकॉर्ड बना। नए साल की पूर्व संध्या 2022 की तुलना में इस बार 18 प्रतिशत अधिक खाने के ऑर्डर मिले थे। मार्केट रिसर्च फर्म रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के अनुसार, उस दिन औसत ऑर्डर मूल्य (एओवी) भी वर्ष के अन्य दिनों की तुलना में कम से कम 30 प्रतिशत ज्यादा था। रेडसीर के एसोसिएट पार्टनर अभिजीत राउट्रे ने कहा कि आईपीएल, क्रिकेट विश्व कप, दिवाली, न्यू ईयर ईव इत्यादि जैसे दिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ग्राहक अधिक ऑर्डर करते हैं और ज्यादा खर्च करते हैं। ब्रांडों और प्लेटफार्मों के लिए इन दिनों बढ़े हुए भार को पूरा करने में सक्षम होना भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इन उत्सव के अवसरों पर ग्राहक अनुभव में बाधा नहीं डाली जा सकती है।

एनटीटी ने भारत में नया डेटा सेंटर कैंपस किया लॉन्च

नई दिल्ली। वैश्विक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवा कंपनी एनटीटी ने गुरुवार को भारत में अपना नया डेटा सेंटर कैंपस लॉन्च किया। कंपनी ने कहा, 'यह परिसर दिल्ली-एनसीआर के भीतर नोएडा के डेटा सेंटर कॉरिडोर में है। यह न्यूनतम विलंबता के लिए एनटीटी के अन्य डेटा सेंटर स्थानों के साथ कैरियर न्यूट्रल इंटरकनेक्टेड है और शीर्ष स्तरीय सार्वजनिक क्लाउड प्रदाताओं तक बिना बाधा के पहुंच प्रदान करता है।' छह एकड़ में फैला परिसर, दो डेटा केंद्रों में 52.8 मेगावाट महत्वपूर्ण आईटी लोड की नियोजित क्षमता का समर्थन करेगा। एनटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स एंड सबमरीन केबल के सीईओ और अध्यक्ष डी. एडम्स ने एक बयान में कहा, 'इस नई साइट के साथ हम विश्वसनीय बुनियादी ढांचा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं जो दुनिया भर में हमारे ग्राहकों की डिजिटल परिवर्तन महत्वाकांक्षाओं की मांगों का समर्थन कर सकता है।'

10 जनवरी तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 17 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने गुरुवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में 10 जनवरी तक सरकार का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 16.77 प्रतिशत बढ़कर 17.18 लाख करोड़ रुपये हो गया है। बयान में कहा गया है कि रिफंड देने के बाद शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 14.70 लाख करोड़ रुपए रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के शुद्ध संग्रह से 19.41 प्रतिशत अधिक है। यह संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के कुल बजट अनुमान का 80.61 प्रतिशत है। सकल राजस्व संग्रह के मामले में कॉर्पोरेट आयकर (सीआईटी) की वृद्धि दर 8.32 प्रतिशत है जबकि व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) की वृद्धि दर 26.11 प्रतिशत है। रिफंड देने के बाद, सीआईटी संग्रह में शुद्ध वृद्धि 12.37 प्रतिशत और पीआईटी संग्रह में 27.26 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई है। बयान में कहा गया है कि 1 अप्रैल 2023 से 10 जनवरी 2024 तक 2.48 लाख करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया है।

खेल जगत

एडिलेड के सेमीफाइनल में पहुंची ओस्टापेंको

एडिलेड। येलेना ओस्टापेंको ने गुरुवार को एडिलेड इंटरनेशनल में मार्टा कोस्तयुक पर 7-5, 6-3 से क्वार्टरफाइनल जीत के साथ साल के पहले सेमीफाइनल में जगह बनाई। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार लातविया की वर्ल्ड नंबर 12 ओस्टापेंको को एडिलेड डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में यूक्रेन की 41वीं रैंक वाली कोस्त्युक को हराने में 1 घंटा 32 मिनट का समय लगा और उनके आमने-सामने के मुकाबले में 2-0 (सेट में 4-0) का सुधार हुआ। 2017 रौलां गैरो चैंपियन शानदार फॉर्म में थी। ओस्टापेंको की पहले सेट में 5-2 की बढ़त धीरे-धीरे 5-5 पर आ गई, लेकिन इसके बाद उन्होंने तीन बार कोस्त्युक की सर्विस तोड़कर जीत की ओर कदम बढ़ाया। इस बीच, डारिया कसात्किना अपनी क्वार्टरफाइनल प्रतिद्वंद्वी लॉरा सिगमंड के मैच से हटने के बाद सेमीफाइनल में पहुंच गईं। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी कसात्किना अब पिछले साल की दो एडिलेड स्पर्धाओं में से दूसरे में अपनी उपविजेता उपस्थिति को दोहराने से एक जीत दूर हैं।

फोकस अग्रिम पंक्ति की पूरी क्षमता से प्रदर्शन के बूते ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर : ललरेमसियामी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ पूरी तरह तैयार हो अपनी योजना को कारगर ढंग से अमली जामा पहनाने उतरेंगे

नई दिल्ली, 11 जनवरी (देशबन्धु)। उपकप्तान स्ट्राइकर वंदना कटारिया के अभ्यास के दौरान लगी चोट के चलते रांची में 13 से 19 जनवरी तक होने वाले एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर होने से भारत के हमलों और उसे पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कराने का दारोमदार कम उम्र में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली स्ट्राइकर ललरेमसियामी पर रहेगा। ललरेमसियामी भारतीय हॉकी महिला हॉकी टीम के साथ रांची में ओलंपिक क्वालीफायर्स में शिद्दत से अभ्यास में जुटी हैं। चीफ कोच याॅकी शॉपमैन के मार्गदर्शन में ललरेमसियामी सहित भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी रणनीतिक ड्रिल और अभ्यास में जुटी हैं। हर पूल से दो शीर्ष टीमे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। एफआईएच ओलंपिक क्वॉलिफायर्स से तीन शीर्ष महिला टीमें 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय महिला हॉकी टीम ओलंपिक क्वालीफायर्स में पूल बी में अपने अभियान का आगाज13 जनवरी अमेरिका के खिलाफ मैच से करने के बाद 14 जनवरी को न्यूजीलैंड और 16 जनवरी को इटली से भिड़ेगी। दोनों सेमीफाइनल 18 जनवरी को और फाइनल और तीसरे स्थान का मैच 19 जनवरी को खेला जाएगा। ओलंपिक क्वालिफायर्स, 2024 के शुरू होने में मात्र दो दिन बचे हैं और भारत की स्ट्राइकर ललरेमसियामी ने अपनी अग्रिम पंक्ति में भरोसा जताया। ललरेमसियामी ने कहा, % हम ओलंपिक महिला हॉकी क्वालिफायर में पूरी तरह तैयार होकर अपनी योजना को कारगर ढंग से अमली जामा पहनाने उतरेंगे। हमारा फोकस अपनी अग्रिम पंक्ति की पूरी क्षमता से प्रदर्शन के बूते 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है।'

उन्होंने कहा, % एफआईएच हॉकी महिला ओलंपिक क्वालिफायर्स, रांची 2024 के लिए हमारी टीम की तैयारियां में ध्यान अपनी अग्रिम पंक्ति को मजबूत बनाने पर है। हमारा पूरा ध्यान अग्रिम पंक्ति के तालमेल को बेहतर करने के साथ अपने हमलों की धार तेज करने के पूरी तालमेल से हमले बोलने पर है। हमारा ध्यान एक दम सही और सीधे हमले बोलने पर है। हमारी कोशिश बेहतरीन कदमताल के साथ नियोजित और धारदार हमले बोलने वाली अग्रिम पंक्ति बनने है। हम हर अभ्यास सत्र में अपनी रणनीति को बेहतर करते हुए एक दूसरे की खेल शैली को बेहतर ढंग समझ रहे हैं। हम मैदान पर पूरे संकल्प से बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की कामयाबी में योगदान करना चाहते हैं।

भारतीय टीम हर चुनौती के लिए तैयार है : सविता

रांची। कुछ अनुभवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में एक चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंट के लिए तैयार भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पुनिया को शहर के हॉकी प्रेमियों के मजबूत समर्थन और कड़ी मेहनत की उम्मीद है। उनकी टीम शनिवार से यहां शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर में भाग लेगी और पेरिस 2024 का टिकट हासिल करने की पूरी कोशिश करेगी। एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर की शुरुआत से पहले सविता ने कहा कि टीम कुछ महीने पहले एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान स्थानीय हॉकी प्रेमियों से मिले समर्थन से खुश है और कहा कि टीम एक बार फिर रांची में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। भारत ग्रुप बी में न्यूजीलैंड, यूएसए और इटली के साथ है क्योंकि मैदान में आठ टीमों को चार-चार के दो समूहों में विभाजित किया गया है। सविता ने कहा, हमने इस आयोजन के लिए बहुत अच्छी तैयारी की है। हमने इस आयोजन की तैयारी के लिए व्यक्तिगत रूप से और एक टीम के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कोचों ने हमें खेल के उन सभी पहलुओं पर काम करने में मदद की है जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। भारत इस प्रतियोगिता में दीप ग्रेस एक्का, सुशीला चानू, वंदना कटारिया और गुरजीत कौर जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतर रहा है। भारतीय कप्तान, टीम की मुख्य गोलकीपर और इस टीम के सबसे अनुभवी सदस्य ने कहा कि वे पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि टीम अपने प्रदर्शन और मैचों पर ध्यान दे रही है और विरोधियों के बारे में ज्यादा नहीं सोच रही है। 33 वर्षीय, जिन्होंने अब तक देश के लिए 266 मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि वे अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों का सम्मान करते हैं लेकिन उनसे निपटने के लिए उनके पास योजनाएं हैं। अगर यह ओलंपिक क्वालीफायर है, तो चीजें कठिन होंगी, यह आसान नहीं होगा। यह हमारे लिए एक बड़ी चुनौती होगी क्योंकि यहां जो भी टीमें हैं वे काफी मजबूत हैं। अगर वे इस चरण तक पहुंचे हैं, तो उन्हें मजबूत होना होगा और हमारी तरह, वे भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। हम अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित करेंगे और अपनी कमजोरियों पर काम करेंगे।

स्टीव स्मिथ को ऊपर के क्रम में करना चाहिए बल्लेबाजी : इयान चैपल

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया अपनी आगामी टेस्ट श्रृंखला की तैयारी कर रहा है, लेकिन टीम के बल्लेबाजी क्रम में एक आश्चर्यजनक बदलाव ने बड़ी बहस छेड़ दी है, और पूर्व टेस्ट कप्तान इयान चैपल ने ऑस्ट्रेलिया को स्टीव स्मिथ को ऊपर भेजने के खिलाफ सलाह दी है।

स्टीव स्मिथ 17 जनवरी से शुरू होने वाले एडिलेड टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ ओपनिंग करेंगे, मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने बुधवार को विशेषज्ञ मैथ्यू रेनशॉ को टीम में चुना, लेकिन उन्होंने खुलासा किया कि वह प्लेइंग इलेवन में नहीं होंगे। स्मिथ ने अपनी 187 टेस्ट पारियों में कभी भी बतौर ओपनर नहीं खेला है। नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए उनका औसत 61.50 है और नंबर 3 पर 29 पारियों में यह बढ़कर 67.07 हो गया है।

जबकि स्मिथ ने ओपनिंग करने की इच्छा व्यक्त की है। नंबर 4 पर एक शानदार औसत का दावा करते हुए, चैपल ने ऑस्ट्रेलिया के मध्यक्रम के साथ संभावित समझौते के बारे में चिंता जताई है, जिसमें पारंपरिक रूप से पहले या दूसरे ड्रॉप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को शामिल किया जाता है। चैपल, अपने समृद्ध अनुभव के साथ, बल्लेबाजी क्रम में तीसरे और चौथे स्थान के महत्व पर दृढ़ता से विश्वास करते हैं। चैपल ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स को बताया, पहली बात जो मैं ओपनिंग के बारे में कहूंगा वह यह है कि आप इसे करना चाहते हैं। स्मिथ ने कहा है कि वह यह करना चाहते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें खुद पर भरोसा है। अगर आपको लगता है कि वह इस काम के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति हैं, तो ठीक है आप यह काम उन्हें दे दीजिए। चैपल के लिए हैरान करने वाला पहलू यह समझना है कि 34 साल की उम्र में स्मिथ अचानक ओपनिंग करने की इच्छा क्यों रखते हैं। उनका सुझाव है कि चयनकर्ताओं को क्रिकेटर की प्रेरणा पर ध्यान देना चाहिए, चाहे वह टीम को फायदा पहुंचाने के लिए हो या अपने करियर को लंबा करने के लिए।

यह सुझाव सबसे पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने एससीजी टेस्ट से पहले एक भाषण कार्यक्रम में दिया था, और फिर स्मिथ ने कुछ दिनों बाद मीडिया के सामने अपनी रुचि की पुष्टि की। चैपल ने कहा, अगर वह अचानक कहता है कि मैं ओपनिंग करना चाहता हूं तो एक चयनकर्ता के तौर पर मैं यह जानना चाहूंगा कि वह ओपनिंग क्यों करना चाहता है। जैसे-जैसे वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज नजदीक आ रही है, बल्लेबाजी क्रम में स्टीव स्मिथ की भूमिका का दिलचस्प सवाल ऑस्ट्रेलिया की तैयारियों में जटिलता की एक अप्रत्याशित परत जोड़ देता है। वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 17 जनवरी से एडिलेड में शुरू होगी।

मेरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का इरादा नहीं : मार्कस स्टोइनिस

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस ने अपने आईपीएल क्लब लखनऊ से संबद्ध डरबन के सुपरजायंट्स के लिए एसए20 में खेलने के लिए हस्ताक्षर किए हैं और यह स्पष्ट कर दिया है कि वह एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं और उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम से बाहर किए जाने के बावजूद टी20 विश्व कप अभियान के लिए उम्मीद है।

स्टोइनिस को एकदिवसीय टीम से बाहर करने का निर्णय कोई आश्चर्य की बात नहीं थी, क्योंकि अहमदाबाद में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के लिए अंतिम एकादश में चयन न होने से पहले भी कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड्स और चयनकर्ता जॉर्ज बेली के साथ कई महीनों से चर्चा चल रही थी स्टोइनिस ने सराहनीय खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए, विश्व कप के बाद कोर को बनाए रखने और नई प्रतिभा को पेश करने के बीच संतुलन की आवश्यकता को पहचानते हुए, एरोन हार्डी को शामिल करने का समर्थन किया। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने उनके हवाले से कहा, पिछले चार से छह महीनों में एंड्रयू मैकडोनाल्ड्स के साथ मेरी कुछ बातचीत हुई थी। जॉर्ज से भी बात की। चयन के संदर्भ में, हार्डी के आने के तथ्य के संदर्भ में, मुझे लगता है कि यह शानदार है। मुझे लगता है कि विश्व कप के बाद यह पूरी तरह से समझ में आता है। कोर रखने और नए लोगों के बीच संतुलन की जरूरत है। अगला टूर्नामेंट जिसका वे इंतजार कर रहे हैं वह चैंपियंस ट्रॉफी है, जो 18 महीने दूर है। मेरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट या इस तरह की किसी भी चीज़ से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह से समझ में आता है। वह (हार्डी) शानदार खेल रहा है। उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी सामने आने की जरूरत है जिसके लिए मुझे लगता है कि वह तैयार है। मैं अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ के लिए खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका जाऊंगा, जहां क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पूरे समय से संपर्क में है। इसलिए मुझे लगता है कि ईमानदारी से कहूं तो यह सब समझ में आता है।

स्टोइनिस वर्तमान में मेलबर्न स्टार्स (बीबीएल में) के साथ हैं और उनकी टीम फाइनल खेलने की कगार पर है। फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए स्टार्स के पास 13 और 15 जनवरी को दो और होम और अवे मैच हैं जो 19 से 24 जनवरी तक खेले जाएंगे। डरबन के सुपर जाइंट्स अपना एसए20 सीज़न 12 जनवरी से शुरू कर रहे हैं। अगर स्टार्स 24 जनवरी को बीबीएल के निर्णायक मुकाबले में पहुँचते हैं तो स्टोइनिस सात एसए20 मैचों या कम से कम चार मैचों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए चुने जाने की भी उम्मीद है, जिससे वह 7 फरवरी से 11 फरवरी तक चलने वाले एसए20 फाइनल से बाहर हो जाएंगे।

रिदम सांगवान ने भारत के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा किया हासिल

जकार्ता 11 जनवरी (एजेंसियां)। रिदम सांगवान ने गुरुवार को एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2024 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ भारत के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है।

इसी के साथ भारत ने पेरिस में आयोजित होने वाले आगामी ओलंपिक के लिए 16 निशानेबाजी कोटा हासिल टोक्यों ओलंपिक के 15 कोटा के रिकार्ड को पीछे छोड़ते हुए एक नया रिकार्ड बनाया है।

आज यहां खेले गये मुकाबले में रिदम सांगवान ने 25 मीटर पिस्टल फाइनल में 28/45 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं दक्षिण कोरिया की निशानेबाज जिन यांग और येजी किम को क्रमश: 41/50 और 32/50 का स्कोर अर्जित करते हुए स्वर्ण और रजत पदक मिला।

रिदम सांगवान ने रैपिड और प्रिसिजन राउंड में 588 के संयुक्त स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया था। दिव्या टीएस जो केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही थीं, वह कुल 578 स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहीं।

एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता ईशा सिंह ने पहले महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया था। वह 578 अंकों के साथ 14वें स्थान पर रहीं। ईशा सिंह के बाद सिमरनप्रीत कौर बराड़ (577) और राही सरनोबत (576) क्रमश: 15वें और 17वें स्थान पर रहीं।

सार संक्षेप

रियल मैड्रिड स्पेनिश सुपर कप में एटलेटिको को हराकर फाइनल में

रियाद। डिफेंडर स्टीफन सैविक के आत्मघाती गोल और अतिरिक्त समय में ब्राहिम डियाज के स्ट्राइक की बदौलत रियल मैड्रिड स्पेनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में एटलेटिको को 5-3 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश पहुंच गया है। गुरुवार को बार्सिलोना और ओसासुना के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता के साथ रियल मैड्रिड का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जायेगा। निर्धारित समय में मुकाबला 3 से 3 की बराबरी पर छूटा। जिसके बाद अतिरिक्त समय में पेनल्टी स्टोक के जरिए मैच का फैसला हुआ। एटलेटिको के स्टीफन सैविक द्वारा किए गए एक आत्मघाती गोल और ब्राहिम डियाज के अंतिम मिनट के स्ट्राइक, जिन्होंने एटलेटिको के गोलकीपर जान ओब्लाक के बराबरी के प्रयास में आगे बढ़ने के बाद खाली नेट का फायदा उठाया, जिससे रियल मैड्रिड की जीत पक्की हो गई। मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा कि पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया और दूसरे हाफ में हम सुधार करने में सफल रहे। दोनों टीमों ने बहुत अच्छा खेला। यह एक शानदार मैच था, हम जीत गए क्योंकि अंत में हमारे पास थोड़ी अधिक ऊर्जा थी।

निशना ने महिला प्रो गोल्फ टूर के शुरुआती चरण के अंतिम दौर में 2-शॉट की बढ़त बनाए रखी

पुणे। निशना पटेल पूना क्लब गोल्फ कोर्स में 2024 महिला प्रो गोल्फ टूर के शुरुआती चरण के दूसरे दौर में बहुत पार 71 के कार्ड के साथ एक कदम आगे रहीं। इस प्रकार निशना दो राउंड तक 5-अंडर 137 के स्कोर पर बनी हुई है और हिताशी बख्शी से दो शॉट आगे है। हिताशी ने 1-अंडर 70 का स्कोर किया, जिससे वह अपने और निशना के बीच के अंतर को दो शॉट तक कम कर सकीं। हिताशी बख्शी का अब दो राउंड में 3-अंडर 139 का स्कोर है। स्नेहा सिंह (69) और सहर अटवाल (68), जिनका दिन का सर्वश्रेष्ठ राउंड था, लीडरबोर्ड में आगे बढ़े। स्नेहा का दो राउंड में स्कोर 1-अंडर 141 है। पिछले सीज़न का शुरुआती चरण जीतने वाली सेहर ने दिन का सर्वश्रेष्ठ 68 का कार्ड खेला। वह अब दो राउंड के लिए 142 के बराबर है। कट 152 पर लगाया गया और 22 खिलाड़ियों ने कट हासिल किया।

हेटमायर वेस्टइंडीज की टीम से बाहर

पोर्ट ऑफ स्पेन 11 जनवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज ने अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एकदिवसीय और टी-20 श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा कर दी है और खराब फार्म में चल रहे शिमरॉन हेटमायर को टीम से बाहर कर दिया गया है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि खराब फार्म के कारण हेटमायर को टीम से बाहर कर दिया है वहीं हाल ही में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जेसन होल्डर और काइल मायर्स की एक बार फिर से टी-20 टीम में वापसी हुई है लेकिन वे एकदिवसीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। इसके अलावा होल्डर और मायर्स ने टेस्ट सीरीज के लिए स्वयं को अनुपलब्ध रखा है। उस दौरान वे अपनी टी-20 फ्रेंचाइजी के अनुबंध को पूरा करेंगे।

बोर्ड ने ब्रैंडन किंग और शरफेन रदरफोर्ड को भी टी-20 सीरीज से पहले फ्रेंचाइजी क्रिकेट में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। शे होप की कप्तानी वाली एकदिवसीय टीम में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज़ टेडी बिशप और गुयाना के विकेटकीपर-बल्लेबाज़ टेविन इमलाच को टीम में शामिल किया गया है। इमलाच टेस्ट टीम का भी हिस्सा हैं।

मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेंस ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमारी एकदिवसीय टीम ऑस्ट्रेलिया में काफी प्रतिस्पर्धी होगी। हमने कुछ नए खिलाड़ियों को मौका दिया है, जिन्होंने हालिया समय में अपने खेल से काफी प्रभावित किया है। इसके अलावा हमारी टीम में कुछ पुराने खिलाड़ी भी वापसी कर रहे हैं।

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

,कुआलालंपुर 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की शीर्ष पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को मलेशिया ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 में फ्रांस के लुकास कोरवी-रोनन लाबार की जोड़ी को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है, वहीं किदांबी श्रीकांत एकल मुकाबले में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गये है।

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने फ्रांस की लुकास कोरवी और रोनन लाबार की जोड़ी को 39 मिनट तक चले मुकाबले में 21-11, 21-18 से शिकस्त दी।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीडब्ल्युएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 के अपने मुकाबले में अच्छी शुरुआत करते हुए फ्रांस की जोड़ी को पहले गेम के दौरान अधिक अवसर नहीं दिए और लगातार नौ अंक जुटाकर 10-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कोरवी और लाबार स्कोर को 14-4 से 14-11 तक ले जाकर बढ़त के अंतर को कम करने में सफल रहे, लेकिन एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी ने एक बार फिर खेल पर अपनी पकड़ बनाते हुए बिना कोई और अंक गंवाए पहले गेम को 21-11 से जीत लिया। फ्रांस की जोड़ी ने दूसरे गेम की शुरुआत में भारतीय जोड़ी को टक्कर दी और 11-6 से पांच अंकों की बढ़त बना ली। हालांकि, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने ब्रेक के बाद अपनी लय हासिल कर ली और 39 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इससे पहले बुधवार को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने इंडोनेशिया के मुहम्मद शोहिबुल फिकरी-मौलाना बगास को सीधे दो गेमों में शिकस्त दी थी। भारत को गुरुवार को महिला युगल में भी सफलता मिली जब दुनिया की 24वें नंबर की अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने जापान की दुनिया की 9वें नंबर की जोड़ी वकाना नागाहारा और मायू मात्सुमोतो को 21-19, 13-21, 21-15 से हरा दिया। वहीं पुरुष एकल में भारत का अभियान किदांबी श्रीकांत की हार के साथ समाप्त हो गया। पहले राउंड में इंडोनेशिया के विश्व नंबर 5 जोनाटन क्रिस्टी को मात देने वाले श्रीकांत चीनी ताइपे के विश्व नंबर 20 एंगस एनजी का लोंग से 38 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 21-17 से हार गए। उल्लेखनीय है कि एचएस प्रणॉय और लक्ष्य सेन बुधवार को पुरुष एकल के पहले राउंड में हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए थे।

मैं विराट को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते देखना पसंद करूंगा : सुरेश रैना

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पुष्टि की है कि यशस्वी जायसवाल अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 मैच में कप्तान रोहित शर्मा के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे, बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने इस कदम का समर्थन किया और कहा कि विराट कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए जब वह मोहाली में श्रृंखला की शुरुआत के बाद टीम में शामिल होंगे।

हालांकि द्रविड़ ने टी20 सीरीज के पहले मैच की पूर्वसंध्या पर रोहित और कोहली के बल्लेबाजी की शुरुआत करने की संभावना से इनकार नहीं किया है, लेकिन जायसवाल के रूप में आक्रामक बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज का होना उस टीम के लिए एक संपत्ति है जो बल्लेबाजी की आक्रामक शैली को अपनाना चाहती है। हाल के दिनों में, जायसवाल ने पावर-प्ले में शुरू से ही आक्रमण करके और विपक्षी गेंदबाजों को दबाव में रखकर एजेंडा सेट किया है। अगस्त 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टी20 डेब्यू के बाद से, 14 पारियों में जायसवाल का पावर-प्ले स्ट्राइक-रेट 158.69 है। टी 20 के पावर-प्ले में शुभमन गिल का स्ट्राइक रेट 114.63 है, जबकि रोहित और विराट का क्रमश: 134.24 और 116.75 है, जो बताता है कि जायसवाल भारत के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में जबरदस्त प्रभाव डाल सकते हैं, खासकर पहले छह ओवरों में। मुझे लगता है कि यशस्वी को पारी की शुरुआत करनी चाहिए, क्योंकि शीर्ष पर बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। वह बहुत निडरता के साथ खेलते हैं और उनके शॉट्स में जो गुणवत्ता है वह हम सभी ने हाल के दिनों में देखी है। इसलिए, उन्हें पारी की शुरुआत करनी चाहिए क्योंकि यह गेंदबाजों के लिए भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। प्रसारणकर्ता जियोसिनेमा और स्पोर्ट्स 18 के विशेषज्ञ रैना ने एक वर्चुअल मीडिया इंटरेक्शन में कहा, बाएं-दाएं ओपनिंग जोड़ी को गेंदबाजी करने

का मतलब है कि गेंदबाज लगातार अपनी लाइन और लेंथ बदलते रहेंगे। साथ ही, रोहित और यशस्वी दोनों आक्रामक हैं और जिस तरह से वे मोहाली में खेलते हैं, उससे राहुल (द्रविड़) भाई को एक अच्छा विचार मिलेगा कि किसे किस नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। अगर रोहित और यशस्वी पारी की शुरुआत करते हैं, तो यह टीम के लिए बहुत अच्छा होगा । कोहली की अनुपस्थिति में गिल मोहाली में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। लेकिन एक बार करिश्माई बल्लेबाज की वापसी के बाद, रैना को उम्मीद है कि कोहली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। मैं विराट को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना पसंद करूंगा क्योंकि रोहित-यशस्वी का ओपनिंग संयोजन शीर्ष पर एक अच्छा विकल्प है। अतीत में, हमारे पास शीर्ष पर वीरेंद्र सहवाग-गौतम गंभीर और सचिन तेंदुलकर-सौरव गांगुली की जोड़ी थी। साथ ही, रोहित और यशस्वी के आक्रामक बल्लेबाज होने के कारण, विराट के तीसरे नंबर पर आने से बल्लेबाजी क्रम को मजबूती मिलेगी।

वह विकेटों के बीच बहुत अच्छी दौड़ लगाते हैं और हमेशा स्कोरबोर्ड को चालू रखने में व्यस्त रहते हैं। अगर मैनेजमेंट को लगता है कि विराट को ओपनिंग करनी चाहिए तो यशस्वी तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं. लेकिन अगर यशस्वी बल्लेबाजी की शुरुआत करते हैं, तो वह शीर्ष पर अच्छा इरादा दिखाएंगे और मुझे लगता है कि विराट तब तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। अफगानिस्तान सीरीज के लिए टीम की घोषणा होने के बाद से ही टी-20 के लिए रोहित और कोहली की वापसी की चर्चा हो रही है। दोनों ने आखिरी बार टी20 खेला था जब भारत एडिलेड में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड से दस विकेट से हार गया था। जून में संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के साथ अफगानिस्तान श्रृंखला के लिए उनके चयन ने सवाल उठाया कि टीम संतुलन कैसे प्रभावित होगा और क्या यह पिछड़ी दिशा में एक कदम है। पुरुष टी20 विश्व कप में शतक बनाने वाले भारत के एकमात्र बल्लेबाज रैना का मानना है कि इस मेगा इवेंट में परिस्थितियों और पिचों की विविधता का मुकाबला करने के लिए विराट और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की जरूरत है।